UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

नई सोच, नया जुनून...

करण वाणी

4 राष्ट्रवादी पत्रकारिता की जरुरत

5 राहुल गांधी की अमेठी यात्रा, कांग्रेस...

6 22 निर्धन परिवार की बेटियों की शादी...

● वर्ष : 09 ● अंक : 41 ● लखनऊ, सोमवार 5 मई 2025 ● मूल्य : 2 रु. ● पृष्ठ : 08

मूल जनगणना के साथ ही कराई जाएगी, कैबिनेट बैठक में बड़ा फैसला

जल्द होगी जाति जनगणना

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने जातिगत जनगणना को लेकर बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का एलान कर दिया है। यह जनगणना मूल जनगणना के साथ ही कराई जाएगी। कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्रिमंडल के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति ने आज फैसला किया है कि जाति गणना को आगामी जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस कर पूर्ववर्ती सरकारों ने हमेशा से ही जातिगत जनगणना का विरोध किया है। आजादी के बाद से ही जाति को जनगणना की किसी भी प्रक्रिया में शामिल नहीं किया गया। 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री दिवंगत मनमोहन सिंह ने लोकसभा में आश्वासन दिया कि जातिगत जनगणना को कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। इसेक बाद एक मंत्रीमंडल समूह का गठन किया गया। इसमें ज्यादातर राजनीतिक दलों ने जातिगत जनगणना की संस्तुति की। इसके बावजूद भी कांग्रेस ने महज खानापूर्ति का ही काम किया। उसने महज सर्वे कराना ही उचित समझा। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि कांग्रेस और उसके इंडी गठबंधन के सहयोगियों ने जाति जनगणना को केवल एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया है। जनगणना का विषय संविधान के अनुच्छेद 246 की केंद्रीय सूची की क्रम संख्या 69 पर अंकित है। यह केंद्र का विषय है। हालांकि, कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण सुचारू रूप से किया है, जबकि राजनीतिक दृष्टिकोण से गैर-पारदर्शी तरीके से ऐसे सर्वेक्षण किए हैं। ऐसे सर्वेक्षणों ने समाज में भ्रांति फैली है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारा सामाजिक ताना-बाना राजनीति के दबाव में न आए। हमें जाति जनगणना के लिए एक मंच तैयार करना चाहिए। इससे यह सुनिश्चित होगा कि समाज आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से मजबूत होगा और देश का विकास भी

मोदी कैबिनेट में कई अहम फैसले

ग्रीनफील्ड हाई-स्पीड कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दी गई है, जिसकी कुल लंबाई 166.80 किलोमीटर होगी। यह मार्ग मेघालय में शिलॉन्ग के पास मावलिंगखुंग से शुरू होकर असम में सिलचर के पास पंचग्राम तक जाएगा।

परियोजना की कुल लंबाई - 166.80 किमी

मेघालय में - 144.80 किमी

असम में - 22.00 किमी

परियोजना की कुल लागत -₹22,864 करोड़

परियोजना का समन्वय इन प्रमुख परिवहन मार्गों से होगा

इससे गुवाहाटी, शिलॉन्ग, सिलचर, डिएंगपासोह, उम्मुलोंग, फ्रामेर, ख्लिएरियात, रताचेरा, उमकियांग, कलैन जैसे शहरों और कस्बों से निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा।

गन्ना किसानों को बड़ी सौगात

केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, चीनी सीजन 2025-26 के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य 355 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह बेंचमार्क मूल्य है, जिससे नीचे इसे नहीं खरीदा जा सकता है।

गन्ना 2025 के लिए उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी)

- हर गन्ना सीजन में, केंद्र सरकार कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (छ्ष्टक्क) की सिफारिशों के आधार पर गन्ने का एफआरपी तय करती है।
- एफआरपी एक मानक मूल्य है, इससे कम कीमत पर कोई भी चीनी मिल किसानों से गन्ना नहीं खरीद सकती।
- एफआरपी की वास्तविक गणना सभी प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में उत्पादन लागत के आधार पर की जाती है।
- गन्ने काएफआरपी ÷गन्ना (नियंत्रण) आदेश, 1966 के तहत निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखते हुए तय किया जाता है।

प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर होती है जनगणना

जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी, लेकिन 2021 में कोरोना महामारी के कारण जनगणना टल गई थी। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है। अभी तक जनगणना की नई तारीख का आधिकारिक तौर पर एलान भी नहीं किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, जनगणना के आंकड़े 2026 में जारी किए जाएंगे। इससे भविष्य में जनगणना का चक्र बदल जाएगा। जैसे 2025-2035 और फिर 2035 से 2045।

क्यों अहम है जनगणना?

जनगणना के आंकड़े सरकार के लिए नीति बनाने और उन पर अमल करने के साथ-साथ देश के संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करने के लिए बेहद अहम होते हैं। इससे न सिर्फ जनसंख्या बल्कि जनसांख्यिकी, आर्थिक स्थिति कई अहम पहलुओं का पता चलता है। विपक्षी कांग्रेस समेत तमाम सियासी पार्टियां जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं, ताकि देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की कुल संख्या का पता चल सके। जनगणना 1951 से प्रत्येक 10 साल के अंतराल पर की जाती थी, लेकिन 2021 में कोरोना महामारी के कारण जनगणना टल गई थी। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को भी अपडेट करने का काम बाकी है। अभी तक जनगणना की नई तारीख का आधिकारिक तौर पर एलान भी नहीं किया गया है।

बिहार चुनाव में किसी से गठबंधन नहीं करेगी एआईएसमआईएम

किशनगंज। बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएसमआईएम ने भी तैयारियां तेज कर दी हैं। असदुद्दीन ओवैसी ने किशनगंज जिले में शनिवार को विधानसभा चुनाव का आगाज कर दिया। पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में ओवैसी ने हाथ में काली पट्टी बांधकर जनसभा को संबोधित किया। रैली में उन्होंने केंद्र सरकार, बिहार सरकार, बीजेपी, जेडीयू, आरजेडी और कांग्रेस पर तीखा हमला किया। उन्होंने चंद्रबाबू नायडू और चिराग पासवान पर भी निशाना साधा।एआईएसमआईएम चीफ ने कहा कि उनकी पार्टी बिहार में अधिक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

पन्नू अकील में तैनात किया पूरा डिवीजन, मेजर जनरल रैंक का अधिकारी रख रहा नजर

धोखे से हमले की फिराक में पाकिस्तान

एजेंसी

जैसलमेर। पाकिस्तान, भारत के खिलाफ धोखे से हमले के फिराक में है। भारतीय सरहद के पार पाकिस्तानियों की हलचल तेज हो गई है। जैसलमेर के सामने पाकिस्तान के पन्नू अकील में एक पूरा डिवीजन तैनात किया गया है। इसको मेजर जनरल रैंक का अधिकारी सुपरवाइज़ कर रहा है। पाकिस्तान ने बड़े स्तर पर स्नाइपर की तैनाती की है। सूत्रों के हवाले से ये खबर सामने आई है।पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद से भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चल रहा है। भारत सरकार, पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख अपना रही है। हालही में पाकिस्तान ने भी भारतीय ध्वज वाले पोतों के लिए अपने बंदरगाहों को बंद कर दिया है। इससे दोनों देशों में और अधिक कटुता आ गई है।इससे पहले, भारत ने इस्लामाबाद के खिलाफ नए दंडात्मक कदम के रूप में शनिवार को पाकिस्तान के साथ सभी डाक सेवाएं स्थगित कर दी थीं और भारतीय बंदरगाहों पर पाकिस्तानी झंडे वाले पोतों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था।पाकिस्तान की सेना तोपखाने के गोला-बारूद की भारी कमी का सामना कर रही है। ऐसे में पाकिस्तान की युद्ध क्षमता केवल चार दिनों तक सीमित हो गई है।

इस कमी का कारण यूक्रेन के साथ देश के हालिया हथियार

सौदे हैं, जिससे उसके युद्ध भंडार खत्म हो गए हैं। सूत्रों का कहना है कि सेना को आपूर्ति करने वाली पाकिस्तान आयुध फैक्टरी (क्कह्रस्न) को बढ़ती वैश्विक मांग और पुरानी उत्पादन सुविधाओं के बीच आपूर्ति को फिर से भरने के लिए संघर्ष करना पड़ा है। इस वजह से पाकिस्तान के गोला-बारूद भंडार केवल 96 घंटे के उच्च-तीव्रता वाले संघर्ष को झेल सकते हैं। भारत का मुकाबला करने का सपना देखने वाला पाकिस्तान इस समय खस्ता हाल में है और भारत के कठोर आक्रमण को झेलने में सक्षम नहीं है।

शिरगांव में भगदड़, सात की मौत

70 से अधिक घायल

एजेंसी

पणजी। उत्तरी गोवा के एक मंदिर में शनिवार तड़के एक उत्सव के दौरान भगदड़ मचने से दो महिलाओं समेत छह लोगों की मौत हो गई और 70 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह घटना पणजी से लगभग 40 किलोमीटर दूर शिरगांव के श्री लईराई देवी मंदिर में तड़के करीब तीन बजे हुई।गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भगदड़ की घटना की मजिस्ट्रेट से जांच कराने की घोषणा की।पुलिस ने बताया कि हजारों श्रद्धालु वार्षिक उत्सव में भाग लेने के लिए मंदिर की संकरी गलियों में उमड़

पड़े और इसी दौरान भगदड़ मच गई। पुलिस महानिदेशक आलोक कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि छह लोगों की मौत हुई है और कई अन्य लोगों का राज्य के विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है।

अधिकारी ने कहा, ''इस उत्सव के लिए कम से कम 30,000 से 40,000 लोग एकत्र हुए थे और कुछ लोग एक ढलान पर खड़े थे। ढलान पर कुछ लोग गिर गए जिससे अन्य लोग एक-दूसरे पर गिर गए।''

उन्होंने बताया कि 40 से 50 लोग ढलान पर गिर गए जिसके परिणामस्वरूप भगदड़ मच गई। उन्होंने कहा कि यह भगदड़ ढलान वाले स्थान तक सीमित रही।

अधिकारी ने कहा कि उत्सव में शामिल होने के लिए गोवा, महाराष्ट्र और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु मंदिर में एकत्र हुए थे।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भगदड़ में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''गोवा के शिरगांव में भगदड़ की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में जानकर दुख हुआ। इस घटना में कई लोगों की जान चली गई। मैं शोकसंतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।''

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सहायता कर रहा है।''राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी उत्तरी गोवा जिला अस्पताल में घायलों से मुलाकात की।सावंत ने घटना की मजिस्ट्रेट से जांच कराने की घोषणा की।उन्होंने कहा कि राज्य में मंदिर उत्सवों के दौरान ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए भविष्य में सावधानी बरती जाएगी।

पद्मश्री शिवानंद बाबा का निधन

करण वाणी

वाराणसी।वाराणसी के पद्मश्री बाबा शिवानंद महाराज का निधन हो गया है। 30 अप्रैल को वाराणसी के सर सुंदर लाल अस्पताल में इलाज के दौरान उनका निधन हुआ। बाबा शिवानंद की उम्र 129 वर्ष बताई जा रही है और वह वाराणसी के कबीर नगर के रहने वाले थे। वह अपने योग और दैनिक दिनचर्या के साथ लंबी आयु के लिए पूरे देश में जाने जाते थे। पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त करने के दौरान उनका, पीएम को झुककर प्रणाम करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।बाबा शिवानंद के निधन पर पीएम मोदी ने

दुख जताया है। पीएम ने एक्स हैंडल पर पोस्ट कर कहा, योग साधक और काशी निवासी शिवानंद बाबा जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ है। योग और साधना को समर्पित उनका जीवन देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। योग के जरिए समाज की सेवा के लिए उन्हें पद्मश्री से सम्मानित भी किया गया था।

10वीं में विद्यांशु शर्मा और 12वीं में भूमिका ने मारी बाजी

संस्कृत बोर्ड का रिजल्ट जारी

हाईस्कूल में 92.18 % तो इंटरमीडिएट में 87.82% छात्र हुए सफल रहे है

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के हाई स्कूल के परीक्षा में ज्ञानोदय संस्कृत उत्तर माध्यमिक विद्यालय कमला सागर नगर मऊ के विधांशु शर्मा ने 93.42%नंबर के साथ परीक्षा में टॉप किया है।

जबकि दूसरे नंबर पर श्री राजकुमार संस्कृत उत्तर माध्यमिक विद्यालय ब्रह्मपुर आजमगढ़ के समर्थ रहे हैं। उन्होंने इस परीक्षा में 93.14 % नंबर हासिल किए हैं।वही संस्कृत बोर्ड के

12वीं परीक्षा की बात करें तो जौनपुर के अंबाजी आश्रम माध्यमिक संस्कृत विद्यालय की भूमिका ने 85.21% नंबर के साथ पूरे प्रदेश में टॉप किया है, जबकि दूसरे नंबर पर अमरोहा की श्रीमद् दयानंद कन्या गुरुकुल संस्कृत माध्यमिक विद्यालय की छात्रा जिज्ञासा खंडेलवाल ने 84 % नंबर के साथ दूसरे नंबर पर रही है। उत्तर प्रदेश मध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के परिणामों की घोषणा बुधवार को माध्यमिक शिक्षा परिषद के कैंप कार्यालय में निदेशक महेंद्र देव ने किया।उत्तर प्रदेश संस्कृत शिक्षा परिषद की परीक्षाओं का परिणाम बुधवार को शाम 4 बजे घोषित किया गया। यूपी संस्कृत बोर्ड की पूर्व मध्यमा द्वितीय (10वीं), उत्तर मध्यमा प्रथम (11वीं) व उत्तर मध्यमा द्वितीय (12वीं) परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया।माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव एवं संस्कृत बोर्ड सचिव शिव लाल परिणाम घोषित किया. छात्र परीक्षा परिणाम परिषद की वेबसाइट पर भी देख सकेंगे. परीक्षाएं 27 फरवरी से 12 मार्च 2025 के बीच आयोजित की गई थीं।इन परीक्षाओं में लगभग 57 हज़ार विद्यार्थी सम्मिलित हुए थे. प्रदेश में कुल 1265 संस्कृत विद्यालय है, जिनमें लगभग 01 लाख 21 हजार से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। इस बार पहली बार माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद में सीसीटीवी कैमरा की निगरानी में अपनी परीक्षाओं का आयोजन किया था।

उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन 11 मूल्यांकन केदो पर किया गया था. उन्होंने बताया कि इस साल की परीक्षा में बीते साल की 8708 अधिक पास हुए हैं। निदेशक महेंद्र देव ने बताया कि पूर्व मध्य द्वितीय (दसवीं) की परीक्षा में कुल 24649 परीक्षण थी पंजीकृत थे. जिसमें 18107 परीक्षार्थी शामिल हुए. इस परीक्षा में कुल 14916 परीक्षार्थी सफल हुए।

सेना के वाहन का गहरी खाई में गिरा, 3 सैनिकों की मौत

एजेंसी

रामबन। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। सेना का ट्रक फिसलकर करीब 700 फीट गहरी खाई में जा गिरा। इस दर्दनाक दुर्घटना में तीन जवान बलिदान हो गए। अधिकारियों ने बताया कि हादसा नेशनल हाईवे-44 पर बैटरी चश्मा के पास सुबह 11¬30 बजे हुआ। सेना का यह ट्रक जम्मू से श्रीनगर जा रहे एक काफिले का हिस्सा था।

हादसे के तुरंत बाद, एसडीआरएफ, पुलिस, सेना और स्थानीय स्वयंसेवकों ने मिलकर बचाव अभियान चलाया। दुर्घटना में वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार तीन सैनिक बलिदान हो गए। शहीद हुए सैनिकों का नाम अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर

है। उनके शवों को खाई से बाहर निकाला जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि हादसा इतना दर्दनाक है कि वाहन दुर्घटना के बाद लोहे के ढेर में तब्दील हो गया।

सेना और प्रशासन दोनों ने जवानों के बलिदान पर शोक व्यक्त किया है। दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

झारखंड की शांभवी ने रचा इतिहास

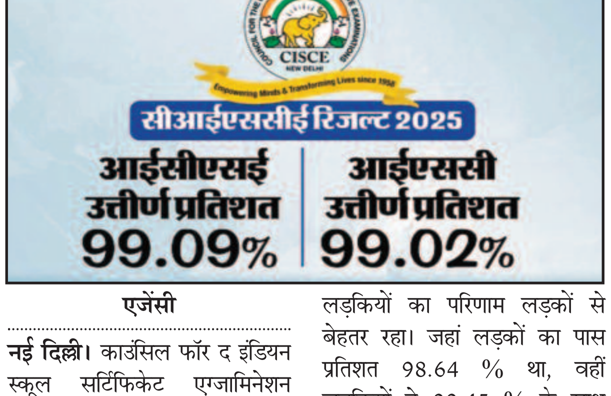

एजेंसी

नई दिल्ली। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (CISCE) 30 अप्रैल 2025 को 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिया। सीआईएससीई बोर्ड की ओर से 10वीं 12वीं रिजल्ट 2025 को सुबह 11 बजे जारी किया गया। रिजल्ट को आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किया गया। आईएससी कक्षा 12 में लड़कियों का परिणाम लड़कों से बेहतर रहा। जहां लड़कों का पास प्रतिशत 98.64 % था, वहीं लड़कियों ने 99.45 % के साथ सफलता प्राप्त की। कुल 99,551 छात्रों ने परीक्षा में भाग लिया, जिनमें से 98,578 छात्र उत्तीर्ण हुए। आईएससी में 99.02 पास प्रतिशत रहा।

आईसीएसई कक्षा 10 की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए छात्रों को प्रत्येक विषय में कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करने आवश्यक होंगे, जबकि आईएससी कक्षा 12 के छात्रों के लिए यह सीमा 40 प्रतिशत होगी। जो छात्र एक या दो विषयों में पासिंग मार्क्स हासिल नहीं कर पाते, उन्हें सुधार परीक्षा (इम्प्रूवमेंट एग्जाम) देने का अवसर मिलेगा।

आईसीएसई 10वीं का रीजन वाइज पास प्रतिशत

उत्तर	: 98.78 %
पूर्व	: 98.70 %
पश्चिम	: 99.83 %
दक्षिण	: 99.73%
विदेशी	: 93.39%

10वीं टॉपर

पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) की बेटी शांभवी जायसवाल ने आईसीएसई 10वीं बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे देश में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि से न केवल जमशेदपुर, बल्कि झारखंड और समूचे देश को गौरव की अनुभूति हुई है।

आईएससी 12वीं का रीजन वाइज पास प्रतिशत

उत्तर	: 98.97%
पूर्व	: 98.76%
पश्चिम	: 99.72%
दक्षिण	: 9.76%
विदेशी	: 100%

शिरडी के साई बाबा मंदिर की बढ़ाई गई सुरक्षा

मुंबई। देश के बड़े मंदिरों में से एक शिरडी के साई बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने का मामला सामने आया है। बता दें कि बीते दिनों लगातार बम से जुड़ी धमकियां देखने को मिल रही हैं। इस बीच अब शिरडी के साई बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। अज्ञात अपराधी ने ई-मेल के लिए यह धमकी दी थी। वहीं साई बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। आनन-फानन में भारी पुलिस बल मौके पर पहुंची और पूरे परिसर की तलाशी ली गई। हालांकि मौके पर कोई भी बम बरामद नहीं हुआ। आरोपी ने साई बाबा मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मंदिर ट्रस्ट के मेल पर भेजी थी। वहीं श्री शिरडी साई बाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) गोरक्ष गाडिलकर ने इस बारे में विस्तार से जानकारी दी।

भारत ने पाकिस्तान बगलिहार डैम से रोका चिनाब का पानी

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत सरकार ने सिंधु जल संधि रद्द करने का ऐलान कर दिया था। अब इस फैसले को अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया गया है। पीटीआई के हवाले से खबर मिली है कि सरकार ने चिनाब नदी पर बने बगलिहार बांध के माध्यम से चिनाब नदी का पानी रोक दिया है। अब झेलम नदी के ऊपर बने किशन गंगा बांध के माध्यम से ऐसा ही एक और उपाय करने की योजना बनाई जा रही है।

जम्मू के रामबन में स्थित बगलिहार बांध और उत्तरी कश्मीर में स्थित किशन गंगा बांध इन नदियों पर भारत

को पाकिस्तान से बेहतर स्थिति में रखते हैं। भारत सरकार इन बांधों के जरिए विद्युत उत्पादन करती है और इसके साथ ही यही बांध भारत को इन नदियों में पानी रोकने और छोड़ने की क्षमता प्रदान करते हैं।आपको बता दें कि बगलीहार बांध भारत और पाकिस्तान के बीच में लंबे समय तक विवाद का कारण रहा है। पाकिस्तान ने इस बांध के निर्माण के समय विश्व बैंक से मध्यस्थता की मांग की थी। इसके अलावा पाकिस्तान को किशनगंगा बांध को लेकर भी खासकर झेलम की सहायक नदी नीलम पर इसके प्रभाव के कारण आपत्ति है।भारत से पाकिस्तान की तरफ बहनें वाली यह नदियां दोनों देशों की जीवन रेखाएँ मानी जाती हैं क्योंकि इनके मैदानों में रहने वाले लोग खेती के लिए पूरी तरह से इन नदियों पर ही निर्भर हैं। भारत भी शुरुआत से ही इस बात को समझकर पाकिस्तान को ज्यादा मात्रा में ही पानी उपलब्ध करवाता रहा है।

बाढ़ सुरक्षा के उपायों में पहले से ही जुटें अफसर

करण वाणी

लखनऊ। योगी सरकार ने बाढ़ नियंत्रण को लेकर गोरखपुर, श्रावस्ती, अमेठी, सीतापुर, आजमगढ़, गाजीपुर और बुलंदशहर समेत कई जिलों में बाढ़ सुरक्षा के व्यापक उपायों के लिए 200 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। बरसात से पहले ही पुख्ता तैयारियों के लिए शासन ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग को सख्त निर्देश जारी किए हैं। राज्य पोषित और नाबार्ड पोषित योजनाओं के तहत इन परियोजनाओं में आरसीसी पिलर, तटबंधों की मरम्मत, कटाव रोकने वाले कार्य और पम्पिंग स्टेशनों के निर्माण शामिल हैं। प्रमुख अभियंता एवं विभागाध्यक्ष को पत्र भेजकर निर्देश दिए गए हैं कि सभी कार्य युद्धस्तर पर पूरे किए जाएं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट किया है कि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही सभी जिलों को समयबद्ध ढंग से बाढ़ से पूर्व सभी कार्य पूरे करने होंगे।

प्रमुख जिलों में किए जाएंगे ये कार्य: गोरखपुर में रोहिन नदी के दाएं तट पर मानीराम-डोमिनगढ़ तटबंध के पास पम्पिंग स्टेशन के लिए 57 करोड़ रुपए की नाबार्ड पोषित परियोजना को वित्तीय स्वीकृति।

अमेठी की तीन ड्रेन (अकबरगंज, गुलालपुर एवं हरकरनपुर) पर क्षतिग्रस्त वी.आर.बी. की जगह नई आरसीसी वी.आर.बी. के निर्माण के लिए 2.30 करोड़।

श्रावस्ती में राप्ती नदी के बाएं तट पर परसा डेहरिया तिलकपुर सीमांत तटबंध पर 6.88 करोड़, जबकि खजुहा झुनझुनिया अंधरपुरवा तटबंध पर 7.44 करोड़ की परियोजना।

आजमगढ़ में सरयू नदी के महुला गढ़वल तटबंध पर स्लोप पिचिंग के लिए 1.27 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति, 77 लाख अवमुक्त।

गाजीपुर में गंगा नदी के किनारे कटाव रोकने के लिए 10.90 करोड़ की परियोजना, शेरपुर-सेमरा क्षेत्र के लिए 5.49 करोड़।

बोले सीएम योगी- गो आश्रय स्थलों के आर्थिक स्वावलम्बन के लिए हों ठोस प्रयास

मुख्यमंत्री का निर्देश, हरा चारा उत्पादन की क्षमता बढ़ाएं, भूसा बैंक की स्थापना जरूरी

करण वाणी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि पशुपालन और दुग्ध विकास प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है। यह क्षेत्र केवल दुग्ध उत्पादन तक सीमित नहीं, बल्कि इसमें आजीविका, पोषण सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण की भी व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक, निवेश और नवाचार को बढ़ावा देते हुए इस क्षेत्र को और सशक्त किया जाना चाहिए।

रविवार को पशुपालन एवं दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निराश्रित गोवंश संरक्षण केंद्रों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट का प्रयोग सरकारी भवनों में भी किया जाए तथा इन पेंट प्लांट्स की संख्या बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि वर्तमान में प्रदेश के 7693 गो आश्रय स्थलों में 11.49 लाख गोवंश संरक्षित हैं। इनकी निगरानी सीसीटीवी से की जा रही है और नियमित अंतराल पर निरीक्षण भी हो रहा है।

आश्रय स्थलों में पशु चिकित्सकों की विजिट भी कराई जाए

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि यहां केयर टेकर की तैनाती, उन्हें समय से वेतन भुगतान, भूसा बैंक की स्थापना तथा पानी हरे चारे और चोकर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आश्रय स्थलों में समय-समय पर पशु चिकित्सकों की विजिट भी कराई जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि जिन गरीब परिवारों के पास पशुधन नहीं है, उन्हें 'मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना' के अंतर्गत गाय उपलब्ध कराई जाए। इससे परिवारों को एक ओर जहां गोसेवा का पुण्य प्राप्त होगा, वहीं दूसरी ओर दूध की उपलब्धता से परिवार के पोषण स्तर में भी सुधार होगा।

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर दिया जाए जोर

मुख्यमंत्री को यह भी बताया गया कि वर्ष 2024-25 में दुग्ध उपार्जन 3.97 एलएलपीडी दर्ज किया गया जो पिछले वर्ष की तुलना में 10त्न अधिक है। सदस्यता में 8त्न वृद्धि हुई है और 24031 दुग्ध उत्पादकों को प्रशिक्षण मिला है। वित्तीय दृष्टि से टर्नओवर ₹1120.44 करोड़ तक पहुंचा है, जो गत वर्ष से 16त्न अधिक है। वाराणसी, अयोध्या, बरेली, मिर्जापुर, मथुरा व बस्ती में प्रमुख दुग्ध संघों को कुल ₹818.22 लाख का लाभ हुआ है। मुख्यमंत्री ने दुग्ध उत्पादन बढ़ाने पर बल देते हुए प्राथमिक सहकारी समितियों की संख्या बढ़ाने और सदस्यों के प्रशिक्षण कराए जाने के भी निर्देश दिये। भविष्य की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि वर्ष 2025-26 में 4922 नई सहकारी दुग्ध समितियों के गठन तथा 21922 समितियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडल स्तर पर देसी नस्ल की गायों की प्रतियोगिता कराई जानी चहिते और अच्छे गो आश्रय स्थलों को चिन्हित कर सम्मानित किया जाए। इसी प्रकार, गौ आधारित उत्पाद बनाने वाली संस्थाओं के बीच भी प्रतियोगिता आयोजित की जाए। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि वाराणसी और मुजफ्फरनगर में गो आश्रय स्थलों की आत्मनिर्भरता हेतु सीबीजी प्लांट की स्थापना की जा रही है। प्रदेश में अब तक 40968.29 हेक्टेयर गोचर भूमि को कब्जामुक्त कराया गया है, जिसमें से 12168.78 हेक्टेयर भूमि पर हरा चारा उत्पादन हो रहा है। महिला स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी से ग्रामीण रोजगार भी सृजित हो रहा है।

21884 गोसेवक प्रशिक्षित कर कार्य में लगाए गए हैं। इसी प्रकार, बरेली जिले में इफ्को आवंला के साथ मिलकर वृहद गो संरक्षण केंद्रों में गोबर से जैविक खाद और गोमूत्र से प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया भी चल रही है।

हर चेहरे पर खुशहाली सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में प्रदेश भर से आये लोगों की सुनीं समस्याएं

करण वाणी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनता दर्शन किया। इस दौरान 60 से अधिक फरियादी आए। मुख्यमंत्री ने एक-एक करके सभी से मुलाकात की, फिर कुशलक्षेम पूछा। इसके बाद हर पीड़ित तक पहुंचे, शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा प्रदेश के हर नागरिकों के चेहरे पर खुशहाली लाना ही सरकार की प्राथमिकता है और सरकार इसके लिए पहले दिन से ही कार्य कर रही है। जनता दरबार में पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, वृद्धावस्था पेंशन, सड़क निर्माण समेत अनेक मामले आए, जिस पर प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया।

अफसरों को दिया प्रार्थना पत्र, समय से निस्तारण के निर्देश: मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में मौजूद अधिकारियों को शिकायतों का प्रार्थना पत्र सौंपते हुए इसके समय से निस्तारण के निर्देश दिए। प्रतापगढ़ के कुंडा में विगत दिनों हुई घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस घटना के आरोपियों को बख्शेंगे नहीं। वहीं दो महिलाओं ने पुलिस से संबंधित शिकायत की, जिसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से सुना और कार्रवाई के लिए निर्देशित किया।

विभिन्न विभागों से जुड़े मामले लेकर पहुंचे पीड़ित: जनता दर्शन में मड़ियाव थाना के रहने वाले एक राजमिस्त्री वृद्धावस्था पेंशन की फरियाद लेकर आए थे। जिस पर मुख्यमंत्री ने नियमसंगत कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया। आरटीई, खेत की पैमाइश, आवास, चकरोड, खेतों में कब्जा, बिजली कनेक्शन समेत अन्य फरियाद लेकर पीड़ित पहुंचे, जिसके समाधान का मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया।

बच्चों को दुलारा और दी चॉकलेट: जनता दर्शन में कई पीड़ित परिवार के साथ आए थे। मुख्यमंत्री ने इस दौरान बच्चों को दुलारा, उनकी शिक्षा के बारे में जानकारी ली और चॉकलेट भी दी।

अखिलेश की जमीन खिसक गई है, ओपी राजभर का पलटवार

दलितों की उपेक्षा करने का लगाया आरोप

करण वाणी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर मुख्यमंत्री रहते हुए जाति आधारित पक्षपात करने और दलितों व अल्पसंख्यकों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया है। हाल ही में अखिलेश यादव द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की गई टिप्पणी, जिसमें उन्होंने सत्ता में आने पर जाति जनगणना कराने की अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराई पर प्रतिक्रिया देते हुए राजभर ने इसे विपक्षी नेता का पाखंड करार दिया।

योगी सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने कहा, यह आश्चर्य की बात है कि जो लोग दूसरों के अधिकार छीनते हैं, वही अब ऐसी बातें कर रहे हैं। अखिलेश

यादव ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने पांच साल के कार्यकाल में पुलिस, ग्राम सेवक, लेखपाल जैसी सेवाओं में जाति के आधार पर नियुक्तियां कीं... उन्होंने 86 में से 56 एसडीएम जातिगत आधार पर बनाए।

राजभर ने आगे आरोप लगाया कि पिछली समाजवादी पार्टी सरकार के दौरान प्रशासनिक नियुक्तियों में भी जातिगत पक्षपात देखने को मिला। उन्होंने कहा, अगर अखिलेश यादव वास्तव में पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) में विश्वास रखते, तो इन वर्गों से कम से कम किसी एक व्यक्ति को नियुक्त करते।

उद्यमी समाधान दिवस में उद्यमियों को मिलेंगी 36 ऑनलाइन सेवाएं

उद्यमी समाधान दिवस में समस्याओं का किया जाएगा त्वरित निपटारा

करण वाणी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को औद्योगिक दृष्टि से अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए योगी सरकार 6 मई को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में उद्यमी समाधान दिवस का आयोजन करने जा रही है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य उद्यमियों की जमीनी समस्याओं को सुनना, समझना और त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा उद्यमियों को निर्बाध सहायता प्रदान करने के लिए 36 ऑनलाइन ई-सर्विसेज उपलब्ध कराई जाएंगी। इन सेवाओं के माध्यम से भूमि आवंटन से लेकर उत्पादन

प्रारंभ होने तक की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है।

प्रदेश में निवेश का माहौल होगा और अधिक सुदृढ़: यूपीसीडा के लखनऊ स्थित क्षेत्रीय एवं परियोजना कार्यालय के साथ-साथ जिला एवं मंडलीय उद्योग बंधु बैठकों के माध्यम से भी उद्यमियों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इस समाधान दिवस के माध्यम से न केवल उद्यमियों को लाभ मिलेगा, बल्कि प्रदेश में निवेश का माहौल भी और अधिक सुदृढ़ होगा। सरकार की यह पहल ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मजबूती प्रदान करेगी और प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की ओर और तेजी से अग्रसर करेगी।

औद्योगिक विकास को मिल रही नई गति: इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें राज्य के वरिष्ठ अधिकारी एवं यूपीसीडा के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे। सरकार का मानना है कि नई ई-सेवाओं और समाधान दिवस जैसे आयोजनों से उद्योगों को बेहतर माहौल मिलेगा और निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा। उत्तर प्रदेश सरकार की यह पहल राज्य में रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को नई गति देने वाली साबित हो रही है।

मलाईदार पद वाले अधिकारी दूसरे प्रदेशों में कर रहे निवेश: अखिलेश यादव

करण वाणी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार और अन्याय की कोई सीमा नहीं रह गई है और यह पहली बार दिख रहा है कि प्रदेश के अधिकारी इस राज्य के बाहर %निवेश% कर रहे हैं। यादव ने यहां प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय द्वारा अपने जिले सिद्धार्थनगर में गेहूं खरीद में 64 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाए जाने के बाद कहा, ÷इस सरकार में भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। अन्याय भी उतना ही चल रहा है। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार और अन्याय की वजह से ही पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) परिवार एकजुट हो गया है और इसी एकजुटता से घबराकर ही भाजपा ने जातिवार जनगणना का फैसला किया है। इस जनगणना में भी धांधली ना हो इसलिए भी पीडीए परिवार एकजुट रहे।

सपा प्रमुख ने एक सवाल पर कहा, इस बार भारतीय जनता पार्टी की कोई चालबाजी नहीं चलेगी। यह लोग चुनाव में धांधली करते हैं, मगर इस बार उत्तर

प्रदेश की 403 विधानसभाओं में हम भाजपा की कोई भी चार सौ बीसी नहीं चलने देंगे। नेता प्रतिपक्ष पांडेय ने प्रेस वार्ता में सिद्धार्थनगर जिले में गेहूं की सरकारी खरीद में 64 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि गबन में भाजपा के लोग शामिल हैं और मुख्यमंत्री से शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सपा प्रमुख यादव ने दावा किया, कई अधिकारियों के खिलाफ 165 करोड़ रुपये की धांधली को लेकर कार्रवाई होने जा रही है। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, एक अधिकारी इतने ईमानदार थे कि उन्होंने अपने नाम पर एक भी फ्लैट नहीं रखा और अपने सहयोगी-साथियों के नाम पर न जाने कितने फ्लैट खरीद लिये। वह भी न सिर्फ उत्तर प्रदेश में बल्कि उत्तर प्रदेश के बाहर भी। यह तो पहली बार सरकार में देखने को मिल रहा है कि उत्तर प्रदेश के अधिकारियों का निवेश उत्तर प्रदेश के बाहर हो रहा है।

यादव ने दावा किया कि अधिकारी जो बहुत ही मलाईदार पद पर हैं, वह दूसरे राज्यों में निवेश कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने किसान नेता राकेश टिकैत के साथ पिछले दिनों हुए दुर्व्यवहार करके उनकी पगड़ी उछाले जाने की तरफ इशारा करते हुए कहा कि अगर कोई सवाल करे और सरकार के खिलाफ आंदोलन में शामिल हो तो उसकी पगड़ी उछाल दी जाएगी। उन्होंने कहा, किसानों की पगड़ी एक बार नहीं उछाली गई है। कई ऐसे मौके आए हैं जब भाजपा के लोगों ने किसानों को अपमानित किया है।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति: इकाइयों के थर्ड पार्टी निरीक्षण में तेजी लायी जाय: केशव

करण वाणी

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति -2023 के तहत प्राप्तपरियोजना प्रस्तावो पर कार्यवाही करने, स्थापित इकाइयों के सब्सिडी प्रकरणों की समीक्षा करते रहने व प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के क्रियान्वयन पर विशेष रूप से फोकस करने के निर्देश उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण के अधिकारियों को दिए हैं। अपर मुख्य सचिव उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की अध्यक्षता में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 अंतर्गत नामित थर्ड पार्टी इन्सपेक्शन एजेन्सी से प्राप्त रिपोर्ट अद्यतन प्रगति के सम्बन्ध में बैठक की गयी।बैठक में कानपुर, मेरठ, लखनऊ, आजमगढ़ ,बरेली प्रयागराज की नामित संस्थाओ विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।पं. दीन दयाल उपाध्याय

विश्वविद्यालय गोरखपुर से डा दिव्या सिंह व बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी से प्रोफेसर शिव कुमार कटियार द्वारा वर्चुअल प्रतिभाग किया गया। बैठक नामित थर्ड पार्टी इन्सपेक्शन एजेन्सियों से संबंधित प्राप्त रिपोर्ट,अद्यतन प्रगति के सम्बन्ध में जानकारी हासिल की गयी तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निर्देश दिए गए इकाईयों का निरीक्षण करते समय स्वच्छता मानकों का भी ध्यान रखा जाये तथा यह ज्ञात किया जाये कि संस्था द्वारा एचएससीसीपी प्रमाण पत्र सम्बन्धित विभाग से प्राप्त किया गया है अथवा नहीं। रिपोर्ट विभाग को प्रस्तुत करने से पूर्व सुनिश्चित कर लिया जाये कि वैधानिक प्रमाण पत्र संस्था द्वारा सम्बन्धित विभाग से प्राप्त कर लिया गया है जिसका विवरण रिपोर्ट में भी अंकित किया जाये। नोडल अधिकारी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 को निर्देशित किया गया कि योजना से जुड़ी थर्ड पार्टी इन्सपेक्शन एजेन्सी द्वारा निरीक्षण सत्यापनोंपरान्त नीति में निहित प्राविधान के अनुसार भुगतान हेतु पत्रावली प्रस्तुत की जाये। सीमैप लखनऊ से वर्चुअल प्रतिभाग कर रहे वैज्ञानिक डा रमेश श्रीवास्तव से चर्चा के मध्य अपेक्षा की गयी कि उनके स्तर से खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 एवं एमआईडीएच अन्तर्गत अधिक से अधिक प्रस्तावों को सम्मिलित करायें। इन्स्पेक्शन एजेंसियों व अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए।

किस डिप्टी सीएम के आदेश से क्षय रोग विशेषज्ञ की तैनाती हुई: डॉ आरके सैनी

लखनऊ। पीएमएस रिटायर्ड ऑफिसर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने एक बार फिर उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग की पोल खोलते हुए महत्वपूर्ण मुद्दों को उजागर किया है। एसोसिएशन के महामंत्री डॉ आरके सैनी ने बताया कि डॉ राजीव बंसवाल क्षय रोग विशेषज्ञ हैं जिन्हें किसी डिप्टी सीएम के आदेश से जवाहर भवन में तैनात कर दिया गया है और यह डिप्टी सीएम कौन है इसका पता ही नहीं। उन्होंने लखनऊ सीएमओ रहे डॉ मनोज अग्रवाल और वर्तमान सीएमओ डॉ एनबी सिंह पर भी इस तैनाती को लेकर आरोप लगाया है। जनपद औरैया के सीएमओ डॉ सुनील वर्मा को निर्दोष बताते हुए उन्होंने कहा कि इसके पीछे बड़ा षड्यंत्र रचा गया है जिसकी जांच होनी चाहिए। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा पर एफआईआर की जानकारी देते हुए कहा कि सीएम योगी इसकी जांच करवाएंगे तो सच सामने आ जाएगा।

देश हिंदू राष्ट्र बनेगा, राहुल गांधी को बाहर भेजो: राजू दास

करण वाणी

लखनऊ। पहलगाम की घटना को लेकर लखनऊ में विश्व हिंदू रक्षा परिषद ने बड़ी धर्म संसद बुलाई। इसमें हिंदुओं की आवाज के लिए देश भर से धर्मगुरु बुलाए गए। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अयोध्या, काशी, मथुरा के तमाम हिंदुओं के साथ यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक भी धर्म संसद में शामिल हुए। धर्म संसद को लेकर अयोध्या की हनुमानगढ़ी के पुजारी राजू दास ने कहा-हिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र होगा।

जिस तरह से पहलगाम में घटना हुई, मुर्शिदाबाद में घटना हुई है। देखा जा रहा है हिन्दुस्तान से हिंदू पलायन कर रहा है। उन्होंने कहा कश्मीर के उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर बताया कि पहलगाम की घटना कश्मीरियों की मदद से ही हुई है। इसके साथ ही राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा राहुल गांधी को हिंदुत्व-सनातन के बारे में जानकारी नहीं है, इसलिए उन्हें भारत से बाहर कर देना चाहिए। पहलगाम की घटना को लेकर कालिदास चौराहा, भाजपा दफ्तर,अखिलेश यादव के आवास के पास चौराहे पर पोस्टर लगाए गए थे। जो होर्डिंग लगाए गए हैं, उसमें लिखा गया है कि न बंटेंगे न कटेंगे, धर्म संसद है जरूरी. इसके साथ ही होर्डिंग में कोई धर्म पूछ कर न मारे गोली। 4 मई को उठेगी हिंदुओं की आवाज जैसे वाक्य भी लिखे गए हैं। विश्व हिंदू रक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष का कहना है कि पहलगाम में हिंदुओं को टारगेट करके उनका धर्म पूछकर मारा गया। इसी की वजह से हिंदू धर्म संसद की गई है। उन्होंने बताया पहलगाम जैसी घटना फिर न हो और आतंकी धर्म पूछ कर कायराना हरकत न करें, इसके लिए हिन्दू राष्ट्र का प्रस्ताव है।

रक्षा मंत्री के गांव में स्टेडियम तक नहीं

सपा सचिव ने खिलाड़ियों को किया ट्राफी व पुरस्कार देकर सम्मानित

करण वाणी

लखनऊ। चंदौली के चकिया क्षेत्र के भभौरा गांव में खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह में पहुंचे सपा के राष्ट्रीय सचिव व सैयदराजा के पूर्व विधायक मनोज सिंह डब्लू ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को आइना दिखाते हुये उनके गांव में लड़कों को खेलने के लिए खेल स्टेडियम की सुविधा तथा जनपद में युवाओं के लिए सेना भर्ती की मांग किया। कहा कि मैं जब सपा सरकार में विधायक था तो जनपद में सेना भर्ती करने का कार्य किया। चंदौली के भभौरा गांव के निवासी भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के गांव में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबले के समापन समारोह में पहुंचे थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में

सपा के राष्ट्रीय सचिव व सैयदराजा के पूर्व विधायक मनोज सिंह डब्लू ने विजयी टीम के खिलाड़ियों को ट्राफी व पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि चंदौली का भभौरा गांव देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का पैतृक गांव है, जहां आज बच्चे खेत-खलिहान में क्रिकेट खेल रहे हैं।उम्मीद है कि रक्षामंत्री अपने पैतृक गांव में स्टेडियम बनवाने का काम करेंगे ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को खेत-खलिहान में खेलने के लिए विवश नहीं होना पड़े। उन्हें बेहतर प्रशिक्षण और खेलने के लिए सुविधाओं से युक्त खेल ग्राउंड उपलब्ध हो सके।चंदौली के युवाओं के भविष्य को देखते हुए सेना भर्ती कराने की मांग भी किया। कहा कि ?जब वह सैयदराजा के विधायक थे तो युवाओं के सेना भर्ती में शामिल होकर देश सेवा करने के जज्बे को देखते हुए सेना भर्ती कराने का काम किया था।आज भभौरा की मिट्टी में जन्में राजनाथ सिंह देश के रक्षामंत्री है। युवाओं को उनसे बड़ी उम्मीदें हैं। मैं विधायक रह कर जनपद में सेना की भर्ती करा सकता हूं तो इस जनपद के निवासी होने के नाते देश के रक्षा मंत्री को यहां के युवाओं के लिए सेना भर्ती करना बहुत बड़ी बात नहीं है।

ओपीएस के लिए जूनियर इंजीनियर्स करेंगे राष्ट्रीय स्तर पर आन्दोलन: राजवोंगसी

लखनऊ। आल इण्डिया फेडरेशन डिप्लोमा इंजीनियर्स नई दिल्ली के राष्ट्रीय महासचिव इं. एम.एम. राजवोंगसी ने डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ लोक निर्माण विभाग के सभागार में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित किया। उन्होने बताया कि आल इण्डिया फेडरेशन आफ डिप्लोमा इंजीनियर्स देश के चार लाख डिप्लोमा इंजीनियर्स के संवर्गीय उत्थान के लिए सतत् प्रयत्नशील है। अब तक डिप्लोमा इंजीनियर्स के हित में फेडरेशन द्वारा कराये गए कार्यों की जानकारी दी। उन्होने कहा कि फेडरेशन पुरानी पेंशन बहाली, जूनियर इंजीनियर्स की वेतन विसंगति, राष्ट्रीय तकनीकी आयोग के गठन, एक पद एक वेतनमान इत्यादि मांगो को बहुत ही सक्रियता एवं मजबूती के साथ केन्द्र सरकार के समक्ष रख रहा है। केन्द्र द्वारा घोषित आठवे वेतन आयोग के समक्ष अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन कर लिया गया है।

कानपुर और आगरा मेट्रो के पहले कॉरिडोर का निर्माण दिसंबर तक होगा कंप्लीट

आगरा मेट्रो के कॉरिडोर-1 का निर्माण कार्य 50 फीसदी से ज्यादा हो चुका है पूरा

करण वाणी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना कानपुर और आगरा मेट्रो रेल का कार्य तीव्रगति से चल रहा है। दोनों मेट्रो रेल परियोजनाओं के कॉरिडोर-1 का निर्माण दिसंबर 2025 तक पूरा जाएगा। कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-1 के कानपुर सेंट्रल से मोती झील तक 6.7 किलोमीटर तक का अंडरग्राउड खण्ड पूरी तरह तैयार हो चुका है। कॉरिडोर-1 का शेष भाग भी सत्तर फीसदी से अधिक पूरा चुका है, जो कि साल के अंत तक पूरा होना है। इसके साथ ही आगरा मेट्रो के कॉरिडोर-1, सिकंदरा से ताज ईस्ट गेट तक 14.27 किमी का निर्माण कार्य भी पचास फीसदी से अधिक पूरा हो चुका है। दोनों मेट्रो परियोजनाओं के कॉरिडोर-2 का कार्य प्रगति पर है, जिसके अगले वर्ष, दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। कानपुर मेट्रो के कॉरिडोर-1 ,आईआईटी कानपुर से नौबस्ता का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है, जिसमें कानपुर सेंट्रल से मोती झील तक का 6.7 किलोमीटर तक का अंडरग्राउंड खंड तैयार हो चुका है, शेष कार्य दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा। जिसमें से कानपुर मेट्रो के 15 किलोमीटर के खंड का संचालन भी शुरू हो चुका है। वहीं, चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय से बर्रा तक के 8.6 किमी के कॉरिडोर-2 का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है। जिसमें 4.1 किमी के अंडरग्राउंड और 4.5 किमी का एलिवेटेड खंड भी शामिल हैं। इसमें से अंडरग्राउंड खंड में रावतपुर से डबल पुलिया तक टनल निर्माण शुरू हो चुका है।

संक्षिप्त खबरें

आत्मसम्मान के साथ समाज की मुख्यधारा में शामिल हो भीख मांगने वाले

लखनऊ। बदलाव संस्था द्वारा भिक्षावृत्ति मुक्त अभियान के अंतर्गत 30 दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम के तीसरे दिन सार्थक पार्ट-2 एक कदम भिक्षावृत्ति उन्मूलन की ओर नुक्कड़ नाटक का मंचन-खाटू श्याम, (पंचमुखी मंदिर) न्यू हैदराबाद, गोमती बंधा, तथा शनिदेव मंदिर क्लार्क अवध के राणाप्रताप मार्ग पर किया गया। नाटक के माध्यम, लखनऊ शहर में भीख मांगने के काम में लगे लोगों की जीवनशैली,समस्याओं का मचंन कर बदलाव संस्था की टीम व वालंटियरों ने वहां उपस्थित भिक्षावृत्ति के काम मे लगे लोगों से एक-एक करके, व्यक्तिगत संवाद कर उनकी समस्याओं और कारणों को समझा. टीम द्वारा उन्हें संस्था द्वारा पुनर्वास के लिए प्रदान किया जा रहे अवसर तथा सुविधाओं से जुड़कर अपनी खोई हुई पहचान को पुनः स्थापित कर अपने परिवार के साथ खुशहाल सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। बदलाव का यह प्रयास सिर्फ मंचन तक सीमित न होकर जमीनी बदलाव की दिशा में एक सशक्त कदम है। संस्था का उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति भीख न मांगे, बल्कि आत्मसम्मान के साथ समाज की मुख्यधारा में शामिल हो। बदलाव संस्था अब तक 485 से अधिक भीख मांगने के काम मे लगे लोगों को पुनर्वासित कर चुकी है, जो आज आत्मनिर्भरता और सम्मान के साथ जीवन जी रहे है। अभियान के चौथे दिन 05 मई, दिन सोमवार को बदलाव टीम द्वारा अगला नुक्कड़ नाटक सुबह 9.00 बजे मनकामेश्वर मंदिर डालीगंज व 07.30 बजे डालीगंज पुल पर किया जाएगा।

वाहन वेर गिरोह का किया खुलासा, पांच गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ से चोरी ई-रिक्शा से लेकर दो पहिया वाहन ग्रामीण इलाकों में फर्जी कागजों पर बेचे जा रहे हैं। इसका खुलासा मड़ियांव पुलिस ने करते हुए चोर गिरोह के पांच लोगों को गिरफ्तार करके किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी के सात ई-रिक्शा, 29 बैटरी और एक स्कूटी बरामद की है। एडीसी उत्तरी जितेंद्र दुबे ने बताया कि मड़ियांव इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्र की टीम ने ई-रिक्शा चोर गिरोह को पकड़ा है। जिसमें मोहम्मद हलीम, मोहम्मद इम्तियाज, मोहम्मद फुरकान उर्फ बाटे, विशाल यादव और सूरज कुमार हैं। इन लोगों का कहना है कि रात को घूम-घूम कर घरों के बाहर खड़े ई-रिक्शा चुराते थे।

डग्गामार वाहनों के खिलाफचला अभियान,16 वाहन किए गए सीज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के कामता चौराहे पर डग्गामार वाहनों के खिलाफ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान परिवहन विभाग की टीम और ट्रैफिक पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए फुटकर सवारियां भरने वाले वाहनों की जांच की। इस दौरान 16 डग्गामार वाहनों को सीज किया गया। अभियान के दौरान पाया गया कि कई वाहन बिना निर्धारित परमिट और पंजीकरण शर्तों का पालन किए सवारियों की ढुलाई कर रहे थे। इस पर परिवहन नियमों के उल्लंघन में 16 वाहनों को सीज कर लिया गया। इनमें 11 अर्टिगा कार और 5 बसें शामिल हैं। जिन वाहनों को सीज किया गया, उन्हें ट्रैफिक पुलिस लाइन, कल्ली पश्चिम भेजा गया है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी ताकि अवैध यातायात पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि बिना वैध परमिट और लाइसेंस के सवारी ढोने वाले वाहनों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आमजन की सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी चलाए जाएंगे।

ई रिक्शा चोर गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार

लखनऊ। मड़ियांव पुलिस ने शनिवार को कपड़ा व्यापारी को उसके चार साथियों संग गिरफ्तार किया। आरोपित मुख्य तौर पर ई-रिक्शा चोरी करते हैं। जिसकी बैट्रियां कबाड़ियों को बेची जाती हैं। वहीं, ई-रिक्शे ग्रामीण इलाकों में बेचे जाते हैं। इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानन्द मिश्र के मुताबिक मड़ियांव ओवरब्रिज के पास से ठाकुरगंज निवासी कपड़ा व्यापारी मो. फुरकान, सज्जदागंज निवासी मो. हलीम, मो. इम्तियाज, माल निवासी विशाल यादव और बाजारखाला निवासी सूरज कुमार को गिरफ्तार किया गया। गिरोह का संचालन कपड़ा व्यापारी करता है। बीते एक हफ्ते में ही आरोपितों ने करीब तीन जगह से ई-रिक्शा चोरी किए थे। गिरोह के सदस्य ई-रिक्शा चोरी करने के बाद उनमें लगी बैट्रियां निकाल लेते हैं। एक बैट्री तीन हजार रुपये के करीब बिकती है। वहीं, ई-रिक्शे को ग्रामीणों इलाकों में बेचा जाता है। इंस्पेक्टर के मुताबिक चोरी की बैट्री खरीदने वाले कबाड़ियों से भी पूछताछ की जाएगी।

कृष्णानगर में हादसा, छात्र की मौत

लखनऊ। कृष्णानगर स्थित शक्ति चौराहे के पास शुक्रवार रात दो बाइकें आपस में टकरा गईं। हादसे में एक बाइक सवार छात्र आकर्ष वर्मा (26) की मौत हो गई। वहीं, दूसरे बाइक सवार दोनों युवक भी घायल हो गए। एलडीए कॉलोनी पराग चौराहा निवासी पिता मेवालाल के मुताबिक बेटा आकर्ष बैंकिंग परीक्षा की तैयारी कर रहा था। शुक्रवार रात में वह बाइक से जिम से लौट रहा था। रात 10 बज वह शक्ति चौराहे के पास पहुंचा ही था तभी पीछे से आए तेज रफ्तार बाइक सवार ने आकर्ष की बाइक में टक्कर मार दी। दूसरी बाइक पर दो युवक थे। टक्कर से दोनों बाइक सवार घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने तीनों घायलों को लोकबंधु अस्पताल भेजवाया। आकर्ष की हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने ट्रामा सेंटर भेज दिया। ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान आकर्ष ने दम तोड़ दिया। पिता मेवालाल निजी कंपनी में अकाउंटेंट हैं। परिवार का आरोप है दूसरी बाइक सवार युवक नशे में थे। बाइक पर पीछे बैठा युवक हाथ में बीयर की बोतल पकड़े था। पुलिस के पुलिस के मुताबिक बाइक सवार नशे में थे की नहीं इस बात की तस्दीक की जा रही है। एसबीआई मेन्स परीक्षा कर चुका था क्वालीफाई परिवार वालों के मुताबिक आकर्ष पढ़ाई में तेज था। वह एसबीआई मेन्स की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका था। सब लोग फाइनल परिणाम का इंतजार कर रहे थे। इससे पहले इतना बड़ा हादसा हो गया। राहगीरों के मुताबिक हादसे के समय आकर्ष ने हेलमेट नहीं लगाया था। हेलमेट न होने से सिर में गंभीर चोट आ गई। हेलमेट होता तो शायद उसकी जान बच जाती।

मां-बेटे को कार से रौंदने का प्रयास

लखनऊ। गोसाईंगंज एचसीएल आईटी सिटी के पास बाइक सवार मां-बेटे को कार सवार से रौंदने का प्रयास किया। असफल होने पर आरोपित धमकी देते हुए भाग गए। 16 फरवरी को हुई वारदात की तहरीर मिलने पर भी सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया था। कोर्ट से आदेश के बाद मुकदमा दर्ज हुआ। रहमत नगर निवासी सत्यम पटेल के मुताबिक 16 फरवरी की रात करीब 11:30 बजे वह मां के साथ बाइक से घर जा रहे थे। आईटी सिटी के पास पीछे से आए कार सवार ने बाइक में टक्कर मार दी। वह मां के साथ सड़क पर जा गिरे। विरोध करने पर आरोपित ड्राइवर ने मां-बेटे को रौंदने का प्रयास भी किया था। असफल होने पर आरोपित कार लेकर भाग गया था। पीड़ित सत्यम ने 25 फरवरी को सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली में तहरीर दी। आरोप है कि पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं लिखा।

निजी डायग्नोस्टिक सेंटर के एजेंटों को रोकने के निर्देश

लखनऊ। कैंसर संस्थान में निजी डायग्नोस्टिक सेंटर के एजेंटों पर शिकंजा कसेगा। बीते कुछ माह से निजी डायग्नोस्टिक सेंटर के एजेंट सक्रिय हैं। भनक लगने पर संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक ने अधिकारियों के साथ बैठकर निजी डायग्नोस्टिक सेंटर के एजेंटों की पहचान कर रोकने के निर्देश दिए हैं। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विजय वरुण की तरफ से जारी आदेश में सभी विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, सभी सीएमओ, जूनियर, सीनियर रेजिडेंट व सेवा प्रदाता एजेंसी को कहा गया है कि निजी डायग्नोस्टिक सेंटर के एजेंटों को किसी भी दशा में ओपीडी व वार्ड में भटकने न दिया जाए। आदेश में एक निजी डायग्नोस्टिक सेंटर का नाम देते हुए कहा गया है कि वहां के एजेंट मरीजों को गुमराह कर लेकर जा रहे हैं।

उधार दिए सात लाख रुपये मांगने पर धमकी दी, केस दर्ज

लखनऊ। पीजीआई इलाके में उधार दिए सात लाख रुपये मांगने पर पूर्व परिचित जान से मारने की धमकी दे रहा है। यह आरोप लगा पीड़ित ने पीजीआई कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। इंद्रपुरी कॉलोनी निवासी हृदय नारायण उपाध्याय के मुताबिक पूर्व परिचित अम्बेडकरनगर के आलापुर निवासी विपिन सिंह ने जरूरत बताकर सात लाख रुपये उधार लिए थे। भरोसे में लेने के लिए उन्होंने छह माह बाद का चेक भी दिया था। तय समय पूरा होने पर बैंक में चेक लगाया तो वह बाउंस हो गया।

फूड कंपनी में लगी आग, मालिक-मजदूर फंसे, लोग घर छोड़कर भागे

करण वाणी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की फूड कंपनी में शनिवार शाम को भीषण आग लग गई। आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप ले लिया। करीब 40 फीट ऊंची लपटें उठीं। 2 किलोमीटर दूर से भयानक धुंए का गुबार दिख रहा था। आग की सूचना फैलते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग अपने घरों से बाहर भागे। आग और धुंए का गुबार देखकर लोग सहम गए। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद दमकल की 10 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। कंपनी के मालिक अखिलेश और एक मजदूर के आग में फंसे थे। उनका अभी तक पता नहीं चल पाया है। एसडीआरएफ और दमकल कर्मी उन्हें ढूंढ़ रहे हैं। घटना शाम 4.30 बजे की सरोजनी नगर में स्थित स्वीटी फूड्स कंपनी की है। आग में लाखों रुपए

का सामान और एक कार जलकर राख हो गई। कंपनी के मालिक अखिलेश आलमबाग के मवैया के रहने वाले हैं। उनके बेटे का कहना है कि वह घर पर नहीं हैं। आग में फंस गए थे। सरोजनी नगर, आलमबाग, पीजीआई, हजरतगंज, चौक फायर स्टेशनों की 10 गाड़ियां आई। आग की सूचना मिलते ही लोगों की भीड़ जमा हो गई। तमाम लोग अपने-अपने घरों से कीमती सामान निकालने लगे। कुछ ने अपने पानी के मोटर चला दिए। पानी की पाइप छत पर बिछा दी। खिड़की दरवाजों पर पानी डाले, ताकि उनके घर तक आग न फैले। सूचना पर एडीसीपी दक्षिणी अमित कुमावत और एसीपी कृष्णा नगर विकास पांडेय भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने भीड़ को हटाया। लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। ताकि रेस्क्यू में कोई दिक्कत न हो। कंपनी तीन मंजिल बिल्डिंग में चल रही थी। आग तीनों मंजिल तक पहुंची थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के दौरान 10 मजदूर काम कर रहे थे। वह बाहर भाग गए। कंपनी की तीसरी मंजिल पर केमिकल से भरा टैंक रखा था। आग की चपेट में आने से वह धमाके के साथ फटा। इससे आसपास के लोग दहशत में आ गए। आग लगने के बाद क्षेत्र की बिजली की आपूर्ति बंद कर दी गई। देर शाम वह चालू हुई। एसडीआरएफ और दमकल कर्मी टार्च की रोशनी से कंपनी मालिक व मजदूर को सर्च कर रहे हैं। सरोजनी नगर इंस्पेक्टर राजदेव ने बताया कि आग बुझ गई है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि कंपनी मालिक के बेटे ले बताया कि कंपनी करीब डेढ़ साल से बंद थी। आग बुझाने के बाद सर्च आपरेशन चलाया जा रहा है। आग किसी वजह से लगी, इसकी जानकारी नहीं हो पाई है।

नीट-2025 परीक्षा आज,लखनऊ के 73 केंद्रों पर 35 हजार छात्र देंगे परीक्षा

लखनऊ लखनऊ में रविवार यानी 4 मई को नीट परीक्षा होगी। शहर में 73 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां करीब 35,838 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा एक ही पाली में आयोजित की जाएगी। परीक्षा के दौरान सख्त सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। नीट के जरिए एमबीबीएस, बीडीएस, बीएएमएस, बीएचएमएस और बीयूएमएस पाठ्यक्रमों में दाखिले होंगे। उत्तर प्रदेश में डठठै की 8528 सीटें हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्र पर मोबाइल, स्मार्टवॉच या कोई भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट लाने की अनुमति नहीं होगी। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटो स्टेट की दुकानें बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि पेपर लीक जैसी किसी भी आशंका को खत्म किया जा सके। परीक्षा शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से संपन्न हो, इसके लिए जिलाधिकारी और पुलिस स्तर पर निगरानी की व्यवस्था की गई है। एडीएम प्रशासन ने बताया कि 73 ड्यूटी मजिस्ट्रेट, 6 नोडल और केंद्रीय विद्यालय के प्रिंसिपल की ड्यूटी भी लगाई गई है।

लखनऊ में 10 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

करण वाणी

लखनऊ। लखनऊ में इस बार 10 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। जिसमें न्यायालयों और विभागों में चल रहे लंबित मामलों को रखा जायेगा। जिसका निस्तारण आपसी सुलह समझौते के आधार पर एक दिन में हो सकता है, लेकिन इसके लिए लोगों (वादकारीगण) को आवेदन करना होगा। जनपद न्यायाधीश और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष के निर्देशन में सुबह दस बजे से लोक अदालत शुरू होगी। लोक अदालत में वादकारी गण जिनके वाद किसी न्यायालय में विचाराधीन हों, राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने वाद निस्तारित कराकर लाभान्वित हो सकते हैं। बैंक दसुली वाद, किरायेदारी वाद, मोबाईल फोन व केबल नेटवर्क संबंधी प्रकरण, आयकर बैंक व अन्य वित्तीय संस्थाओं से सम्बन्धित प्रकरण,दीवानी वाद, उत्तराधिकार वाद, पारिवारिक वाद, दाम्पत्य सम्बन्धी वाद, प्रीलिटिगेशन स्तर पर, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, चेक बाउंस के मामले, जनोपयोगी सेवाओं और वाणिज्य कर से सम्बन्धित प्रकरण, आरबीट्रेशन सम्बन्धी वाद शामिल हैं। वहीं लोक अदालत के लिए विशेष न्यायाधीश सीबीआई (नोडल अधिकारी) लोक अदालत रवीन्द्र कुमार द्विवेदी और लखनऊ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मीनाक्षी सोनकर द्वारा प्रेसवार्ता की गई। जिसमें बताया लोक अदालत में जिस वादी के पास पैरवी के लिए अधिवक्ता नहीं होगा। उसको निरूशुल्क अधिवक्ता मिलेगा। नोडल अधिकारी ने राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में बताते हुए कहा कि लोक अदालत के आयोजन का मुख्य उद्देश्य विवादों को सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारण कराये जाने के लिये वैकल्पिक मंच प्रदान करना है। लोक अदालत द्वारा पारित निर्णय के विरुद्ध कोई अपील नहीं होती है। कानूनी प्रक्रियाओं से परे लोक अदालत की प्रक्रिया सहज और आपसी समझौते पर आधारित होती है। लखनऊ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मीनाक्षी सोनकर ने बताया लोक अदालत में हेल्थ कैंप भी लगाया जा रहा है। साथ ही लोक अदालत के लिए लोगों को प्रचार प्रसार के माध्यम से लगातार जागरूक भी किया जा रहा है।

समाधान दिवस में 3 घंटे लेट पहुंचे डीएम फरियादियों ने जताई नाराजगी

करण वाणी

लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिला अधिकारी विशाख जी अय्यर तीन घंटे लेट पहुंचे। फरियादी सुबह 10 बजे से उनका इंतजार कर रहे थे। वह दोपहर 1.15 बजे पहुंचे। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। समाधान दिवस में एसडीएम, एसीपी, लेखपाल, नायब तहसीलदार, आपूर्ति अधिकारी समेत विद्युत और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। समाधान दिवस में लोग जमीन विवाद, पेंशन, राशन कार्ड, बिजली और पानी की समस्याओं को लेकर पहुंचे। कई लोगों ने डीएम की देरी से आने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि समाधान दिवस का उद्देश्य तभी पूरा होगा जब अधिकारी समय पर पहुंचेंगे। डीएम ने पहुंचने के बाद कुछ मामलों को संज्ञान में लिया। उन्होंने अधिकारियों को सभी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा करने के निर्देश दिया। डीएम ने कहा कि शासन की मंशा है कि जनता को उनके दरवाजे पर ही न्याय मिले। समाधान दिवस का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का मौके पर समाधान करना है। हालांकि, समय की पाबंदी और शिकायतों के त्वरित निपटारा में अभी सुधार की आवश्यकता है।

नगर आयुक्त का फोन नहीं उठता,पार्षदों ने की शिकायत

करण वाणी

लखनऊ। लखनऊ नगर आयुक्त गौरव कुमार से शनिवार को पार्षदों के एक समूह ने मिलकर अपनी समस्याएं बताई। औपचारिक मुलाकात में पार्षदों ने अपने वार्ड की समस्या बताते हुए समाधान कराने की मांग की। पार्षदों ने उनसे सीयूजी नंबर पर बात नहीं होने की समस्या भी बताई। नगर आयुक्त ने कहा कि यह दिक्कत दूर हो जाएगी। ज्यादा जरूरी होने पर पर्सनल नंबर दे देंगे। पार्षदों ने कोटा रिलीज करने की मांग की। नालियों की सफाई और पुराने काम के बकाए का भुगतान करने का मुद्दा भी उठाया। पार्षदों ने कहा कि नगर आयुक्त ने उनकी समस्याओं का समाधान कराने का आश्वासन दिया है। शहर की समस्याओं को वह चिह्नित कर रहे हैं। ग्राउंड पर उतरकर निरीक्षण भी कर रहे हैं। नगर आयुक्त के साथ हुई बैठक में पार्षदों ने कहा कि उनके सीयूजी नंबर पर बात नहीं हो पाती है। उनके स्टाफ फोन उठाते हैं। बात कराने का आश्वासन देते हैं, लेकिन बात नहीं हो पाती है।

इस दौरान नगर आयुक्त से सीयूजी नंबर के अलावा ऑप्शनल नंबर देने की भी मांग की। नगर आयुक्त ने पार्षदों को सकारात्मक आश्वासन दिया। पार्षदों का कहना है कि उन्होंने कहा कि सभी से सीधा संवाद किया जाएगा। बैठक में नगर आयुक्त ने समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया। नगर आयुक्त से मुलाकात में पार्षद मुन्ना मिश्रा, शैलेंद्र वर्मा, गब्बर सिंह, पार्षद प्रमोद राजन, उमेश सानवाल, अनुराग मिश्रा अन्नू, मुकेश सिंह मोंटी, दीपक लोधी, कौशल किशोर पांडेय, पार्षद प्रतिनिधि हरीश अवस्थी और दीपक तिवारी आदि मौजूद रहे। पार्षदों का कहना है कि मुलाकात काफी सकारात्मक रही है। नगर आयुक्त शहर के विकास और समस्याओं का समाधान कराने के लिए तत्पर हैं।

बंथरा में निर्माण कार्य से लगा लंबा जाम,एम्बुलेंस सहित कई वाहन फंसे

करण वाणी

लखनऊ। बंथरा क्षेत्र में पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड के निर्माण कार्य से शनिवार को यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। यह जाम रोज सुबह से शुरू और देर शाम तक जारी रहता है। शनिवार को भी यह जाम लगा हुआ है। जाम से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जाम में एक एम्बुलेंस और वीआईपी वाहन फंस गए। उल्टी दिशा से वाहनों के निकलने की कोशिश ने स्थिति और खराब कर दी। ट्रैफिक पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि जाम से उनका व्यवसाय प्रभावित हुआ है। ग्राहकों की आवाजाही रुक गई है। हनुमान मंदिर के पास स्थित शराब के ठेके के सामने अव्यवस्थित पार्किंग जाम का एक प्रमुख कारण है। वाहनों की पार्किंग से सड़क संकरी हो जाती है। स्थानीय निवासी बसंत, राकेश गुप्ता, दिनेश कुमार पांडेय ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यह समस्या रोजाना की हो गई है। लोगों को इस समस्या से जल्द राहत की उम्मीद है।

नगर निगम ने चलाया अतिक्रमण के खिलाफ अभियान, अवैध वेंडरों के खिलाफ हुई कार्रवाई

करण वाणी

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ जोन 2 में अभियान चलाया है। राजाजीपुरम वार्ड में बाईपास राजाजीपुरम से शुरू होकर जलालपुर फाटक होते हुए रानी लक्ष्मीबाई अस्पताल तक कार्रवाई हुई। इस दौरान नगर निगम की टीम ने सड़क किनारे बनाए गए 28 अस्थाई अतिक्रमणों को हटवाया, जिनमें अवैध ठेले, खोमचे और दुकान के आगे फैली सामग्री शामिल थी। दो काउंटर व तीन ठेले जब्त किए गए और मौके पर ही 11,000 का जुर्माना भी वसूला गया। कार्रवाई के दौरान एक मानवीय पहलू भी सामने आया। अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया में एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला की झोपड़ी भी हटाई गई, जो लंबे समय से उस स्थान पर रह रही थीं। इस पर जोनल अधिकारी शिल्पा कुमारी ने बुजुर्ग महिला को नगर निगम के शेल्टर होम (रैन बसेरा) में पहुंचाया, ताकि उन्हें सुरक्षित ठिकाना मिल सके। जोनल अधिकारी ने बताया कि यह अभियान नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देशानुसार चलाया गया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न केवल यातायात को प्रभावित करता है, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा में भी बाधा उत्पन्न करता है। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वेच्छा से अतिक्रमण न करें और नगर को स्वच्छ, सुंदर व व्यवस्थित बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। निगम ने यह भी स्पष्ट किया है कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण करने पर और अधिक सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलों के नीचे आबाद कागजों पर हटीं भिखारी बस्तियां

गोमती नगर क्रॉसिंग के ऊपर से निकले लोहिया पथ आरओबी का एक बड़ा हिस्सा भिखारियों की शरणस्थली है। हुसड़िया, चारबाग में सुदर्शन के सामने, गढ़ी कनौरा मोड़ पर पुल के नीचे भिखारियों के अड्डे हैं। नगर निगम का दावा है कि चिह्नित सभी बस्तियों को हटा दिया गया है। कमिश्नर ने सात दिनों में भिखारियों की बस्तियां हटाने का निर्देश दिया था। नगर निगम ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी। इसके पूर्व 21 अप्रैल को कमिश्नर रोशन जैकब ने बैठक की थी। इसमें इस बात पर चिंता जताई थी कि उन्नाव, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, बहराइच एवं सीतापुर से भीख मांगने वाले लोग नगर निगम की जमीन पर अवैध बस्तियों में काफी संख्या में बस गए हैं। ऐसी सभी बस्तियों को प्रशासन ने चिह्नित किया था। इस संबंध में कमिश्नर ने अपर नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव को निर्देश दिए थे कि ऐसी सभी बस्तियों को एक सप्ताह में अभियान चलाकर खाली कराएं। साथ ही भिखारियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए आश्रय गृहों में रखने का निर्देश दिया था। चौराहों से लेकर दफ्तरों के आसपास मांग रहे भीख कागजों में भले ही बस्तियां हट गई हों। भिखारी आश्रय गृह या अपने मूल जिले को भेज दिए गए हों लेकिन भीख मांगने वाले जहां तहां दिख रहे हैं।

यहियागंज वारियर्स और गड़बड़झाला टीमों ने क्वाटर फाइनल में जगह बनाई

करण वाणी

लखनऊ। लाला विश्म्भरदयाल अग्रवाल मेमोरियल लखनऊ व्यापार मण्डल क्रिकेट चैंपियन टूर्नामेन्ट 2025,ग्रीन पार्क स्पोर्ट्स हब राजाजीपुरम निकट एल.आई.सी आफिस, गुरूद्वारा के बगल लखनऊ में चैथे दिन का खेला गया जिसमें पहले टीमों के खिलाड़ियों का परिचय हुआ तत् पश्चात् गड़बड़झाला बनाम चैक सर्राफा के बीच मैच खेला गया। जिसमें गड़बड़झाला की टीम ने 15ओवर में 79 रन बनाने का लक्ष्य दिया जिसका पीछे करने के लिए चैक सर्राफा व्यापार मण्डल मैदान में उतरी जिसने 14.3 ओवर 10विकट गंवाकर 55 रन ही बना पायी 18रन से गड़बड़झाला टीम जीत दर्ज की।

दूसरा मैच रात्रि 10 बजे से खेला गया जिसमें त्रिर्वेणी नगर बनाम यहियागंज वॉरियर्स टीम ने खेला। टॉस जीत कर त्रिर्वेणी नगर की टीम बैटिंग करते हुए 59 रन बनाने का लक्ष्य यहियागंज वारियर्स टीम को दिया जिसे बहुत आसानी से यहियागंज वारियर्स की टीम ने 12ओवर में ही 60 बनाकर जीत दर्ज की।

यहियागंज व्यापार मण्डल के युवा अध्यक्ष एवं यहियागंज वॉरियर्स टीम के कैप्टन कुश मिश्रा ने बताया कि यहियागंज टीम के गुरू ने 2विकट लिए एवं 26रन बनाकर मैन आफ द मैच रहे।

लखनऊ व्यापार मण्डल के युवा अध्यक्ष एवं टूनामेन्ट के संयोजक मनीष गुप्ता ने बताया कि 8टीमें क्वाटर फाइनल में पहुँची जिसे लखनऊ व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र पर्ची उछाल कर तय किया गया कि कौन टीम किससे खेलेगी जो इस प्रकार है 1. कैंट परिक्षेत्र बनाम गड़बड़झाला, 2. कैन्ट युवा बनाम बुलाकी अड्डा, 3. लखनऊ साइकिल बनाम यहियागंज वॉरियर्स 4. लखनऊ सीमेन्ट बनाम शिवाजी मार्ग व्यापार मण्डल की टीमें खेलेंगी इसके बाद 7मई को फाइनल मैच खेला जायेगा।

केजीएमयू में एक से दो हजार रुपये में कृत्रिम आंख बनेगी

केजीएमयू में असली जैसी लगने वाली कृत्रिम आंख लगवाई जा सकेगी। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने शनिवार को पुरानी ओपीडी बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर नेत्र कृत्रिम अंग प्रयोगशाला का शुभारंभ किया। कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंदर ने कहा कि कई बार आंख में चोट लगने या कैंसर जैसी गंभीर बीमारी में मरीज की जान बचाने के लिए ऑपरेशन कर आंख हटाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे मरीजों को कृत्रिम आंख लगाने की जरूरत पड़ती है। नेत्र कृत्रिम अंग प्रयोगशाला में मरीजों को आसानी से कृत्रिम आंख लगाई लगाई जा सकेगी। जो हू-ब-हू असली जैसी दिखेगी। इससे मरीज का आत्मविश्वास बढ़ेगा। वे बेहतर सामाजिक जीवन जी सकेंगे। एक से दो हजार रुपये में मरीजों को कृत्रिम आंख लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि आंखों की बीमारी तेजी से बढ़ रही है। लिहाजा समय पर आंखों की बीमारी का इलाज कराएं।

वाहन पोर्टल पर नहीं जमा हुई फीस, फिटनेस ठप

करण वाणी

लखनऊ। परिवहन विभाग के वाहन पोर्टल पर शनिवार को फीस जमा नहीं हो सकी, जिससे गाड़ियों की फिटनेस का काम ठप रहा। परेशान वाहन मालिकों ने आरटीओ कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों से शिकायत की तो पता चला कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय पोर्टल को अपग्रेड कर रहा है। अधिकारियों के मुताबिक सोमवार से पोर्टल शुरू हो जाएगा। लखनऊ में वाहन परीक्षण एवं प्रमाणीकरण केंद्र (फिटनेस सेंटर) पर प्रतिदिन 80 से 100 गाड़ियों की फिटनेस होती है। इसके लिए वाहन पोर्टल से फीस जमा करनी होती है। शुक्रवार की दोपहर से पोर्टल पर फीस जमा नहीं हो सकी। वाहन मालिक फीस जमा करने के लिए पोर्टल पर कोशिशें करते रहे, लेकिन सफलता नहीं मिली। आरटीओ जाने पर पता चला कि अपडेशन होने संबंधी कार्य की वजह से काम बंद किया गया है। वाहन मालिक परेशान हैं कि उनकी फिटनेस एक्सपायर हो गई तो दो दिन काम नहीं होने की वजह से उनके ऊपर जुर्माना तो नहीं लगेगा। सूत्रों ने बताया कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने पोर्टल अपडेशन संबंधी सूचना काफी पहले भेज दी थी, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया, जिससे वाहन मालिकों को दिक्कत झेलनी पड़ी। परिवहन विभाग के वाहन पोर्टल को अपग्रेड किया जा रहा है। जिससे गाड़ियों की फीस जमा नहीं हो पा रही है। उम्मीद है कि दो-तीन दिन में वाहनों के फिटनेस के लिए फीस जमा होने लगेगी। पीके सिंह एआरटीओ (प्रशासन), लखनऊ

सम्पादकीय

अलगाववादी तत्व भारत में शांति समृद्धि के शत्रु

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले से भारत स्तब्ध है। आतंकी हमले की खुले रूप में निंदा करते हुए अनेक देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने आतंकवादी कार्रवाई के विरुद्ध भारत का साथ देने की बातें कही हैं। भारत सरकार ने पाकिस्तान के विरुद्ध कई प्रतिबंधों की भी कार्रवाई की है। दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब करने की कार्रवाइयां हो भी रही है। बर्बर हत्यारे आतंकियों की खोज जारी है।भारत पर पाकिस्तान प्रायोजित हमले कई दशकों से जारी हैं। पूर्व में जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा था। संविधान में यह उपबंध 370 अलग से था। केंद्र की भाजपानीत राजग सरकार ने लोकसभा में विधेयक लाकर 70 वर्षों की भारी समस्या को कुछ मिनट में ही पिछले वर्ष समाप्त कर दिया था। इसके बाद से जम्मू कश्मीर में शांति की आशा लगातार बलवती हो रही थी। यह बात अलग है कि छिटपुट आतंकी घटनाएं होती रही हैं तो भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्र सरकार के गृहमंत्री और रक्षा मंत्री सहित जिम्मेदार अधिकारियों ने जम्मू कश्मीर में शांति के उपायों पर लगातार प्रयास करते हुए चिंतन मंथन किया।जम्मू कश्मीर में कई दशकों से रुकी विकास की पुरानी परियोजनाओं और नई बड़ी परियोजनाओं को अंतिम रूप दिए जाने की कार्रवाई जारी है मगर आतंकवादियों और उनके समर्थकों को यह विकास और शांति की कार्यवाही नागवार गुजरी। पाकिस्तान को जम्मू कश्मीर की खुशी कभी पसंद नहीं आई। पाकिस्तान की पृष्ठभूमि पंथ आधारित है। वह लगातार भारत में आतंकवादियों को भेज कर हमले करवाता रहा है। यह हमले सामान्य जनों से लेकर सरकारी दफ्तरों, मंदिरों, ट्रेनों-बसों में भी होते आए हैं। अमरनाथ और वैष्णो देवी यात्रा में जा रहे श्रद्धालुओं पर भी आतंकवादी हमले होते रहे हैं। जिनमें अनेक श्रद्धालुओं की जाने गयी हैं। इन पवित्र यात्राओं के लिए अपने ही देश में सेना की तैनाती करनी पड़ती है। सेना से आतंकियों की भी मुठभेड़ होती है। कई बार हमारे सैनिक बलिदान होते हैं। मुठभेड़ में जो आतंकवादी मार दिए जाते हैं उनके लिए भी पंथिक आधार पर भारत में सहानुभूति देखी जाती है। अनेक अलगाववादी मोर्चे हैं, संगठन हैं, जो अलगवादियों को ताकत देते हैं। वही अलगाववादी तत्व भारत में शांति और समृद्धि के शत्रु हैं। इन आतंकवादी ताकतों को चिन्हित कर जब तक उन्हें कुचला नहीं जाएगा तब तक देश विरोधी ताकतें सक्रिय रहेंगी।पूरी दुनिया के लिए पाकिस्तान बड़ा खतरा है, इससे निपटने में कोई कोताही नहीं छोड़नी चाहिए। अमेरिका, इजरायल, रूस सहित दुनिया के देशों ने इस बर्बर कार्रवाई की निंदा की है। आतंकवादी किसी एक व्यक्ति या अधिक की हत्या करते हैं तो यह मात्र घटना नहीं है। यह एक क्रूर विचार है कि गोली-बारूद के दम पर भारत को डरा कर अपना दारुल हरब एजेंडा लागू करना है। इस विचार वाले लोग अनपढ़ (उम्मी) नहीं होते हैं। वह कई बार इंजीनियर होते हैं, डिग्रीधारक होते हैं। डॉक्टर और प्रोफेसर भी होते हैं। विज्ञान के जानकार होते हैं। मगर उन्हें अपने कट्टरपंथी धर्म का पालन निर्दोष लोगों की हत्या कर जिहाद करना है।इस्लामी आतंकी हमले आज भी जारी हैं। अलगाववादी विचारों वाले समूहों पर जब तक कार्रवाई नहीं होगी, निर्दोषों पर हमले होते रहेंगे। यह भी सही है कि केंद्र और राज्य सरकारों की जिम्मेदारी होती है कि प्रत्येक व्यक्ति और संपत्ति की सुरक्षा संरक्षा रहे जैसे सरकार से प्रश्न तो कर ही सकते हैं। मगर यह प्रश्नों का समय नहीं है। आतंकियों द्वारा की गई निर्दोषों की हत्या के विरोध में एकजुटता दिखनी चाहिए। अपनी राजनीतिक, पंथिक कार्रवाई के लिए इन्हें अनुमति नहीं होनी चाहिए। पृथक कानून नहीं चलेंगे। राष्ट्र संविधान से चलेगा, संविधान सर्वोपरि है। भारत की संप्रभुता के विरुद्ध बोलने-लिखने, किसी अन्य राष्ट्र का कोई झंडा लहराने, किसी भी प्रकार की भारत विरोधी नारेबाजी करने के स्पष्ट कारण पूछने और कड़ी कार्रवाई से सरकार को पीछे नहीं हटना चाहिए। आखिर कब तक दूसरे राष्ट्र और शत्रु राष्ट्र का झंडा दिखाकर भारतीय लोगों को अपनी ही जन्मभूमि, कर्मभूमि, सनातन भूमि में डराया जाता रहेगा। इस पर कठोरता होनी चाहिए। भारत के भीतर पाकिस्तान का पक्ष लेने वालों पर राष्ट्रद्रोह जैसी कार्रवाई के लिए निर्णय लेने की जरूरत है।आतंकवाद से केवल भारत ही नहीं पीड़ित है। आतंकवाद विश्वव्यापी हो चुका है। दुनिया के देश पाकिस्तान को आतंक का केंद्र मानते हैं। आतंकवाद के गम्भीर परिणाम दुनिया के देशों ने भुगते हैं। भारत सहित विश्व के देशों को आतंकवाद के समूल नाश के प्रयास करने चाहिए। आतंकवाद से सम्पूर्ण समाज में हिंसा और असुरक्षा की भावना बढ़ती है। सामाजिक संबंध कमजोर होने लगते हैं। इसलिए इसके समूल नाश के उपाय तलाशे जाने चाहिए।

राष्ट्रवादी पत्रकारिता की जरुरत

> सीएफ एंड्रयूज ने लाला लाजपत राय से आग्रह किया कि वह अपना ध्यान भारत को एक ऐसा दैनिक पत्र देने के लिए केन्द्रित करें, जो भारतीय जनमत के लिए वैसा ही करे जैसा कि सीपी स्कॉट के 'मांचेस्टर गार्डियन' ने ब्रिटिश जनमत के लिए किया। लाला लाजपत राय और उनके सहयोगियों ने सीएफ एंड्रयूज के राष्ट्रवादी सुझाव को सिर-माथे पर लिया और एक राष्ट्रवादी दैनिक पत्र के प्रकाशन के निमित्त जुट गए।

आज दुनिया भर में विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस मीडिया की आजादी पर हमलों से मीडिया की रक्षा तथा अपने प्राणों की आहुति देने वाले पत्रकारों को श्रद्धांजलि के तौर पर मनाया जाता है। प्रेस की स्वतंत्रता के बीच मूल्य आधारित पत्रकारिता आज की ह्यमीडिया की सबसे बड़ी चुनौती है। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में मीडिया को अपना नजरिया चुनने की आजादी के साथ उसका सकारात्मक पक्ष तभी फलीभूत होता है जब पत्रकारिता मूल्यवादी हो। भारत में मूल्य आधारित पत्रकारिता की नींव स्वतंत्रता आंदोलन के वक्त ही पड़ गयी। उसी दौरान दीनबंधु सीएफ एंड्रयूज ने लाला लाजपत राय से आग्रह किया कि वह अपना ध्यान भारत को एक ऐसा दैनिक पत्र देने के लिए केंन्द्रित करें, जो भारतीय जनमत के लिए वैसा ही करे जैसा कि सीपी स्कॉट के 'मांचेस्टर गार्डियन' ने ब्रिटिश जनमत के लिए किया। लाला लाजपत राय और उनके सहयोगियों ने सीएफ एंड्रयूज के राष्ट्रवादी सुझाव को सिर-माथे पर लिया और एक राष्ट्रवादी दैनिक पत्र के प्रकाशन के निमित्त जुट गए। शीघ्र ही लाला लाजपत राय और उनके सहयोगियों ने अक्टुबर, 1904 में समाचार पत्र 'द पंजाबी' का शुभारंभ कर दिया। 'द पंजाबी' ने अपने प्रथम संस्करण से ही आभास करा दिया कि उसका उद्देश्य महज एक दैनिक पत्र बनना नहीं बल्कि ब्रिटिश हुकूमत से भारतमाता की मुक्ति के लिए देश के जनमानस को जाग्रत करना और राजनीतिक चेतना पैदा करना है। 'द पंजाबी' ने रुस की जार सरकार के विरुद्ध जापान की सफलता की ओर देश का ध्यान आकर्षित करने के साथ ही बंगाल में गर्वनर कर्जन द्वारा प्रेसीडेंसी को दो भागों में विभाजित करने तथा पंजाब में उपराज्यपाल इब्बटसन के भूमि तथा नहर कालोनी कानूनों के मसले पर देशवासियों को जाग्रत किया। 'द पंजाबी' ने यह भी सुनिश्चित किया कि स्वतंत्रता आंदोलन में मीडिया की भूमिका और उसका सरोकार क्या होना चाहिए। 'द पंजाबी' के अलावा लाजपत राय ने यंग इंडिया, यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका, ए हिंदूज इन्प्रेशंस एंड स्टडी, इंगलैंड डैट टू इंडिया, पोलिटिकल फ्यूचर ऑफ इंडिया जैसे ग्रंथों के माध्यम से जनता को आजादी की लड़ाई के लिए प्रेरित किया और राष्ट्रवादी पत्रकारिता की नींव डाली। इसी दौरान एक और घटना घटी जिससे पत्रकारिता का काला पक्ष उजागर हुआ। लाहौर के एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र के संपादक ने कुछ छात्रों के गुप्त नाम से प्रकाशित किए गए लेख की मूल पांडुलिपि गवर्नमेंट कालेज के प्रिंसिपल को सौंप दी। इस लेख से स्कूल प्रशासन बेहद नाराज हुआ और कठोरतापूर्वक छात्रों को प्रताड़ित किया। संपादक का यह कृत्य न सिर्फ पत्रकारिता के सिद्धांतों, मूल्यों और उत्तरदायित्वों के विरुद्ध था बल्कि युवाओं में अंगड़ाई ले रही आजादी और राष्ट्रप्रेम की भावना को कुचलने का प्रकटीकरण भी था। इस घटना से साबित हुआ कि उस दौरान भी मीडिया का एक वर्ग भारतीयता, आजादी और राष्ट्रवाद के विरुद्ध था। आजादी के दौरान पत्रकारिता के अग्रदूतों ने मूल्य आधारित राष्ट्रवादी पत्रकारिता की नींव इसलिए डाली कि आजादी के लक्ष्य को हासिल करने के साथ लोकतंत्र का चौथा स्तंभ देश के नागरिकों विशेषकर युवाओं में राष्ट्रीय भावना का संचार करेगा। पत्रकारिता के अग्रदूतों का लक्ष्य अपनी लेखनी और विचारों के जरिए भारतीय संस्कृति, मूल्य, प्रतिमान और सारगर्भित विचारों की विरासत को सहेजना और एक सामर्थ्यवान भारत का निर्माण करना था। उचित होगा कि आज की पत्रकारिता के सिरमौर भी लाला लाजपत राय, महामना मदनमोहन मालवीय, विपिनचंद्र पाल, गणेश शंकर विद्यार्थी, बाल गंगाधर तिलक और विपिन चंद्र पाल सरीखे आजादी के दीवानों की पत्रकारिता को अपना आदर्श मूल्य व विचार बनाएं। बाल गंगाधर तिलक ने जब मराठी भाषा में 'केसरी' और अंग्रेजी भाषा में 'मराठा' नामक पत्रों का प्रकाशन प्रारंभ किया तो उन्होंने राष्ट्रीय व सामाजिक सरोकारों को आगे रखा। उनके आंखों में भारत की आजादी और समतामूलक समाज का सपना था, जो उनके पत्रों में स्पष्ट परिलक्षित और प्रतिबिंबित होता था। उन दिनों कोल्हापुर रियासत के शासन में बड़ा अंधेर मचा था। इस अंधेरगर्दी के खिलाफ 'केसरी' ने जोरदार आवाज बुलंद की लेकिन गोरी सरकार को यह रास नहीं आया। सो उसने बाल गंगाधर तिलक और उनके सहयोगियों पर मुकदमा चलाकर जेल में डाल दिया। लेकिन तिलक अपने पत्रों के जरिए भारतीय जनमानस में चेतना भरने में कामयाब रहे। यही नहीं वे इन समाचारपत्रों के जरिए ब्रिटिश शासन तथा उदार राष्ट्रवादियों की, जो पश्चिमी तर्ज पर सामाजिक सुधारों तथा संवैधानिक तरीके से राजनीतिक सुधारों का पक्ष लेते थे, की भी कटु आलोचना के लिए विख्यात हो गए। लाल-बाल-बाल की तिकड़ी के तीसरे नायक व क्रांतिकारी विचारों के जनक विपिन चंद्र पाल ने अपनी धारदार पत्रकारिता के जरिए स्वतंत्रता आंदोलन में जोश भर दिया। उन्होंने अपने गरम विचारों से स्वदेशी आंदोलन में प्राण फूंका और अपने पत्रों के माध्यम से ब्रिटेन में तैयार उत्पादों का बहिष्कार, मैनचेस्टर की मिलों में बने कपड़ों से परहेज तथा औद्योगिक तथा व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में हड़ताल इत्यादि हथियारों से ब्रिटिश हुकूमत की नींद उड़ा दी। उन्होंने 1880 में परिदर्शक, 1882 में बंगाल पब्लिक ओपिनियन, 1887 में लाहौर ट्रिब्यून, 1892 में द न्यू इंडिया, 1901 में द इनडिपेंडेंट इंडिया, 1906-07 में वंदेमातरम्, 1908-11 में स्वराज, 1913 में हिंदू रिव्यू, 1919-20 द डैमोक्रैट और 1924-25 में बंगाली के जरिए आजादी की लड़ाई को धार दिया और भविष्य की पत्रकारिता के मूल्यों को परिभाषित किया। महान देशभक्त पंडित मदन मोहन मालवीय ने देश की चेतना को प्रबुद्ध करने के लिए कई पत्रों का संपादन किया।

कालाकांकर के देशभक्त राजा रामपाल सिंह के अनुरोध पर उन्होंने उनके हिंदी व अंग्रेजी समाचार पत्र हिंदुस्तान का संपादन कर देश की जनता को जाग्रत किया। उन्होंने 1907 में साप्ताहिक 'अभ्युदय' और ब्रिटिश सरकार समर्थक पत्र पायनियर के समकक्ष 1909 में दैनिक 'लीडर' अखबार निकालकर जनमत निर्माण का महान कार्य संपन्न किया।

सरोकार

जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण

यह शब्द हिंसा का समय है। बहुत आक्रमक, बहुत बेलगाम। ऐसा लगता है कि टीवी न्यूज मीडिया ने यह मान लिया है कि शब्द हिंसा में ही उसकी मुक्ति है। चीखते-चिल्लाते और दलों के प्रवक्ताओं को मुर्गो की तरह लड़ाते हमारे एंकर सब कुछ स्क्रीन पर ही तय कर लेना चाहते हैं। यहां संवाद नहीं है, बातचीत भी नहीं है। विवाद और वितंडावाद है। यह किसी निष्कर्ष पर पहुंचने का संवाद नहीं है, आक्रामकता का वीभत्स प्रदर्शन है।

निजी जीवन में बेहद आत्मीय राजनेता, एक ही कार में साथ बैठकर चैनल के दफ्तर आए प्रवक्तागण स्क्रीन पर जो दृश्य रचते हैं, उससे लगता है कि हमारा सार्वजनिक जीवन कितनी कड़वाहटों और नफरतों से भरा है। किंतु स्क्रीन के पहले और बाद का सच अलग है। बावजूद इसके हिंदुस्तान का आम आदमी इस स्क्रीन के नाटक को ही सच मान लेता है। लड़ता-झगड़ता हिंदुस्तान हमारा सच बन जाता है। मीडिया के इस जाल को तोड़ने की भी कोशिशें नदारद हैं। वस्तुनिष्ठता से किनारा करती मीडिया बहुत खौफनाक हो जाती है।

हमें सोचना होगा कि आखिर हमारी मीडिया प्रेरणाएं क्या हैं? हम कहां से शक्ति और ऊर्जा पा रहे हैं। हमारा संचार क्षेत्र किन मानकों पर खड़ा है। पश्चिमी

मीडिया के मानकों के आधार पर खड़ी हमारी मीडिया के लिए नकारात्मकता, संघर्ष और विवाद के बिंदु खास हो जाते हैं। जबकि संवाद और संचार की परंपरा में संवाद से संकटों के हल खोजने का प्रयत्न होता है। हमारी परंपरा में सही प्रश्न करना भी एक पद्धति है। सवालों की मनाही नहीं, सवालों से ही बड़ी से बड़ी समस्या का हल खोजना है, चाहे वह समस्या मन, जीवन या समाज किसी की भी हो। इस तरह प्रश्न हमें सामान्य सूचना से ज्ञान तक की यात्रा कराते रहे हैं। आज सूचना और ज्ञान%को पर्याय बनाने के जतन हो रहे हैं। सच यह है कि सूचना तो समाचार, खबर या न्यूज का भी पर्याय नहीं है। सूचना कोई भी दे सकता है। वह कहीं से भी आ सकती है। सोशल मीडिया आजकल सूचनाओं से भरा हुआ है। किंतु ध्यान रखें खबर, समाचार और न्यूज के साथ जिम्मेदारी जुड़ी है। संपादकीय प्रक्रिया से गुजर कर ही कोई सूचना, समाचार बनती है। इसलिए संपादक और करण वाणी जैसी संस्थाएं साधारण नहीं है।

यह कहना आजकल बहुत फैशन में है कि इस दौर में हर व्यक्ति पत्रकार है। हर व्यक्ति फोटोग्राफर है। हर व्यक्ति कम्युनिकेटर, सूचनादाता, मुखबिर हो सकता है, वह पत्रकार कैसे हो जाएगा? मेरे पास कैमरा है, मैं फोटोग्राफर कैसे हो जाऊंगा। विशेष दक्षता और प्रशिक्षण से जुड़ी विधाओं को हल्का बनाने के हमारे प्रयासों ने ही हमारी मीडिया या संवाद की दुनिया को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचाया है। यह वैसा ही है जैसे कपड़े प्रेस करने वाले या प्रिंटिंग प्रेस वाले अपनी गाड़ियों पर प्रेस का स्टिकर लगाकर घूमने लगें। मीडिया में प्रशिक्षण प्राप्त और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के बिना आ रही भीड़ ने अराजकता का वातावरण खड़ा कर दिया है। लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, बाबासाहेब आंबेडकर, पं. जवाहरलाल नेहरू, मदनमोहन मालवीय, माधवराव सप्रे जैसे उच्च शिक्षित लोगों द्वारा प्रारंभ और समाज के प्रति समर्पित पत्रकारिता वर्तमान में कहां खड़ी है। भारत सरकार के आग्रह पर प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया ने पत्रकारों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के निर्धारण के लिए एक समिति भी बनाई थी, जिसके समक्ष मुझे भी अपनी बात रखने का अवसर मिला था। बाद में उस कवायद का क्या हुआ, पता नहीं।समाज की रुचि का परिष्कार और रूचि निर्माण भी मीडिया की जिम्मेदारी है। अपने पाठकों, दर्शकों को समय के ज्वलंत मुद्दों पर अपडेट रखना, उनकी बौद्धिक, नागरिक चेतना को जागृत रखना भी मीडिया का काम है। जबकि देखा यह जा रहा है कि पाठकों की पसंद के नाम पर कंटेंट में गिरावट लाने की स्पर्धा है। ऐसे कठिन समय में मीडिया के दायित्वबोध और सरोकारों पर बातचीत बहुत जरूरी है। प्रिंट मीडिया ने भी साहित्य, कलाओं, प्रदर्शन कलाओं और मनुष्य बनाने वाली सभी विधाओं को अखबारों से निर्वासन दे दिया है।

हारते टूडो की पार्टी की लगा दी लॉट्री

लोगों को उम्मीद है कि नए निजाम की बुनियाद डोनाल्ड ट्रंप की मुखालफत पर रखी जाएगी। लेकिन कनाडा के चुनाव में बिन बुलाए बाराती डोनाल्ड ट्रंप कहां से घुस गए। उनकी वजह से चुनाव कैसे पलट गया। मार्क कार्नी की कहानी क्या है और उनके जीतने से भारत कनाडा के संबंधों पर असर क्या पड़ेगा।

तमाम मसलों पर आज एमआरआई स्कैन करेंगे। कनाडा में 28 अप्रैल को चुनाव हुए और सबसे बड़ा मुद्दा था कि डोनाल्ड ट्रंप से कैसे निपटा जाए। डोनाल्ड ट्रंप को टक्कर कौन देगा? कौन सी पार्टी ट्रंप के हाथों मुंह की नहीं खाएगी। कौन सी पार्टी ट्रंप की ओर आंख उठाकर देख सकेगी। जनता ने इन सवालों का जवाब दे दिया और लिबरल पार्टी को ट्रंप के जवाब देने के रूप में चुना है। भारतवासी तो इस पार्टी के नाम से चिरपरित होंगे ही। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो इसी पार्टी से आते हैं। ट्रंप की सत्ता में आगमन से 14 दिन पहले जस्टिन टूडो ने इस्तीफा दे दिया। उस दौर में लिबरल पार्टी के सितारे धूमिल थे। कहा जा राह था कि अगला चुनाव जब भी होगा, जैसे भी होगा लिबरल पार्टी की हार तय है। लेकिन अब इसी पार्टी के कैंडिडेट और कनाडा के मौजूदा प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को जीत मिली है। लोगों को उम्मीद है कि नए निजाम की बुनियाद डोनाल्ड ट्रंप की मुखालफत पर रखी जाएगी। लेकिन कनाडा के चुनाव में बिन बुलाए बाराती डोनाल्ड ट्रंप कहां से घुस गए। उनकी वजह से चुनाव कैसे पलट गया। मार्क कार्नी की कहानी क्या है और उनके जीतने से भारत कनाडा के संबंधों पर असर क्या पड़ेगा। तमाम मसलों पर आज एमआरआई स्कैन करेंगे।

साहित्य/करण वाणी

प्रमाण की आवश्यकता नहीं-भारत का गौरवगान

प्रतिभा सिंह

गायत्री सा ज्ञान, वेदों का विज्ञान,
जिन्हें प्रमाण की आवश्यकता नहीं।
भारत माता की शान, जिस पर कुर्बान,
हमारी आन-बान-शान,
उन्हें प्रमाण की आवश्यकता नहीं।

गंगा, गोदावरी, नर्मदा- ये नदियाँ माँ समान,
जिनमें बसती है हर भारतीय की जान,
इनकी पवित्रता को प्रमाण की आवश्यकता
नहीं।

वीरांगनाएँ - लक्ष्मीबाई, अहिल्या, पद्मावती महान,
दे दी अपने प्राणों की कुर्बानियाँ,
बचाए रखा कुल और देश का स्वाभिमान,
इनकी शहादत को प्रमाण की आवश्यकता नहीं।

वीर शिवाजी, राणा प्रताप, नाना साहेब की शौर्य कहानी,
दे दी जान, लहराया स्वाभिमान का निशान,
भारत के खेत-खलिहान, उनके लहू से सिंचित,
गर्व से ऊँचा है तिरंगा महान,
उन्हें प्रमाण की आवश्यकता नहीं।

युग-युगांतर से भारत भूमि रही है वीरों की जननी,
हर युग में गूंजी है वीरों की गर्जना बनी रवानी,
छलनी किए दुश्मनों के सीने,
अपने लहू से रच दी नई कहानी,
इन वीरों को प्रमाण की आवश्यकता नहीं।

अभी भी धड़कता है लहू, भारत की इस धरती में,
दुश्मन देखे तो काँपे युद्धभूमि में,
शेर थे, शेर हैं, शेर रहेंगे, भारत देश शेरों का है-
उन्हें प्रमाण की आवश्यकता नहीं।
करण वाणी, साहित्य

नजरिया

एक बार फिर से भारत को फंसाना शुरू कर दिया

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पूरा भारत गुस्से में है। हर सच्चा हिंदुस्तानी पाकिस्तान से बदला लेना चाहता है, आतंकवादियों को सबक सिखाना चाहता है। भारत सरकार पर पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।आतंकवाद को लेकर पश्चिमी देशों का रवैया हमेशा से डबल स्टैंडर्ड वाला रहा है। अमेरिका पश्चिमी देशों के इस डबल स्टैंडर्ड यानी दोहरे मापदंड की अगुवाई करता रहा है। अमेरिका में 11 सितंबर, 2001 को हुए भयानक आतंकी हमले के बाद दुनिया को ऐसा लगा कि शायद अब अमेरिका की सोच बदल जाएगी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। अमेरिका ने अपनी धरती पर हुए आतंकवादी हमले का बदला अफगानिस्तान और पाकिस्तान में घुस कर लिया। लेकिन जब भी उसके चहेते देश पाकिस्तान द्वारा पाले-पोसे गए आतंकवादियों ने भारत को दहलाने का काम किया। तब-तब अमेरिका आगे आकर मीठी-मीठी जुबान में भारत को शांति का पाठ पढ़ाता नजर आया। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पूरा भारत गुस्से में है। हर सच्चा हिंदुस्तानी पाकिस्तान से बदला लेना चाहता है,

आतंकवादियों को सबक सिखाना चाहता है। भारत सरकार पर पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। लेकिन पाकिस्तान को आतंकवाद का ट्रेनिंग सेंटर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला अमेरिका एक बार फिर से भारत को फंसाने के लिए मैदान में उतर गया है। अपने चिर-परिचित पुराने स्टाइल में अमेरिका ने पहले पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की, भारत का साथ देने का भरोसा दिया लेकिन कुछ ही दिन बाद पाकिस्तान की भाषा बोलते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्मीर विवाद को 1,500 साल पुराना विवाद बता दिया।

ट्रंप यहीं नहीं रुके बल्कि उन्होंने आतंकवाद से पीड़ित देश भारत और आतंकवाद को फैलाने वाले देश पाकिस्तान को एक ही पायदान पर रखते हुए दोनों ही देशों को अपना करीबी बता दिया। भारत का स्टैंड बिल्कुल साफ है कि आतंकवाद फैलाने वाले देश (पाकिस्तान) से तब तक बातचीत करने का कोई फायदा नहीं है, जब तक वह आतंकवाद को फैलाना बंद न कर दें। लेकिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले के बावजूद अब अमेरिका भारत को आतंकवादी देश पाकिस्तान से बातचीत करने की सलाह दे रहा है। भारत के सख्त तेवरों को देखते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान को बचाने के लिए शांति का राग अलापना शुरू कर दिया और अपने इस षड्यंत्र में अन्य पश्चिमी देशों की भूमिका भी तय कर दी।अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अपने इस मिशन को कामयाब बनाने के लिए बुधवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर से फोन पर बात की। बातचीत के दौरान,अमेरिकी विदेश मंत्री ने भारत और पाकिस्तान दोनों से तनाव कम करने का आग्रह किया। भारत के विदेश मंत्री और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री, दोनों से अलग-अलग बातचीत करने के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि, अमेरिका आतंकवाद से लड़ाई में भारत का समर्थन करता है लेकिन उसी बयान में पाकिस्तान से पहलगाम हमले की जांच में सहयोग करने का आग्रह किए जाने की बात भी कही गई है। मतलब, अमेरिका सीधे-सीधे यह कहना चाह रहा है कि पाकिस्तान को सबक सिखाने की बजाय भारत को उसके साथ मिलकर जांच करनी चाहिए।पहलगाम में 22 अप्रैल, 2025 को जब आतंकवादी भारत के निर्दोष नागरिकों पर गोलियां बरसा रहे थे। उस समय अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के दौरे पर ही थे। इस आतंकी हमले के कारण, भारत दौरे के दौरान उनके कई कार्यक्रमों को रद्द भी करना पड़ा था। भारत यात्रा के दौरान ही अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने आगरा से प्रधानमंत्री मोदी के साथ फोन पर बातचीत की और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। वेंस ने जानमाल के नुकसान पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए वादा किया था कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त लड़ाई में सभी प्रकार की सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है। लेकिन अमेरिका पहुंचते ही उनके भी सुर बदल गए।अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने गुरुवार को भारत को नसीहत देते हुए यह कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत युद्ध नहीं भड़काएगा। भारत को नसीहत देते हुए जेडी वेंस ने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में कहा कि उन्हें आशा है कि भारत इस आतंकवादी हमले का जवाब इस तरह से दे जिससे व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष न हो और वे आशा करते हैं कि पाकिस्तान, जिस हद तक वो जिम्मेदार है, भारत के साथ सहयोग करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कभी-कभी उनके क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों का पता लगाया जाए और उनसे निपटा जाए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द्र सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एवं पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक-पंकज सिंह मो-9415067370 आरएनआई - UPHIN/2016/74800 मेल आईडी-karnvaninews@gmail.com website : karnvaninews.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।)

संक्षिप्त खबरें

मोबाइल चोर को सात माह की सजा

उन्नाव। न्यायालय ने चोरी से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान दोषी को सात माह के कारावास की सजा सुनाई है। बताते चलें कि जीआरपी ने 16 अप्रैल 2024 को कानपुर जनपद के नौबस्ता थाना क्षेत्र के राजीव नगर मोहल्ला निवासी नदीम को चोरी के मोबाइल के साथ पकड़ा था। पुलिस ने आरोपी पर सुसंगत धाराओं में कार्यवाई कर जेल भेज दिया था। मुकदमें के विवेचक तत्कालीन उपनिरीक्षक राम मोहन ने आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य इकट्ठा कर छह अक्तूबर 2024 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। मुकदमें की अंतिम सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने अभियोजन विभाग से पीओ आरसी अमित की दलील व साक्ष्य के आधार पर दोषी को सात माह के कारावास की सजा सुनाई है।

लापरवाही से वाहन चलाने के दोषी को सुनाई सजा

उन्नाव। लापरवाही से वाहन चलाने के आरोपी को न्यायायल ने अभियोजन पक्ष की दलील व साक्ष्य के आधार पर दोषी माना है। न्यायाधीश ने दोषी को तीन हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। बताते चलें कि सदर कोतवाली पुलिस ने तीन अगस्त 2020 को कानपुर नगर के सचेंडी थाना क्षेत्र कटरा भैसोर निवासी रामऔतार को लापरवाही से वाहन चलाकर टक्कर मारने की धारा में कार्यवाई की थी। मुकदमें के विवेचक तत्कालीन उपनिरीक्षक प्रेम नारायण सरोज ने आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य इकट्ठा कर आठ अगस्त 2020 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। मुकदमें की अंतिम सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने एपीओ मो. अरशद की दलील व साक्ष्य के आधार पर रामऔतार को दोषी मानकर तीन हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

आर्म्स एक्ट में दोषी को सात माह की सजा

उन्नाव। अवैध असलहा के साथ पकड़े गए आरोपी को न्यायालय ने साक्ष्यों के आधार पर दोषी माना है। न्यायाधीश ने दोषी को सात माह स18 दिन के कारावास की सजा सुनाई है। बताते चलें कि सदर कोतवाली पुलिस ने 13 सितंबर 2023 को बांगरमऊ थाना क्षेत्र के नौनिहाल गंज गांव निवासी पंकज शुक्ला को एक तमंचा व कारतूस के साथ पकड़ा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा में कार्यवाई की थी। मुकदमें के विवेचक तत्कालीन उपनिरीक्षक प्रवीण पुंज ने आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य इकट्ठा कर 14 अक्तूबर 2023 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। मुकदमें की अंतिम सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने अभियोजन विभाग से पीओ आसी अमित की दलील व साक्ष्य के आधार पद दोषी को सात माह 18 दिन के कारावास की सजा सुनाई है।

एनडीपीएस एक्ट में दोषी को तीन माह की सजा

उन्नाव। न्यायालय ने मादक पदार्थ अधिनियम के मुकदमें की सुनवाई के दौरान दोषी को तीन माह के कारावास की सजा सुनाई है। बताते चलें कि सोहरामऊ थाना पुलिस ने 11 नवंबर 2020 को क्षेत्र के जैतीपुर गांव निवासी निर्लेश अवस्थी के कब्जे से 2.100 किलो मादक पदार्थ के साथ पकड़ा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम की धारा में कार्यवाई की थी। मुकदमें के विवेचक तत्कालीन उपनिरीक्षक विमलकांत गोयल ने आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य इकट्ठा कर 31 दिसंबर 2020 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। मुकदमा लंबे समय से न्यायालय में विचाराधीन था। मंगलवार को मुकदमें की अंतिम सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने अभियोजन विभाग से एसपीओ दीपक मिश्रा की दलील व साक्ष्य के आधार पर दोषी को तीन माह के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पर दस हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है।

आर्म्स एक्ट में दोषी पर दो हजार रुपये का जुर्माना

उन्नाव। न्यायालय ने आर्म्स एक्ट में दोषी पर दो हजार रुपये अर्थदंड लगाया है। बिहार थाना पुलिस ने पांच जनवरी 1998 को कानपुर नगर के महाराजगेट थाना क्षेत्र के सूर्यखेड़ा गांव निवासी राजू के कब्जे से चाकू बरामद किया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा में कार्यवाई थी। मुकदमें के विवेचक तत्कालीन उपनिरीक्षक एसपी राव ने आरोपी के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य इकट्ठा कर 13 जनवरी 1998 को न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। मुकदमें की अंतिम सुनवाई के दौरान न्यायाधीश ने अभियोजन विभाग से एपीओ सुभाष चैहान की दलील व साक्ष्य के आधार पर दोषी को जेल में बिताई अवधि के कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पर दो हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है।

पहलगाम की वारदात के खिलाफ अधिवक्ता संघ व क्षेत्रीय नागरिकों ने किया प्रदर्शन

उन्नाव। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को दोपहर 2:45 से 3:00 बजे के बीच हुए भीषण आतंकी हमले ने पूरे देश को दहला दिया है। इस नृशंस वारदात में लगभग 28 निर्दोष पर्यटक मारे गए और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हुए। जिससे राष्ट्र में तीव्र जनाक्रोश फैल गया है। इस घटना से क्षुब्ध होकर बुधवार को तहसील बीघापुर मुख्यालय पाटन में अधिवक्ता संघ और क्षेत्रीय नागरिकों ने संयुक्त रूप से विरोध दर्ज कराया। सभी ने एकमत होकर देशद्रोहियों के खिलाफ स्लोगन लिखी तख्तियां में पाकिस्तान मुर्दा बाद हिंदुस्तान जिन्दाबाद के नारे लगाकर कठोर कानूनी कार्यवाही की माँग की और जिलाधिकारी के नाम सम्बोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी रणवीर सिंह को सौंपा। ज्ञापन में आतंकवाद को संरक्षण देने वाली ताकतों पर सख्त कार्रवाई करने, पाकिस्तान समर्थक तत्वों पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चलाने तथा देश की सुरक्षा नीतियों को और कठोर बनाए जाने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि अब समय आ गया है जब आतंक के हर सरपरस्त को करारा जवाब दिया जाए। इस मौके पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष विनय कुमार शुक्ल, वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद प्रताप सिंह, राजेश पटेल, राजेन्द्र सिंह राठौर,विनोद द्विवेदी, मुन्नू सिंह, महेंद्र गुप्ता, भाजपा महिला मोर्चा की सुनीता सिंह भदौरिया सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

चुनाव को लेकर शिक्षक संघ की बैठक संपन्न

अमेठी। बुधवार को जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की क्षेत्रीय कार्यसमिति के चुनाव की तैयारी और शिक्षक समस्याओं पर विचार विचार-विमर्श को प्राथमिक शिक्षक संघ और जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की ब्लाक कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक हुई। बैठक में दोनों संगठनों की ओर से पिछले दो साल के भीतर शिक्षक हितों के लिए किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की ओर से बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए गए पत्र के अनुसार सेवारत और सेवानिवृत्त शिक्षकों के लम्बित मामलों के शीघ्र निस्तारण की मांग की गई।संघ के ब्लाक अध्यक्ष कपिलेश यादव ने एजेंडे की जानकारी दी और संगठन की सदस्यता का विवरण प्रस्तुत किया। प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लाक अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि विकास खंड के शिक्षकों की जो भी पत्रावलियां संगठन को प्राप्त हो गई थीं,उनका निस्तारण हो चुका है। अखिलेश कुमार सिंह, त्रिवेणी यादव, ज्ञान चंद पांडेय, इन्द्र पाल गौतम ने संगठन के अब तक के कार्यों का उल्लेख करते हुए अनुभव साझा किए और कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई में जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ हमेशा से आगे रहा है। शिक्षकों को अब अपने पावनों के भुगतान के लिए बार बार बी एस ए एवं लेखाधिकारी कार्यालय के चक्कर नहीं लगाना पड़ता है।

राहुल गाँधी ने इन्दिरा गाँधी को दी श्रद्धाञ्जालि

अमेठी। राहुल गाँधी ने अपने अमेठी भ्रमण के दौरान स्वर्गीय इन्दिरा गाँधी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धाञ्जालि अर्पित किया। इसके बाद स्वर्गीय राजीव गाँधी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धाञ्जालि अर्पित की। और बाद में स्वर्गीय संजय गाँधी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धाञ्जालि अर्पित कर उन्हे याद किए। संजय गाँधी चिकित्सालय मुंशीगंज को राहुल गाँधी ने एम्बुलेंस उपहार स्वरूप भेट किया। इस अवसर पर कांग्रेस सांसद किशोरीलाल शर्मा,संस्थान निदेशक मनोज मुट्ठू,सीईओ अवधेश शर्मा,चिकित्सको की भी फौज मुस्तैद रही।

राहुल गांधी की अमेठी यात्रा, कांग्रेस के लिए नई शुरुआत का संकेत

करण वाणी

अमेठी। राहुल गांधी की यात्रा ने कांग्रेस के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस की वापसी और किशोरी लाल शर्मा की ऐतिहासिक जीत के बाद राहुल गांधी की यह यात्रा अमेठी के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक है। राहुल गांधी ने संजय गांधी अस्पताल में इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और संजय गांधी को श्रद्धांजलि देकर भावनात्मक और राजनीतिक दोनों धरातलों पर अपनी उपस्थिति का ऐलान किया। उन्होंने कहा, ÷अमेठी की मिट्टी में संघर्ष की गंध है, यहां कोई भी रिश्ता सिर्फ वोटों का सौदा नहीं है। राहुल गांधी की यह यात्रा कांग्रेस के लिए संगठनात्मक पुनर्जागरण का शंखनाद बनती दिख रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को मिशन 2027 की तैयारी में जुटने का संदेश दिया है। सूत्रों के अनुसार, आने वाले समय में विधानसभा सीटों पर उम्मीदवारों की तैयारी शुरू हो चुकी है और संगठन अब चुप बैठने वाला नहीं है।

राहुल गांधी की इस यात्रा ने भाजपा के लिए चुनौती बढ़ा दी है। भाजपा नेता इस दौरे को औपचारिक यात्रा करार देने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भाषा बदली है और वे अब जवाब नहीं दे रहे, बल्कि सवाल करने लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राहुल गांधी की यह यात्रा अमेठी में कांग्रेस की वापसी के द्वार खोलने के साथ-साथ यूपी की राजनीति में भी बड़ी करवट का संकेत हो सकती है। इस यात्रा ने कांग्रेस के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं और भाजपा के लिए चुनौती बढ़ा दी है। राहुल गांधी की अमेठी यात्रा ने कांग्रेस के लिए नई शुरुआत का संकेत दिया है। यह यात्रा कांग्रेस के लिए संगठनात्मक पुनर्जागरण का शंखनाद बनती दिख रही है और भाजपा के लिए चुनौती बढ़ा दी है। आने वाले समय में इसका असर यूपी की राजनीति पर दिख सकता है।

नेवी में सिविल हाइड्रोग्राफिक ऑफिसर के पद पर चयनित हुए डॉ उपेन्द्र

करण वाणी

बीघापुर, उन्नाव। बीघापुर के डॉ उपेन्द्र भाई पटेल का चयन रक्षा मंत्रालय की भारतीय नौसेना में सिविल हाइड्रोग्राफिक ऑफिसर के पद में हुआ है। उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा पास कर यह मुकाम हासिल किया। वह मौजूदा समय में भारत सरकार में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में अनुसंधान परामर्शदाता के पद पर कार्यरत हैं। उनकी उपलब्धि पर परिजनों व जनप्रतिनिधियों व संभ्रांत व्यक्तियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

बताते चलें कि नगर पंचायत बीघापुर निवासी डॉ. उपेन्द्र भाई पटेल ने कक्षा 7 तक पढ़ाई जूनियर स्कूल कटरा से की। इसके बाद उन्होंने इंटरमीडिएट की पढ़ाई बीघापुर के कमलापति इंटर कॉलेज से की। स्नातक की पढ़ाई लखनऊ के नेशनल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज से की। देहरादून में स्थित आईआईआरएस से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद पीएचडी हेमवतीनंदन बहुगुणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से पूर्ण से पूर्ण की। वह कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में कार्यरत रहे। वर्तमान समय में वह भारत सरकार के राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग में अनुसंधान परामर्शदाता के रूप में कार्यरत हैं। डॉ पटेल के पिता सूर्य प्रसाद वर्मा बेसिक शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हेडमास्टर व माता सुमन देवी गृहणी हैं। पत्नी पूजा लोक निर्माण विभाग में आर्किटेक्ट के पद से त्यागपत्र दे चुकी हैं। बड़े भाई डॉ. अवनीश भाई पटेल एसोसिएट प्रोफेसर व अमरेंद्र भाई पटेल अध्यापक हैं। छोटा भाई अभिनंदन भाई पटेल पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने अपनी सफलता पर ईश्वर को धन्यवाद देते हुए माता पिता, शिक्षकों व सहकर्मियों को उपलब्धि का श्रेय दिया। उनके चयन पर कमलापति इंटर कॉलेज के प्रबंधक सुरेंद्र बाजपेयी, प्रधानाचार्य राजेंद्र दीक्षित, प्रवक्ता अनिल मिश्रा, प्रमोद वर्मा, डॉ राजेश मिश्रा, कुलदीप अग्निहोत्री, चेयरमैन सुशील बाकुस, प्रतिनिधि सुधीर बाजपेयी, वार्ड सदस्य बीना अग्निहोत्री, मोनू पटेल, शिक्षक विजय सिंह, राजेन्द्र एडवोकेट, प्रकाश पटेल आदि ने परिजनों को बधाई देते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

पहलगाम की घटना के विरोध में छात्रों ने निकाला शांतिपूर्ण मार्च

उन्नाव। कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट उन्नाव के लगभग 250 छात्रों ने मंगलवार को पहलगाम में हुई घटना के विरोध में एक शांतिपूर्ण मार्च निकाला। छात्रों ने हाथों में आतंकवादी विरोधी तख्तियां ले रखी थीं और वे दुर्गा मंदिर से ऋषिनगर तक पैदल चले। इस मार्च का उद्देश्य हाल ही में पहलगाम में हुई दुखद घटना के प्रति अपना विरोध और आतंकवाद के खिलाफ अपनी एकजुटता व्यक्त करना था। मार्च का नेतृत्व कॉलेज के निदेशक डॉ अजय कुमार गौर, कुलसचिव डॉ देशराज साहू और प्रधानाचार्य डॉ आशुतोष मिश्रा ने किया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में संयोजक दीपक केलकर, स्मिता मिश्रा, सोनिया राय और तसनीम रहमान ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ वीरेंद्र स्वरूप ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन ने भी इस पहल का समर्थन किया। डॉ अजय कुमार गौर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं मानवता के खिलाफ हैं और हमें एकजुट होकर इनका विरोध करना चाहिए।

27 हिंदुओं की हत्या के विरोध में पत्रकारों का प्रदर्शन

करण वाणी

बाराबंकी। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा धर्म के आधार पर की गई 27 हिंदुओं की हत्या के विरोध में सिद्धौर क्षेत्रीय पत्रकार ने बुधवार को सीएचसी कोठी से पैदल मार्च कर पुतले को लात घूसों व डंडों से पीटते हुए जैदपुर मोड़ पर लाकर आंतकवाद व पकिस्तान का पुतला फूंक दिया। इस दौरान पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाएंगे। हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए गए। धर्म के नाम पर हुई हत्याओं का विरोध करते हुए आतंकवाद के खिलाफ देश एकजुट होकर लड़ाई लड़ने की तैयार का ऐलान किया गया। जिसमे से बड़ी संख्या में क्षेत्रीय पत्रकार पुतंला दहन में शामिल रहे। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत संदेश होगा। इसके जरिए से संगठन पहलगाम में हुई घटना के प्रति अपना विरोध दर्ज कराएगा। इस मौके पर शेर बहादुर शेरा, धीरेंद्र सिंह पटेल, रणविजय सिंह, सुधीर शर्मा, साहेबशरन, राजू रावत, मेवालाल, संतोष शुक्ला, रामअकबाल वर्मा, नीरज शुक्ला, संतोष, आशीष, विजय शंकर मिश्र, सोनू दीक्षित, दिवाकर, सियाराम, विकास द्विवेदी, आरएन द्विवेदी, रामकुमार वर्मा, सतीश रावत, गोविंद, राजकरन, मोहम्मद रजी, डॉक्टर गुरुप्रसाद, मौजूद थे।

बाबा बोधेश्वर मन्दिर में धूमधाम से मनाया गया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

करण वाणी

बांगरमऊ,उन्नाव। ब्राह्मण परिवार द्वारा अक्षय तृतीया पर आज बुधवार को नगर के पश्चिम स्थित बाबा बोधेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में भगवान परशुराम जन्मोत्सव व सुंदरकांड पाठ तथा हवन एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। आचार्य पंडित रामदेव शास्त्री और भागवताचार्य पं सतीश त्रिपाठी ने अन्य आचार्यों के साथ वेद मंत्रोच्चार के मध्य भगवान भोलेनाथ का पूजन अर्चन किया। तत्पश्चात बाबा बोधेश्वर मंदिर के महंत श्री सेवा चैतन्य ब्रह्मचारी पुजारी ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर आरती उतारी और जन्मोत्सव का शुभारंभ किया। सुंदरकांड पाठ के बाद खासकर महिलाओं एवं पुरुषों ने हवन में आहुतियां समर्पित कीं। अंत में ब्राह्मण परिवार द्वारा श्रद्धालु भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। जन्मोत्सव में मुख्य रूप से एडवोकेट संजीव त्रिवेदी, ऋषि बाजपेई, सुधीर कुमार मिश्रा सिद्धू, वीरेंद्र अवस्थी, अवधेश द्विवेदी, पिंटू तिवारी, विमल चंद शुक्ला, पंडित श्री ओम नारायण अग्निहोत्री, धीरेंद्र शुक्ला, गिरीश चंद्र शुक्ला, करुणा शंकर तिवारी, वैभव शर्मा, दिनेश अग्निहोत्री टप्पू , ओम नारायण श्रीवास्तव, अनिल रस्तोगी, कल्लू हलवाई, अजय तिवारी, अवधेश मिश्रा, संतोष गुप्ता आदि ब्राह्मण परिवार का असीम सहयोग रहा। सुंदर काण्ड पाठ को नगर एवं क्षेत्र के अल्वी मिश्रा प्रधान, रोहित पांडेय, हिमांशु दीक्षित, मनोज बाजपेई, हरि शरण तिवारी, स्नेहलता शुक्ला, सत्यवती तिवारी, प्रियंका अवस्थी, मनोरमा, कुशमेष शर्मा, कुशल तिवारी, रमाकांत तिवारी, वैद्य जी अशोक त्रिवेदी आदि ने श्रवण कर पूजन-अर्चन किया।

कुड़वा बल्लोपुर में आयोजित हुआ सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार

करण वाणी

रामनगर। सनातन ब्राह्मण समाज सेवा समिति बाराबंकी द्वारा बुधवार को विधान सभा रामनगर के कुड़वा बल्लोपुर स्थित श्री पंच मुखी बाला जी मंदिर पर एक सौ एक ब्राह्मण बालकों का सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार समारोह आयोजित आयोजित किया गया। निवर्तमान विधायक शरद अवस्थी व उनके सहयोगियों ने पंहुचकर कार्यक्रम में हाथ बटाया तथा ऐसे आयोजनों की समाज में कितनी महत्ता है पर प्रकाश डाला।यज्ञो पवीत संस्कार के बाद सनातन संस्कृति पर आए हुए वक्ताओं ने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन हुआ जिसमे आए बटुक व अन्य श्रद्धालुओ ने प्रसाद ग्रहण किया। यज्ञाचार्य पंडित रामनरेश मिश्र शास्त्री रहे जिनके साथ आए बिद्वानों ने वैदिक मंत्रो के बीच यह कार्यक्रम सम्पन्न कराया। कार्यक्रम में तमाम गणमान्य लोग व मंदिर पुजारी व महंत का सहयोग रहा। भारी भीड़ मौजूद रही।

बाबा साहब के अपमान पर भाजपा जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में हुआ धरना प्रदर्शन

करण वाणी

उन्नाव। बाबा साहेब की आधी तस्वीर काटकर उसमें अपनी आधी तस्वीर लगाना बाबा साहेब के अनुयायियों की आस्था पर कुठाराघात है। ये हम सभी को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं है। इस निंदनीय कृत्य के लिए अखिलेश यादव सहित पूरी समाजवादी पार्टी को माफी मांगनी चाहिए। उक्त कथन भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने ध्नरना प्रदर्शन के दौरान कहे।

बताते चलें कि बीते दिवस समाजवादी पार्टी द्वारा बाबा साहब के चित्र को काटकर उसमें अखिलेश यादव के चित्र को लगा पोस्टर लगाया गया था। समाजवादी पार्टी के द्वारा संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ बाबा साहब भीम राव का अपमान पर उन्नाव एसपी ऑफिस के पास डॉक्टर साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन किया गया। भाजपाइयों ने समाजवादी पार्टी और उनके मुखिया अखिलेश यादव के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। भाजपाइयों ने गुस्से मे है सारा देश माफी मांगो तुम अखिलेश, अखिलेश यादव मुर्दाबाद आदि नारे लगाए । समाजवादी पार्टी लगातार बाबा साहब का अपमान करती रही है बार बार उनका दलित विरोधी चेहरा उजागर होता रहा है चाहे उनके पिता और समाजवादियों द्वारा बसपा प्रमुख पूर्व मुख्यमंत्री बहन मायावती के साथ गेस्ट हाउस काण्ड उनके कार्यकाल में दलित महापुरुषों रमाबाईनगर आदि नामों से जिलों के नाम थे मेडिकल कॉलेज का नाम था जिन्हें समाजवादी पार्टी सरकार ने बदलने का कार्य किया इनके कार्यकाल में बाबा साहब की प्रतिमाओं को तोड़ने का कार्य हुआ। अखिलेश यादव ने अपनी सरकार में अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग की जितनी भी योजनाएं थीं, सभी को समाप्त कर दिया था। इन्होंने सारे महापुरुषों का अपमान किया है। इसे जनता कभी भी नहीं भूलेगी। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा बाबा साहब के चित्र के साथ अपना चित्र जोड़कर समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष उनको और पूरे दलित समाज को अपमानित करने का कार्य कर रहे हैं। बाबा साहब के अपमान से सर्वसामज के लोग दुखी हैं। अखिलेश यादव बाबा साहब के विचारों पर चलने की बजाए उनका लगातार अपमान कर रहे हैं यह शर्मनाक घटना है। क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा भगवती प्रसाद रावत ने कहा हम अंबेडकरवादी लोग बाबा साहब का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। अखिलेश यादव का कृत्य खुद दलित विरोधी है, सपा ने दलित कार्मिकों के प्रमोशन में आरक्षण पर रोक लगाई, जिससे दलित अधिकारियों और कर्मचारियों को डिमोशन का दंश झेलना पड़ा। दलित समाज अभी तक इसे भूला नहीं है। बाबा साहेब की आधी तस्वीर काटकर उसमें अपनी आधी तस्वीर लगा रहे उनको लगता है वे बाबा साहब के बराबर हैं, लेकिन वह बाबा साहब के पैरों की धूल नहीं हैं।

इसके पूर्व जिला महामंत्री भाजपा प्रवीण सिंह नूतन सह संयोजक मनीष जायसवाल के संयोजन में आयोजित धरना प्रदर्शन में भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी विधायक पंकज गुप्ता विधायक श्रीकांत कटियार सहित पदाधिकारियों ने बाबा साहब की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया।

राहुल गाँधी के स्वागत लिए कांग्रेस नेताओ का हुजूम

करण वाणी

अमेठी। लोकसभा बिपक्ष के नेता राहुल गाँधी का अमेठी क्षेत्र भ्रमण पर कांग्रेस नेताओ का हुजूम सड़कों पर देखने को मिला ।बुधवार की सुबह से ही मुंशीगंज हॉस्पिटल आस पास कांग्रेसी नेताओं का जमावड़ा रहा,राहुल गाँधी अमेठी फिर घूमने आ रहे है। इसे देखते हुए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को ऐसा लग रहा है कि, राहुल गाँधी फिर अमेठी मे नये ठोर की तलाश मे है। इण्डो-रसियन रायफल प्राईवेट लिमिटेड कोरवा अमेठी का भ्रमण किया। तो वही ओपन हार्ट सर्जरी के आपरेशन थियेटर का उद्घाटन किया। और इन्दिरा गाँधी नर्सिंग कालेज का भी राहुल गाँधी ने भ्रमण किया।

कांग्रेस के कार्य कर्ता एवं नेता अपने नेता राहुल गाँधी के आगमन से प्रसन्नचित नजर आए। सडको के किनारे कांग्रेस नेताओ का हुजूम गुलाब के फूल की डाली हाथ मे लिए जय घोष के नारे ला रहे थे। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष भेटुआ अजीत कुमार यादव,मण्डल अध्यक्ष जगदीश सिंह,मण्डल अध्यक्ष कौशल किशोर मिश्र, कांग्रेस किसान जिला सचिव सूर्य भान तिवारी,ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष अमेठी डा देव मणि तिवारी,कांग्रेस पूर्व सचिव संजय पाठक,डा नरेंद्र कुमार मिश्र,टीएसी कलावती मौर्य,कांग्रेस पूर्व मंत्री आशीष शुक्ल अपनी टीम के साथ राहुल गाँधी के अभिनन्दन मुस्तैद दिखे। ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष भादर बीरेन्द्र कुमार सिंह, टीएसी अशोक सिंह हिटलर,कांग्रेस मण्डल अध्यक्ष पवन कुमार दूबे,पीसीसी देवेन्द्र सिंह,ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष संग्रामपुर हीरा मणि कनौजिया,कांग्रेस ब्लाक पूर्व अध्यक्ष सुरेश कुमार शुक्ल ÷नवीन÷, कांग्रेस युवा जिलाध्यक्ष शुभम सिंह, कांग्रेस जिला महासचिव सर्वेश सिंह, बिनोद कुमार मिश्र विनय आदि नेताओ के पुष्प गुच्छ लिए हाथो मे अपने अमेठी परिवार के बेटे राहुल गाँधी के अभिनन्दन के बेताब दिखे।जगह-जगह होर्डिंग्स लगी थी। उत्तर प्रदेश पुलिस सुरक्षा को लेकर सजग रही। रस्सा का घेरा लगाकर सुल्तानपुर रोड,रायबरेली रोड को छोड़कर अन्य सडक जाम कर रखी थी।

प्राथमिक पाठशाला गंगहुआ की भूमि पर अबैध अतिक्रमण

अमेठी। जिले के विकास खण्ड भेटुआ की ग्राम पंचायत शिवगढ जलालपुर के प्राथमिक विद्यालय गंगहुआ की भूमि पर अवैध अतिक्रमण है। भूखण्ड संख्या-405क्षेत्रफल-288 हेक्टेयर व भूखण्ड संख्या-406 क्षेत्रफल-177हेक्टेयर है। स्कूल मे प्रधानाचार्य श्रीश प्रकाश शुक्ल, सहायक अध्यापक अर्चना देवी, शिक्षा मित्र सुभाषनी देवी है। पुराने स्कूल का भवन नीलाम हो चुका है। बाउण्ड्री वाल अब तक नही बनी है। जिसके कारण भूमिफया प्राथमिक विद्यालय की भूमि पर अतिक्रमण कर रखा है। भू-माफिया शिव प्रसाद गुप्ता ,अमरजीत नाई,समर जीत नाई,इन्द्र जीत नाई,राघव राम नाई, विजय कुमार गुप्ता,अशोक कुमार गुप्ता आदि ने पशुशाला,छप्पर,आदि डालकर अबैध अतिक्रमण कर रखा है। दस साल से अबैध अतिक्रमण कर रखा है। प्रधान शिवगढ जलालपुर बिकास सिंह ने भी अतिक्रमण हटाने मे रूचि नही ले रहे है। जिस कारण अबैध अतिक्रमण बरकरार चला आ रहा है।

पोस्टर बाजी, बयानबाजी नहीं सरकार के साथ खड़े हों सभी राजनीतिक दलः बसपा

करण वाणी

अमेठी। बहुजन समाज पार्टी ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सभी पार्टियों से राजनीतिक एकजुटता का आह्वान किया है । बसपा ने कहा है कि आतंकी हमले की आड़ में पोस्टर बाजी और बयानबाजी की घिनौनी राजनीति बंद होनी चाहिए।

वर्तमान राजनीतिक परिवेश और पार्टी संगठन के कार्यों की प्रगति समीक्षा को गुरुवार को जिला कमेटी की बैठक बुलाई गई है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स के माध्यम से बयान जारी करके पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सभी राजनीतिक दलों को सरकार के साथ खड़े होने की सलाह दी है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मेवालाल गौतम ने बहन मायावती के बयान को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। सभी पदाधिकारियों को किसी भी तरह की बयानबाजी से बचते हुए पार्टी संगठन का काम आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन मायावती ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सभी पार्टियों को एकजुट होकर सरकार के हर कदम के साथ खड़े होना चाहिए, ना कि इसकी आड़ में पोस्टरबाजी व बयानबाजी आदि के जरिए घिनौनी राजनीति की जानी चाहिए, क्योंकि इससे लोगों में कन्फ्यूज़न पैदा हो रहा है, जो देशहित में ठीक नहीं। बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर का भी अपमान कतई ना किया जाए। ख़ासकर सपा व कांग्रेस को इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए, वरना बीएसपी इनके विरुद्ध सड़कों पर भी उतर सकती है।

बसपा के जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार ने बताया कि एक मई को जिला कार्यकारिणी की बैठक बुलाई गई है। बैठक में संगठन की आगे की कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

बाराबंकी बहराइच हाइवे पर नहीं है यातायात सुरक्षा के ठोस उपाय

रामनगर। बाराबंकी बहराइच हाईवे मौत का हाइवे बन चुका है। थाना रामनगर के टी आर भट्ठा से लेकर घाघरा घाट तक आए दिन सड़क दुर्घटनाए हो रही हैं।चौड़ी सड़क पर डिवायडर न होने और सड़क पर बनी सफ़ेद पट्टी धूमिल हो जाने से रात में दुर्घटनाओ की संख्या बढ़ती जा रही है। रामनगर थाना क्षेत्र के टी आर भट्ठा,रानी बाजार,दल सराय, कटियारा,केसरी पुर बाई पास,चौका घाट,लहडरा मोड़ व घाघरा घाट मोड़ दुर्घटना बाहुल्य एरिया बन गए हैं जंहा प्रति दिन कोई न कोई हादसा होता है और जानें चली जाती है। इन स्थानों पर सुरक्षा के कोई उपाय नही है। इस सड़क पर यातायात सुरक्षित चले इसके लिए एन एच आई के अफसर उदासीन है। डिवायडर न होने से सफ़ेद पट्टी बनाकर सड़क आने व जाने के लिए चिन्हित की गई थी मगर बीते साल से सफ़ेद पट्टी दिखना बंद हो गई है ।पट्टी के सहारे वाहन निकलते रहते थे तो उनको अप डाउन की तरफ भगना नही पड़ता था ।इसे एन एच आई भी ठीक नही करा रहा ।दूसरी ओर सड़क किनारे खूब झाड़ियां भी उगी हुई हैं जो सड़क पटरी को बंद किए है ।कई जगह मोड़ पर सामने से आ आते वाहन दिखते ही नही है। इन कमियों को दूर करने की दिशा में कोई काम नहीं हो रहा और हर दिन कोई न कोई सड़क दुर्घटना मे अपनी जान गंवा रहा है। अब तक तो सैकड़ो लोग इस मार्ग पर घायल भी हो चुके हैं। केसरी पुर बाई पास पर तो होटलों के आगे जगह नही है जिससे सड़क तक वाहन आ जाते और दुर्घटना घट जाती है।कटियारा के पास भी एक ढाबे वाला सड़क तक बसों को रोकता है।

निधि राज बनी महिला प्रकोष्ट की ब्लॉक अध्यक्ष, शिखा ब्लॉक मंत्री

बाराबंकी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई सिरौलीगौसपुर की बैठक का आयोजन प्राथमिक विद्यालय बदोसराय प्रथम के प्रांगण में किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निधि राज को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई सिरौलीगौसपुर की महिला प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, शिखा गुप्ता को ब्लॉक मंत्री, आशा मल्होत्रा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, समरीन खान को संयुक्त मंत्री, पूजा गुप्ता को कोषाध्यक्ष, वंदना वर्मा , प्रियंका गुप्ता को उपाध्यक्ष पद पर पद पर मनोनीत किया गया। जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सभी से अधिक से अधिक महिला शिक्षिकाओं की समस्या के समाधान पर प्रयासरत रहने को कहा एवं कार्यकारिणी में अधिक से अधिक शिक्षिकाओं को जोड़ने का आव्हान किया। कुसुमलता, सारिका कन्नौजिया, रूचि गुप्ता को जिला पदाधिकारी के रूप में मनोनीत किया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष शिवाजी मिश्र, आलोक वर्मा, पवन मिश्रा, कृष्ण चंद्र बाजपेई, सिद्धार्थ शुक्ला, नीरज तिवारी, सौरभ वर्मा, सचिन वर्मा, रविदीप सिंह, ओंकार सिंह, देवेश मिश्र, कृपाराम, आरफा खातून, पूनम वर्मा, एकता यादव, दीपमाला यादव, सीमा गौतम, अनुराधा त्यागी, प्रीति, दीप्ति सिंह , बबिता यादव, ममता, मेहर आलम, ज़ीनत सिद्दीकी, शबनम, शीतू वर्मा, प्रिया वर्मा, प्रतिभा वर्मा, मंजू, अर्शिया खातून सहित अनेक शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहे।

फार्मर रजिस्ट्री में आ रही दिक्कतें

रामनगर। फार्मर रजिस्ट्री कार्य का अमोली कला में बीडीओ जितेंद्र कुमार ने निरीक्षण किया। कुछ दिक्कते भी सामने दिखीं। पंचायत सहायक ने बताया कि जिनके आधार व खतौनी के नामों मे फर्क है व जिनका नाम जल्दी खतौनी में चढ़ा है उनका पोर्टल पर फार्मर रजिस्ट्री नहीं बन पा रहा है ।इसी तरह चेहरा लेते समय इरर दिखाता है।इसी वजह से तमाम लोग आकर लौट जाते है।बीडीओ ने उक्त समस्या को तहसील में अवगत कराया।

हीट बेब से निपटने के लिए एक कूल रूम हुआ तैयार

रामनगर, बाराबंकी। सी एच सी रामनगर में हीट बेब से निपटने के लिए अधीक्षक द्वारा पहले से ही तैयारी कर ली गई है।दूसरी मंजिल पर बने कमरे में पांच बेड हैं जिसमे कूलर लगा है व फ्रिज भी रखा है। अधीक्षक पर्णव श्रीवास्तव ने बताया कि फ्रिज में आइस पैक का डिब्बा भी है ताकि मरीज के मत्थे पर ठंडी पट्टी रखी जा सके।इस संबंध में सभी दवाइयां भी है। कमरे में इस बार ए सी लगवाया जाएगा।बजट का इंतजार है। उन्होंने बताया कि तेज लू व धूप में दिन के 12 बजे से तीन बजे तक बहुत जरूरी हो तभी निकले और निकलते समय सर पर गीला अंगौछा बांधे रहे। साथ पानी भी रखे। कुछ देर पर अंगौछा भिगोते रहें जिससे सर व चेहरे पर ठंडक मिलती रहे। कोशिश करे कि इस बीच घर मे आराम करें।ताजा साफ पानी खूब पिए व तरल पदार्थ का सेवन करें। खाली पेट न रहे।उन्होंने बताया कि अभी कोई मरीज नही आया है सतर्कता सावधानी ही बचाव है।

धोखे से बड़े भाई की संपत्ति हड़पी, एसपी से शिकायत

मसौली बाराबंकी। बड़े भाई का इलाज कराने के बहाने ले जाकर समस्त चल अचल संपत्ति अपने नाम कराने का बड़ा मामला सामने आया है छोटे भाई के कृत्य की जानकारी होने पर बीमार एव बुजुर्ग पीड़ित अपने बच्चो के साथ न्याय के लिए दर दर भटकने को मजबूर है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। थाना व कस्बा मसौली के मोहल्ला भूलीगंज निवासी बुजुर्ग अली अहमद पुत्र कासिम अली जो वर्तमान समय मे बीमार है गत 22 अप्रैल की सुबह अली अहमद का छोटा भाई अली अकबर अपने पुत्र एव रिजवान पुत्र कल्लू के साथ आकर कहा कि बाराबंकी चलो दवा ले आये और रजिस्ट्री आफिस मे ले जाकर कहा कि चलो 5 लाख रुपये इलाज वाला कार्ड बनवाने के लिए अंगूठा लगा दो भुक्तभोगी अशिक्षित होने के कारण चला गया और काफी कागजो पर अंगूठा लगवा लिया तथा कहा कि 2 बजे तक अस्पताल खुला रहता है अब बंद हो गया है कल लाकर डाक्टर को दिखाएंगे दूसरे दिन जब कोई नही आया तो अली अकबर के घर जाकर इलाज के लिए कहा तो टाल मटोल करने लगे शक होने पर जब रिजवान से पूछताछ की तो रिजवान ने बताया कि अली अकबर ने तुम्हारी समस्त चल अचल सम्पति अपने नाम दान के रूप मे लिखा लिया है जिसकी जानकारी होते ही अली अहमद के पैरो के नीचे से जमीन खिसक गयी और अली अकबर से पूछा तो गाली गलोच करते हुए मारपीट पर आमादा हो गया । भक्तभोगी ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगायी है।

न्यायालय के आदेश के बाद कुछ अज्ञात समेत चार नामजद पर हत्या का मुकदमा दर्ज

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट पुलिस ने न्यायालय के आदेश के बाद चार नामजद और कुछ अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज किया है। अचलगंज के जोजापुर गाँव के निवासी राम सजीवन के पुत्र अमरजीत 6 नवंबर 2024 को अकलाखनगर निवासी आकिब के घर रंगाई-पुताई के काम के लिए बुलाया गया था। उसी दिन अमरजीत का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका हुआ पाया गया। परिवार ने इसे हत्या बताते हुए पुलिस में कई बार शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई।अंततः, पीड़ित परिवार ने न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। न्यायालय के आदेश के बाद हीरालाल, संजय, आजाद और कुछ अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

22 निर्धन परिवार की बेटियों की शादी मे मदद करके पुष्प फाउंडेशन ने पेश की समाजसेवा व मानवता की एक नयी मिशाल

करण वाणी

बीघापुर,उन्नाव। भगवंतनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतो मे निर्धन परिवार की बेटियों की शादी मे दो दिनों मे मदद करके विधानसभा भगवन्तनगर मे हर गरीब जरूरतमंद का समय से मदद करके समाजसेवा मे पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लगातार प्रतिदिन पूरी विधानसभा क्षेत्र के हर गरीब हर जरूरत मंद की मदद करके लोगो के दिलो मे बनायीं गहरी पैठ बनायीं है,22 निर्धन परिवार की बेटियों की शादी मे पुष्प फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मदद कर जीता मानवता का दिल

बीघापुर तहसील अन्तर्गत विभिन्न ग्राम पंचायतो, सगवर मे शिवशंकर गौतम की बेटी की शादी मे, कुम्भी आलमपुर मे जमुनाशंकर गौतम की बेटी की शादी मे, बैजुवामऊ मे विनोद पासवान की बेटी की शादी मे, पनई बुजुर्ग मे रघुवीर की बेटी की शादी मे, धर्मदास खेड़ा मे रामकुमार सिंह की बेटी की शादी मे, किशुनी खेड़ा मे धनीराम की बेटी की शादी मे,डोकरई मे पुट्टीलाल सैनी की बेटी की शादी मे, मनी खेड़ा मे अमन लोधी के यहाँ बेटी की शादी मे, सत्यनारायण लोधी रामपुर खरही की बेटी की शादी मे, दीनदयाल सिंह बक्सर की बेटी की शादी मे, अमृतलाल गौतम अकवारा की बेटी आदि निर्धन परिवार की बेटियों की शादी मे सहारा बने पुष्प फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह ने जरूरत मंद विभिन्न परिवारों की बेटी की शादी के मौके पर पुष्प फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह ने अपनी अनुपस्थित मे अपने प्रतिनिधि आर के सिंह मामाजी को जरूरत मंद परिवारो को अपनी पुष्प फाउंडेशन की वरिष्ठ टीम के साथ मांगलिक कार्य मे शरीक होने के लिए मौके पर भेजा पुष्प फाउंडेशन के सदस्यों ने परिवारो को आर्थिक मदद की व नवयुगल जोड़ी के सुखमय भविष्य की शुभकामनायें दी है पुष्पेंद्र प्रताप सिंह के द्वारा लगातार की जा रही मदद से विधानसभा वासियों को व हर जरूरत मंद परिवारो को उम्मीद की एक किरण मिली है मदद मिलने पर जरूरत मंद परिवार ने पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह के द्वारा मिली मदद पर खुशी जाहिर की है व ग्राम वासियो ने भी पुष्पेंद्र प्रताप सिंह के द्वारा की गयी मदद की सराहना की है।

इस मौके पर मैनेजर सिंह, बच्चू सिंह, राघवेंद्र सिंह, अशोक कुमार, सेनू यादव,पंकज सिंह,आशु सिंह, कमलेश यादव,अनूप यादव,दीपक सिंह, रामजी यादव, प्रखर सिंह,आदि लोग उपस्थित रहे।

गर्मी में परेशान हैं गौ शालाओं के जानवर, जिम्मेदार बने लापरवाह

करण वाणी

रामनगर, बाराबंकी। कंही दो टिन शेड तो कंही तीन टिन शेड गौ शालाओं में बने है मगर उस अनुसार टाट की बोरियाँ नही मिल सकी कि उनमें साइडो की तरफ सिलकर लगाया जा सके जिससे पशुओ को धूप से परेशानी न हों।

ब्लॉक रामनगर में सात गौ आश्रय स्थल है जिनमे कंही दो टिन शेड तो कंही तीन टिन शेड चरही लेकर बने है।उनके किनारे टाट की बोरियो की पल्ली बनाकर केयर टेकरो को लगाना चाहिए था मगर हिसाब से बोरा नहीं मिल रहे।बताते है कि एक गौ शाला में दो से ढाई सौ बोरा लगे तब पल्ली बनाकर लगाई जाए जिससे पशु धूप से बचे।इन टाट की बोरियो पर पानी का छिड़काव भी करना था ताकि तेज धूप हवा मे पशुओं को बैठने चारा खाने मे गर्मी न लगे । इस समय गर्मी का मौसम है।सभी जगह दिन मे पशु गर्मी से परेशान रहते हैं। यही हाल सूरतगंज ब्लॉक में बनी गौ शालाओं का है।कंही पचास तो कंही साठ बोरी कोटेदारों द्वारा दी गई है जो रखी हुई है।सौ का आंकड़ा तक नहीं पार हुआ है। बीडीओ लगातार इस संबंध में बैठक कर निर्देश दे रहे हैं ताकि पशुओं को गर्मी से बचाव हो।इस संबंध मे बीडीओ ने बताया कि जितनी मिल रही उतनी गौ शालाओं में लटकवाई जा रही है।पूर्ति विभाग से सम्पर्क बना हुआ है ।जैसे जैसे बोरिया मिलेंगी गौ शाला मे उपयोग होंगी।

गंजेडियों के बीच हुये झगडे के बाद एक गंजेडी फांसी पर झूला

बांगरमऊ उन्नाव। गांजा पिलाने से मना करने पर गंजेड़ियो के बीच जमकर लात-घूंसे चले। शिकायती पत्र देने पर चौकी पुलिस एक गंजेड़ी के बाप को पकड़ लाई। जिससे आहत होकर गंजेड़ी फांसी के फंदे पर झूल गया। मौके पर मौजूद बाग़ मालिक ने उसे फंदे से नीचे उतारा और यहाँ के सरकारी अस्पताल लाया। डाक्टर द्वारा उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। कस्बा गंज मुरादाबाद के मोहल्ला बड़ी बाजार निवासी इरफान 25 वर्ष पुत्र आफताब बीते बुधवार की शाम अपने अन्य साथियों के साथ गांजा पी रहा था। तभी अचानक कस्बे के मोहल्ला टेढ़ी बाजार निवासी नीरज पुत्र अमरीश आ धमका और इरफान से गांजा पिलाने को कहा। मना करने पर नीरज ने अपने परिवार के लोगों के साथ इरफान की लात-घूंसों से पिटाई कर दी। साथ ही नीरज ने इरफान के खिलाफ पुलिस चौकी में शिकायती पत्र भी दे दिया। इसी शिकायती पत्र के आधार पर चौकी पुलिस ने इरफान के पिता आफताब को हिरासत में ले लिया।थोड़ी ही दूर पर मोहल्ला मरी कंपनी में स्थित बाग में आम के पेड़ की डाल से रस्सी के सहारे फांसी के फंदे पर झूल गया।

पिकपलोडर की टक्कर से बाइक चालक की मौत, महिला व बच्ची की हालत गम्भीर

करण वाणी

बांगरमऊ,उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर स्थित ग्राम नसिरापुर के सामने तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप लोडर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक सहित एक महिला और उसकी अबोध बच्ची तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मदार नगर निवासी सुलेमान के नवजात नाती की आज गुरुवार को अचानक मौत हो गई थी। जिला हरदोई के थाना संडीला अंतर्गत गांव तिलोइया खुर्द निवासी फैय्याज अली 50 वर्ष पुत्र दरगाही अपनी साली अरमान जहां उर्फ मैना 42 वर्ष पत्नी रशीद और उसकी बेटी सायरा एक वर्ष निवासी बेंहदर हरदोई को बाइक से लेकर रिश्तेदार के नवजात बच्चे के जनाजे में शामिल होने ग्राम मदार नगर आ रहा था।

तभी रास्ते में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर स्थित ग्राम नसिरापुर मार्ग मोड़ पर गुरुवार को दोपहर बाद करीब 2 बजे विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे पिकअप लोडर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में तीनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस तीनों घायलों को यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाई। जहां डाक्टरों ने बाइक चालक फैय्याज अली को मृत घोषित कर दिया। जबकि घायल महिला और उसकी बच्ची की हालत नाजुक देखकर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक अपने परिवार का एक मात्र कमाने वाला मुखिया था।

वह हरदोई जिले के ग्राम बेंहदर में रहकर जरदोजी का धंधा करके किसी तरह अपने परिवार का भरण-पोषण करता चला आ रहा था। पति की अचानक मौत से पत्नी शकीला उर्फ गुड्डी रो-रोकर बेहाल है और अन्य परिजनों में चीख-पुकार मची हुई है। मृतक के एक पुत्र बिलाल 6 वर्ष व दो पुत्रियां तरन्नुम 8 वर्ष और तैयबा 9 वर्ष हैं।

आठ सालो से योजना मगर नहीं बन सके पंचायत घर

विभागीय अफसरों की लापरवाही का नतीजा

करण वाणी

रामनगर, बाराबंकी। पंचायत भवन निर्माण की योजना आठ साल से चल रही है लेकिन ब्लॉक की पांच ग्राम पंचायतो मे अभी तक पंचायत घर नहीं बन सके।यंहा के प्रधान व सचिव गैर जिम्मेदार रहे या कोई अन्य दिक्क़त रही यह तो ब्लॉक के अफसर जान रहे होंगे मगर ग्रामीणों को पंचायत घर का लाभ नही पूरा जो की सरकार की प्राथमिकताओं में थी।

पंचायती राज व ग्राम्य विकास विभाग की संयुक्त स्कीम से प्रत्येक ग्राम में पंचायत घर बनवाने की योजना है जो 14 से 18 लाख की लागत से बनने है। ब्लॉक के अधिकतर गाँवों में बन भी गए है ब्लॉक अभी तक पांच ग्राम पंचायतें इस तरह की है जंहा उनको पंचायत घर नही मिल सका है ।उनका काम कंही स्कूल से तो कंही अन्य स्थान से तो कंही प्रधान के घर से चलाया जा रहा है। रामनगर के सिलौटा में पंचायत घर नही है तो सामुदायिक भवन से काम हो रहा घौखरिया,कटियारा निजामपुर मे भी पंचायत भवन नही तो स्कूल से काम चल रहा।

लहडरा में भी पंचायत भवन नहीं तो बारात घर से काम हो रहा । यंहा के ग्राम प्रधान चाहते है कि उनके यंहा पंचायत घर बने मगर पंचायती राज विभाग सहयोग नही कर रहा।सिलौटा मे तो चार साल से प्रधान हल्ला मचाए है मगर उनकी बात ही नही सुनी गई।किन्हौली मे भी भवन नही था तो प्रधान ने जिले पर पैरवी की और कुछ सुबिधा शुल्क भी दिया तो वंहा मंजूर हो गया और बन रहा है ।बिंदौरा परस पुर मे भी भवन नही है बन रहा है। अभी स्कूल से काम चलाया जा रहा। थाल कला व बिठौरा बने मगर चले नहीं।

राम पुर खरगी अधूरा है ।कुल मिलाकर पंचायती राज विभाग से जुड़े अफसर इस कदर लापरवाह है कि पंचायत घर बने या न बने उनसे कोई मतलब नही रह गया है। ए डी ओ पंचायत रामनगर अभय शुक्ला कहते है कि कंही जमीन का तो कंही संबंधित सचिव की उदासीनता से रह गए है।जल्द ही इसकी समीक्षा की जाएगी।

प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक रामनगर के उपाध्यक्ष का हुआ चयन

करण वाणी

रामनगर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई रामनगर की मासिक बैठक का आयोजन उच्च प्राथमिक विद्यालय रामनगर में किया गया।

बैठक में मुख्य रूप से शिक्षकों की समस्याओं पर चर्चा परिचर्चा की गई तथा संगठन विस्तार के क्रम में लोकनाथ तिवारी सहायक अध्यापक पूर्व मां विद्यालय बहलोलपुर व रोहित त्रिपाठी सहायक अध्यापक प्रा वि बुधेड़ा को ब्लॉक उपाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया। इस अवसर पर जिला मंत्री उमानाथ मिश्र,जिला उपाध्यक्ष श्याम किशोर बाजपेयी, विजय बहादुर सिंह, डॉ आलोक शुक्ला, चंद प्रकाश श्रीवास्तव, ललित वर्मा, रवि भदौरिया, ब्लॉक अध्यक्ष रामनगर हनुमंत अवस्थी, मंत्री पवन कुमार मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अयोध्या प्रसाद रावत, ब्लॉक कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, संयुक्त मंत्री इरफान अहमद, देश दीपक शुक्ला आदि तमाम अध्यापक अध्यापिकाए मौजूद रही।

हाइवे पर बुलेरो व डमफर में हुई टक्कर से दो की मौत

अपने पति को दुबई से लौटते समय रिसीब करने जा रही पत्नी की मृतको में शामिल

करण वाणी

रामनगर, बाराबंकी। बाराबंकी बहराइच हाइवे के दलसराय गांव के पास गुरूवार तड़के बुलेरो व डम्फर की आमने सामने हुई टक्कर में बुलेरो सवार एक महिला व एक पुरुष की मौत हो गई जब कि पांच घायल हो गए। सूचना पाकर पुलिस ने घायलों को रामनगर सी एच सी पंहुचाया जंहा से चार घायल रिफर कर दिए गए।

गुरुवार को थाना रिसिया जनपद बहराइच के अलिया बुलबुल गाँव निवासी सुमैय्या उम्र 36 वर्ष सऊदी से आ रहे अपने पति तुफैल को लेने बुलेरो से जा रही थी जिसमे उसके साथ् उसी के गाँव निवासी रेहाना उम्र 18 साजिदा उम्र 50 मो अली उम्र 55,व साहिल उम्र 7 वर्ष भी सवार थे।सुबह करीब 5 बजे जब वे रामनगर कोतवाली के दलसराय गाँव पंहुचे तो सामने से आ रहे डस्ट लादे डम्फर ने जोर दार टक्कर मार दी जिससे बुलेरो सवार सभी गंभीर घायल हो गए। सी ए च सी लाए गए घायल ~ सूचना पुलिस को मिली तो वह पंहुची और सभी घायलों को रामनगर सी एच सी लाई जंहा डाक्टरों ने जामिन व सुमैय्या को मृत घोषित कर दिया ।शेष का प्राथमिक उपचार कर गंभीर होने के चलते जिला अस्पताल रिफर कर दिया। साहिल उम्र 7 वर्ष को मामूली चोट थी जिसे पट्टी कर उसके परिजनों को दे दिया गया। इस घटना मे डम्फ़र का खलासी कमलेश उम्र 36 निवासी राम पुर खरगी थाना रामनगर भी गंभीर घायल हुआ जिसे जिला अस्पताल भेजा गया।

टक्कर इतनी जोर थी कि डम्फर अनियन्त्रित होकर एक घर मे जा घुसा।गनीमत रही कि वंहा कोई नही था वरना और लोग चोटिल हो जाते ।कार के तो पर खच्चे उड़ गए। चालक का पता नही चल सका।चर्चा थी कि वह भी घायल हुआ है।घटना की सूचना पाकर मृतको के परिजन भी अस्पताल आ गए थे। उनका रो रो कर बुरा हाल था। परिजन मो साहिद ने बताया कि सभी लोग घर की बुलेरो से तीन बजे रात मे लखनऊ एयर पोर्ट जाने के लिए निकले थे।यह नही पता था कि रास्ते में अनहोनी हो जाएगी।

इंट भट्ठा पर इंट पाथने वाले मजदूर की धार दार हथियार से हत्या

पुलिस ने उसके साथी को लिया हिरासत में

करण वाणी

रामनगर, बाराबंकी। भट्ठे पर इंट पाथने वाले एक 22 वर्षीय युवक का खुन से सना शव एक बाग़ में लगे पुआल के पास पाया गया।धार दार हथियार से हत्या किए जाने का अनुमान है।पुलिस उसी के एक साथी को हिरासत में लेकर पूँछ ताछ कर रही है। थाना रामनगर के सआदत गंज रोड पर ददौरा स्थित एक इंट भट्ठे के लिए इंट पथाई का कार्य एक किमी दूर ताल पाल पुरवा के एक खेत में उड़ीसा के मजदूरों द्वारा किया जाता है।यंही पर काम कर रहे प्रत्युष पुत्र बेलार उम्र 22 निवासी ग्राम माण्डव सीली, थाना नया पुरा उड़ीसा भी अपने मित्रो के साथ इंट पथाई करते थे। बताते है कि बीती बुधवार को रात दस बजे अपने साथी छोटू पुत्र सपरू मांझी निवासी कैलान पुर उड़ीसा के साथ ददौरा में लगा मेला देखने गए थे। इंट पथाई करने वाले अन्य साथी भी मेला गए थे जो लौट आए मगर यह दोनो जब नही लौटे तो इनकी ढूंढाई होने लगी। रात बारह बजे करीब इंट पथाई स्थल से पश्चिम सौ मीटर दूर एक बाग़ मे लगे पुआल के ढेर पर प्रत्युष का लहूलुहान शव पड़ा पाया गया जिसके शरीर पर धार दार हथियार से हमला किए जाने के जगह जगह निशान थे।शव देख हड़कंप मच गया और दर्जनों मजदूर वंहा पंहुच गए। इसी बीच छोटू भी मिल गया।सूचना पुलिस को दी गई तो वह रात मे ही पंहुची और जाँच पड़ताल के बाद छोटू को थाने ले आई।शव का पंचनामा भर पी एम के लिए भिजवाया गया। पुलिस का कहना है कि आस पास के गाँव की कोई युवती भी काम करने आती थी जिससे दोनो लोग प्रेम प्रसंग चलाए थे ।छोटू को यह नागवार था कि मृतक भी युवती से मिले और इसी रंजिश मे मेला देखकर लौटते समय मीट काटने वाले बांका से हमला कर मार डाला।हत्या का मुकदमा दर्ज कर जरूरी कार्यवाही की जा रही है।

प्लॉट लेने से मना करने पर रंगदारी देने का दबाव, कप्तान से की शिकायत

शोएब ने विजय को बताया था कि वह उन्नाव में जमीन की प्लाटिंग का काम करता है तब से प्रार्थी का आवागमन व मुलाकत एक दूसरे से होती रहती थी।

करण वाणी

उन्नाव। दूसरा प्लॉट दिखाकर धोखाधड़ी के प्रयास में विफल होने पर रंगदारी की मांगने तथा मना करने पर जानलेवा धमकी देने का आरोप पीड़ित ने लगाते हुए कप्तान से न्याय की गुहार लगाई है। बताते चलें कि सफीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मोमिनपुर निवासी विजय पाल पुत्र स्वर्गीय कल्लू पासी का परिचय लगभग 5 वर्ष पूर्व कानपुर के रहने वाले शोएब पुत्र रिजवानउल्ला से कानपुर आवागमन के दौरान हुआ था। शोएब ने विजय को बताया था कि वह उन्नाव में जमीन की प्लाटिंग का काम करता है तब से प्रार्थी का आवागमन व मुलाकत एक दूसरे से होती रहती थी। लगभग 1 माह पूर्व शोएब ने विजय को उन्नाव बुलाकर प्लाट देने व दिखाने की बात कहा। प्लाट पसन्द आने पर उसी दिन जेब में पड़े हुये 10,000/- रूपया बतौर बयान देकर 4,50,000/- रूपया का प्लाट 1 बिसुवा तय किया था। बीती 29 अप्रैल को उक्त शोएब पुत्र रिजवानउल्ला ने कब्बा खेड़ा तिराहा पर पैसा लेकर बुलाया तथा कहा कि कल तुम्हारे प्लाट की रजिस्ट्री होनी है। इसलिए आज पैसा दे दो। विजय पैसा लेकर पहुँचा तो लोहार खेड़ा कोल्ड स्टोरेज के पास प्लाट पर गये। शोएब पुत्र रिजवान तथा उनकी पत्नी नुजहत इरफानी उर्फ डम्मन, शमीउद्दीन इरफानी उर्फ बब्लू अलीमुद्दीन इरफानी उर्फ सोनू, मोनू इरफानी उर्फ मोनू, आमिर इरफानी पुत्रगण वकील अख्तर इरफानी निवासीगण 105/693 डी0 हाजी वसी बिल्डिंग के पास हलीम प्राइमरी स्कूल के सामने थाना चमनगंज कानपुर नगर व अनीस पुत्र हनीफ सिद्दीकी निवासी म0नं0 105/215 जुबली कालेज रोड मोहल्ला व थाना चमनगंज जिला कानपुर नगर अपनी इण्डिका कार और मोटर साइकिल से मौजूद मिले तथा विजय से 4,00,000/- रूपये की मांग की। विजय द्वारा जब कहा गया कि जहाँ पर मुझे आपने प्लाट दिखाया है वहाँ दूसरे का प्लाट है, मुझे प्लाट नही लेना है। तो उक्त लोग इस बात से नाराज हो गये तथा कहा कि हम तुमसे रंगदारी का पैसा ले रहे है, रूपये मुझे दे दो नहीं तो जान से मार डालेगे। पीड़ित ने किसी प्रकार से प्लाट पर से भागकर जान बचाई और कप्तान को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

ब्रिटेन को अपने दोस्त भारत की मदद के लिए खड़ा होना चाहिए

पहलगाम हमले पर भड़कीं ब्रिटिश सांसद प्रीति पटेल

एजेंसी

लंदन। पटेल ने कहा कि क्या सरकार ये मानती है कि लश्कर ए तैयबा इसके पीछे है और क्या सरकार आतंकी हमले के साजिशकर्ताओं के पाकिस्तान के साथ संबंध के बारे में जानती है? प्रधानमंत्री स्टार्मर ने बीते हफ्ते पीएम मोदी से बात की थी, लेकिन ब्रिटेन भारत को कोई विशेष मदद दे रहा है या नहीं।ब्रिटेन की भारतीय मूल की सांसद प्रीति पटेल ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और अपनी सरकार से अपील की कि ब्रिटेन को अपने दोस्त भारत के साथ इस मुश्किल समय में खड़ा होना चाहिए और दोनों देशों के आतंक के खतरे से निपटने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। ब्रिटेन की संसद में प्रीति पटेल ने ये बातें कही। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटक मारे गए थे। इस हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है।भारतीय मूल की ब्रिटिश सांसद प्रीति पटेल ने कहा कि पहलगाम हमले के पीड़ितों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। यह एक आतंकी घटना थी और हमें इसे वो ही बताना चाहिए, जो ये है। यह आम नागरिकों पर हमले का लंबे समय से चला आ रहा पैटर्न है, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों और पर्यटकों को निशाना बनाया जाता रहा है। प्रीति पटेल ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच रणनीतिक साझेदारी है। उन्होंने कहा कि %हमारे बीच (भारत और ब्रिटेन) लंबे समय से रणनीतिक साझेदारी है। इसे लेकर साल 2002 में नई दिल्ली डिक्लेरेशन और साल 2016 में भारत-यूके रणनीतिक साझेदारी भी हुई। दोनों देशों के बीच 20230 का रोडमैप भी बना हुआ है। ऐसे में हमें भारत की मदद करनी चाहिए।पटेल ने ब्रिटेन की सरकार से सवाल किया कि उनके पास पहलगाम आतंकी हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के बारे में क्या सूचनाएं हैं। पटेल ने कहा कि क्या सरकार ये मानती है कि लश्कर ए तैयबा इसके पीछे है और क्या सरकार आतंकी हमले के साजिशकर्ताओं के पाकिस्तान के साथ संबंध के बारे में जानती है?

जंगलों में लगी भीषण आग, राष्ट्रीय आपातकाल लागू

एजेंसी

यरूशलम। लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए सेना को तैनात किया गया है। इस्राइल की आपातकालीन चिकित्सा सेवा के अधिकारियों का कहना है कि अभी तक 23 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 13 लोग जलने और धुएं के कारण अस्पताल में भर्ती हुए। इस आग को इस्राइल के इतिहास की सबसे बड़ी जंगलों की आग माना जा रहा है।इस्राइल के यरूशलम के बाहरी जंगली इलाकों में भीषण आग लगी है। आग इस कदर फैल गई है कि सरकार को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करना पड़ा है। आग के चलते यरूशलम के आसमान में धुएं का काला गुबार दिखाई दे रहा है। जंगलों की इस आग को इस्राइल के इतिहास की सबसे भीषण आग बताया जा रहा है। गर्म मौसम और तेज हवाओं के चलते यह आग भड़क गई

है और तेजी से फैल रही है।
लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए सेना को तैनात किया गया है। इस्राइल की आपातकालीन चिकित्सा सेवा के अधिकारियों का कहना है कि अभी तक 23 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 13 लोग जलने और धुएं के कारण अस्पताल में भर्ती हुए। इस आग को इस्राइल के इतिहास की सबसे बड़ी जंगलों की आग माना जा रहा है। आग के चलते तेल अवीव और यरूशलम को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद कर दिया गया है। कई लोग अपने घरों और वाहनों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर भाग गए हैं।

इस्राइली पीएम बोले- अभी यरूशलम को बचाना उनकी प्राथमिकता

इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी जारी की है कि आग तेजी से यरूशलम की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अभी उनकी प्राथमिकता यरूशलम को बचाना है। मौके पर भारी संख्या में अग्निशमन दल के लोग मौजूद हैं और आग को काबू करने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि तेज हवाओं के चलते कोशिश सफल नहीं हो पा रही है। आग को देखते हुए लोग सुरक्षित जगहों पर चले गए हैं। अगर यह आग यरूशलम पहुंचती है तो इससे भयंकर नुकसान हो सकता है।

साल 2010 में लगी आग से भी ज्याद नुकसान की आशंका

इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इटमार बेन ग्वीर का कहना है कि आगजनी के चलते यह आग लगी हो सकती है। पुलिस ने पूर्वी यरूशलम में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है। आरोप है कि इस व्यक्ति ने एक खेत में आग लगाने की कोशिश की थी। आग को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के राष्ट्रीय उद्यान और जंगलों तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया गया है। रेल मार्ग भी बंद कर दिए गए हैं। इस्राइल की सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मदद की अपील की है, जिसके बाद इटली, क्रोएशिया और उत्तरी मैसेडोनिया से मदद आई है। इस्राइल में लगी इस आग की तुलना साल 2010 में माउंट कार्मेल में लगी विनाशकारी आग से की जा रही है। उस आग में 44 लोगों की जान चली गई थी और 12000 एकड़ से ज्यादा जमीन जलकर तबाह हो गई थी।

अपीलीय अदालत ने दक्षता विभाग पर लगा प्रतिबंध हटाने से किया इनकार

एजेंसी

वॉशिंगटन। अदालत ने कहा कि सरकारी दक्षता विभाग के कर्मचारियों को उस डेटा की पहुंच मिल सकती है, जिसे संपादित किया गया हो और जिससे कर्मचारियों की निजता के उल्लंघन की आशंका न हो।अमेरिका की एक संघीय अपीलीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को झटका देते हुए एलन मस्क के नेतृत्व वाली सरकारी दक्षता विभाग पर लगे प्रतिबंध को हटाने से इनकार कर दिया। दरअसल दक्षता विभाग के सामाजिक सुरक्षा सिस्टम के डेटा तक पहुंच नहीं है और इस पर प्रतिबंध है। मामला अपीलीय अदालत में गया तो वहां अपीलीय अदालत ने 9-6 के बहुमत से प्रतिबंध हटाने से इनकार कर दिया।

सामाजिक सुरक्षा सिस्टम में करोड़ों अमेरिकी लोगों का निजी डेटा है। श्रमिक यूनियनों और रिटायर कर्मचारी, दक्षता विभाग की सामाजिक सुरक्षा सिस्टम तक पहुंच का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे लोगों की निजता का उल्लंघन होगा, साथ ही इससे सुरक्षा संबंधी सूचनाओं के लीक होने का भी खतरा है। इन्होंने अदालत में मुकदमा दर्ज किया, जहां अपीलीय अदालत ने श्रमिक यूनियनों के पक्ष में फैसला सुनाया। गौरतलब है कि ट्रंप प्रशासन ने संघीय सरकार के खर्च में कटौती के लिए सरकारी दक्षता विभाग का गठन किया था और इसकी कमान अपने करीबी दिग्गज अरबपति कारोबारी एलन मस्क को सौंपी। ट्रंप प्रशासन सामाजिक सुरक्षा सिस्टम तक भी दक्षता विभाग को पहुंच देने की कोशिश कर रहा है, लेकिन श्रमिक यूनियन और विपक्षी पार्टी इसका विरोध कर रही हैं। इनका आरोप है कि सरकार सामाजिक सुरक्षा में कटौती कर सकती है।

हालांकि अदालत ने कहा कि सरकारी दक्षता विभाग के कर्मचारियों को उस डेटा की पहुंच मिल सकती है, जिसे संपादित किया गया हो और जिससे कर्मचारियों की निजता के उल्लंघन की आशंका न हो। साथ ही दक्षता विभाग के कर्मचारियों को पहले से प्राप्त गैर अनाम सामाजिक सुरक्षा डेटा को भी हटाना होगा और साथ ही उन्हें कंप्यूटर कोड में भी बदलाव करने से रोक दिया गया है।

आतंकवाद का मिलकर मुकाबला करेंगे भारत-मिस्र

अब पाकिस्तान की खैर नहीं,मिलकर खोलेंगे मोर्चा

एजेंसी

काहिरा। काहिरा में आतंकवाद रोकने को लेकर भारत-मिस्र संयुक्त कार्य समूह की चौथी बैठक में भारत और मिस्र आतंकवाद से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों को मजबूत करने पर सहमत हुए। मिस्र ने हिंसा के सभी रूपों का सामना करने में भारत के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की। साथ ही पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले की कड़ी निंदा की।पहलगाम आतंकी हमले की दुनियाभर में निंदा की जा रही है। पाकिस्तान की लगातार मुश्किलें बढ़ रही हैं। अब भारत और मिस्र ने मिलकर आतंकवाद का मुकाबला करने की तैयारी की है।
दोनों देश मिलकर आतंकवाद के खिलाफ मोर्चा खोलेंगे। काहिरा में आतंकवाद रोकने को लेकर भारत-मिस्र संयुक्त कार्य समूह की चौथी बैठक में दोनों देश आतंकवाद से निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों को मजबूत करने पर सहमत हुए।
विदेश मंत्रालय ने बताया कि मिस्र ने हिंसा के सभी रूपों का सामना करने में भारत के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की। भारत और मिस्र ने पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले की कड़ी निंदा की।बयान में कहा गया कि दोनों देशों ने सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद का मुकाबला करने में संयुक्त प्रयासों को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों ने अपने-अपने देशों और क्षेत्रों में आतंकवादी खतरों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।
बैठक में भारतीय विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (आतंकवाद-रोधी) राजदूत केडी देवल और मिस्र के विदेश मंत्रालय के आतंकवाद-रोधी विभाग के निदेशक राजदूत वालिद अल-फिकी समेत विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल रहे।विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत और मिस्र ने आतंकवाद के लिए तकनीक के उपयोग और क्रिप्टोकरेंसी, मानव रहित हवाई प्रणालियों सहित आतंकवाद के वित्तपोषण और आतंकवादियों द्वारा साइबरस्पेस के दुरुपयोग जैसी चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए सहयोग के क्षेत्रों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।दोनों देशों ने धन शोधन विरोधी प्रयासों, मादक पदार्थों की तस्करी और संगठित अपराध में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई।

रॉबी स्टारबक ने मेटा पर ठोका मानहानि का केस

एआई के जरिए झूठी जानकारी फैलाने का आरोप

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। रूढ़िवादी कार्यकर्ता रॉबी स्टारबक ने मेटा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया गया है कि सोशल मीडिया दिग्गज के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट ने उनके बारे में गलत झूठी जानकारियां फैलाईं। इसमें यह भी दावा किया गया कि रॉबी स्टारबक 6 जनवरी, 2021 को यूएस कैपिटल में हुए दंगे में शामिल थे।कॉर्पोरेट डीईआई कार्यक्रमों को टारगेट करने के लिए जाने जाने वाले स्टारबक ने कहा कि उन्हें अगस्त 2024 में मेटा के एआई की ओर से किए गए दावों का पता चला, जब वह मोटरसाइकिल निर्माता हार्ले-डेविडसन में वोक डीईआई नीतियों को लेकर काम कर रहे थे।उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, डीलरशिप मुझसे नाखुश थी और उन्होंने मुझे दरकिनार करने के लिए मेटा के एआई से एक स्क्रीनशॉट पोस्ट किए। यह स्क्रीनशॉट झूठ से भरा हुआ था। मुझे विश्वास नहीं हो रहा था कि यह सच हो सकता है, इसलिए मैंने खुद जांच की। मैंने पाया कि यह और भी बुरा था। तब से उन्हें झूठे आरोपों का लगातार सामना करना पड़ा है, जो मेरे चरित्र और परिवार के लिए बहुत हानिकारक है।उन्होंने कहा कि वह 6 जनवरी के दंगे के दौरान टेनेसी में थे। मंगलवार को डेलावेयर सुपीरियर कोर्ट में दायर किए गए मुकदमे में पांच मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के हर्जाने की मांग की गई है।

अमेरिकी एफ-18 लड़ाकू विमान को मार गिराया

हवाई हमलों के जवाब में हूतियों का बड़ा दावा

एजेंसी

सना। यमन की राजधानी सना में लगातार अमेरिकी सैन्य विमान हूतियों के अड्डों को निशाना बना रहे हैं। इस बीच हूतियों ने दावा किया है कि लाल सागर में अमेरिका के यूएसएस हैरी एस. ट्रूमैन विमानवाहक पोत पर हमले के दौरान एक एफ-18 लड़ाकू विमान समुद्र में गिर गया।
अमेरिका के लगातार हवाई हमलों के बीच हूती विद्रोहियों ने बड़ा दावा किया है। हूतियों का कहना है कि उन्होंने पिछले दिनों अमेरिका के विमानवाहक पोत यूएसएस हैरी एस. ट्रूमैन पर हमले के दौरान अमेरिकी एफ-18 लड़ाकू विमान को मार गिराया। साथ ही एक अन्य अमेरिकी विमान वाहक पोत और इस्राइली शहर को निशाना बनाकर हमले किए।
हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया ने बयान में कहा कि लाल सागर में यूएसएस हैरी एस. ट्रूमैन विमानवाहक पोत पर हमले के दौरान एक एफ-18 लड़ाकू विमान समुद्र में गिर गया। वहीं ट्रूमैन को स्वेज नहर की ओर पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। हूतियों ने कहा कि अरब सागर में यूएसएस कार्ल विंसन और उसके साथ के युद्धपोतों को भी ड्रोन से निशाना बनाया था। इसके अलावा हूती बलों ने इस्राइल के तेल अवीव और अश्कलोन शहरों में अज्ञात सैन्य स्थलों पर भी ड्रोन हमले किए।

अमेरिकी नौसेना कहा- लापता हो गया विमान

अमेरिकी नौसेना ने कहा कि एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट विमान यूएसएस हैरी एस. ट्रूमैन पर जाते समय समुद्र में गिर गया, जिससे वह लापता हो गया। जब विमानवाहक पोत ने हूतियों के हमले से बचने के लिए तीव्र मोड़ लिया तो लड़ाकू विमान गिर गया। सेना ने कहा कि जब एफ/ए-18ई विमान हैंगर बे में सक्रिय रूप से खींचा जा रहा था, तभी चालक दल ने विमान पर से नियंत्रण खो दिया। विमान और टो ट्रैक्टर समुद्र में खो गए। यह जेट स्ट्राइक फाइटर स्क्वाड्रन 136 का हिस्सा था।

15 मार्च से अब तक अमेरिका ने किए 800 से ज्यादा हमले

बीते दिनों में अमेरिका ने हूतियों पर हमले तेज कर दिए हैं। यमन की राजधानी सना में लगातार अमेरिकी सैन्य विमान हूतियों के अड्डों को निशाना बना रहे हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा था कि उसने 15 मार्च से यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ 800 से अधिक हमले किए हैं। हमलों का उद्देश्य नौवहन की स्वतंत्रता को बहाल करना और अमेरिकी प्रतिरोध को मजबूत करना है।

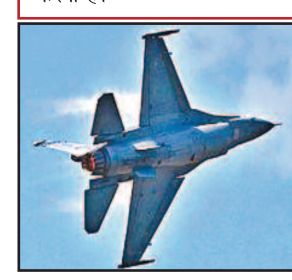

एलन मस्क का राजनीति पर ध्यान

टेस्ला के शेयरों में गिरावट से निवेशक बेचैन, नए सीईओ की शुरू हुई तलाश

एजेंसी

वॉशिंगटन। टेस्ला बोर्ड का मानना है कि एलन मस्क का ट्रंप प्रशासन के साथ जुड़ाव बढ़ रहा है। वे सरकार के प्रमुख सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर काम कर रहे हैं। ऐसे कंपनी ने टेस्ला सीईओ के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चा शुरू कर दी है। अरबपति, टेक दिग्गज और अमेरिका के सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख एलन मस्क इन दिनों राजनीति पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। वे अपने व्यवसाय पर ध्यान ही नहीं दे रहे हैं। इसके चलते उनकी कंपनी टेस्ला के शेयरों में तेजी से गिरावट आ रही है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि लगातार शेयरों में हो रही गिरावट से निवेशक बेचैन हैं। इसके बाद कंपनी ने नए सीईओ की तलाश शुरू कर दी है। टेस्ला बोर्ड का मानना है कि एलन मस्क का ट्रंप प्रशासन के साथ जुड़ाव बढ़ रहा है। वे सरकार के प्रमुख सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर काम कर रहे हैं। ऐसे कंपनी ने टेस्ला सीईओ के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चा शुरू कर दी है। एक अन्य रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस साल टेस्ला के शेयरों में 45 फीसदी तक की गिरावट आई है। शेयर की कीमत में लंबे समय से जारी गिरावट ने बोर्ड के सदस्यों की बेचैनी बढ़ा दी है। मस्क मुख्य व्यवसाय के संचालन के बजाय सरकारी कर्तव्यों को अधिक समय दे रहे हैं। इसे लेकर पिछले हफ्ते मस्क ने कहा भी था कि वह वॉशिंगटन में अपनी जिम्मेदारियों को कम कर देंगे और अपना ध्यान अपने व्यवसायों पर ध्यान देंगे।एक और रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशक टेस्ला सीईओ मस्क के काम से निराश हैं। सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर उनके सरकारी नौकरी और लागत में कटौती ने लोगों को आक्रोशित किया है।

आय में भी गिरावट

टेस्ला के वित्तीय प्रदर्शन ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। कंपनी ने पहली तिमाही की आय में 71 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की है, जिसमें बिक्री और लाभ में भारी गिरावट आई है।बोर्ड के आंतरिक प्रयासों से पता चलता है कि हालांकि कोई औपचारिक परिवर्तन नहीं दिखता है, लेकिन टेस्ला का नेतृत्व राजनीतिक विचलन, कमजोर आय और निवेशकों के हिलते विश्वास के बीच संभावित परिवर्तनों के लिए तैयारी कर रहा है।

राजशाही विश्वविद्यालय के कार्यवाहक रजिस्ट्रार के आवास पर बम से हमला

ढाका। बांग्लादेश के राजशाही विश्वविद्यालय के कार्यवाहक रजिस्ट्रार प्रो. इफ्तिखारुल आलम मसूद के आवास के बाहर रात करीब एक बजे बम से हमला किया गया। यह शक्तिशाली देशी बम बताया जा रहा है। विस्फोट की आवाज काफी दूर तक सुनी गई। प्रो. मसूद राजशाही शहर के बिनोदपुर के मंडलेर मोड़ इलाके में रहते हैं। राजशाही विश्वविद्यालय बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा और दूसरा पुराना विश्वविद्यालय है। इसका मुख्य परिसर मोतिहार में है। मुख्य परिसर राजशाही शहर के पूर्वी हिस्से में पद्मा नदी के तट से एक मील की दूरी पर है।दे डेली स्टार अखबार ने मोतिहार पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अब्दुल मलिक के हवाले से यह खबर दी।

विद्रोही सोशल मीडिया पर कर रहे युवाओं की भर्ती

कटेंट मॉडरेशन की जरूरत पर ह का जोर

एजेंसी

बोबोगोटा। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि कोलंबिया में विद्रोही समूह फेसबुक और टिकटॉक जैसे एप के जरिए बच्चों और युवाओं को बरगला रहे हैं। वे सोशल मीडिया के जरिए वयस्कों की भर्ती कर रहे हैं। ऐसे में यह पूरी दुनिया के लिए खतरनाक संकेत है। इस वजह से सोशल मीडिया कंपनियों को सामग्री मॉडरेट करने के लिए और अधिक प्रयास करने चाहिए। कोलंबिया में संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष मानवाधिकार अधिकारी स्कॉट कैंपबेल ने कहा कि आपराधिक गिरोह और विद्रोही समूहों की ओर से पोस्ट किए गए वीडियो को हटाने के लिए स्वचालित और इंसानी मॉडरेटर दोनों में अधिक निवेश की जरूरत है। ऐसे पोस्ट हाशिए के समुदायों के युवाओं को अपना निशाना बनाते हैं और उनसे गलत काम करवाते हैं। स्न्नत्रष्ट-श्वस्न्न् जैसे कोलंबियाई विद्रोही समूह तेजी से ऐसे वीडियो पोस्ट कर रहे हैं, जो युवाओं को बेहतर जीवनशैली का लालच देते हैं और गिरोहमें भर्ती होने के लिए प्रेरित करते हैं।कैंपबेल ने कहा, ये कंपनियां वैश्विक दक्षिण में ऑनलाइन सामग्री मॉडरेशन में पर्याप्त संसाधन नहीं लगा रही हैं। उन्होंने कोलंबिया को इस बात का उदाहरण बताया कि बच्चों और स्वदेशी समुदायों के लिए यह खतरा कितना गंभीर हो सकता है। उन्होंने कहा कि कंपनियां वैश्विक उत्तर में अधिक कार्रवाई करती हैं, जहां उन्हें सबसे अधिक राजनीतिक दबाव महसूस होता है। कैम्पबेल ने पहले संयुक्त राष्ट्र के जिनेवा कार्यालय में मानवाधिकार और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ के रूप में भी काम किया है।

कंपनी के बयान भी सामने आए

एक ईमेल में ञ्जद्बद्मञ्जशद्म के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी ने सामुदायिक दिशानिर्देश विकसित किए हैं, जिसमें अपने प्लेटफॉर्म पर घृणास्पद या हिंसक संगठनों को अनुमति नहीं देना शामिल है। अगर उसे पता चलता है कि ये संगठन उसके प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं या उपयोगकर्ताओं की ओर से संदिग्ध खातों को रिपोर्ट किया जाता है, तो वह खातों की समीक्षा करेगी और उन्हें हटा देगी। वह कोलंबिया में पुलिस और सेना के साथ मिलकर काम कर रही है। एक अलग ईमेल में मेटा ने कहा कि कंपनी की नीति आतंकी संगठनों को अपने प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से प्रतिबंधित करने की है। कंपनी बच्चों की भर्ती के प्रयासों से लड़ने के लिए कानून प्रवर्तन के साथ सहयोग कर रही है।

पाकिस्तान के दूतावास के अधिकारियों को सौंपा गया ज्ञापन

काठमांडू। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इस समय अधिकांश देशों में पाकिस्तान के दूतावासों के सामने विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लेकिन नेपाल में यह पहली बार हुआ जब पाकिस्तानी दूतावास के अंदर जाकर वहां के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में पहलगाम आतंकी हमले के लिए सेना प्रमुख असीम मुनीर को दोषी बताया गया। मुनीर के भड़काऊ भाषण के कारण पहलगाम घटना होने की बात कहते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई।यह वाकया बुधवार को काठमांडू में हुआ जब हिन्दू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान के पदाधिकारियों ने पाकिस्तान के दूतावास के अंतर एक ज्ञापन दिया। वैसे तो काठमांडू स्थित पाकिस्तानी दूतावास के बाहर पिछले कुछ दिनों से लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं ।

अमेरिका-यूक्रेन ने खनिज संसाधन समझौते पर हस्ताक्षर किए

कीव में निवेश और आर्थिक सुधार को मिलेगी गति

एजेंसी

कीव। अमेरिका और यूक्रेन ने बुधवार को एक नए आर्थिक समझौते की घोषणा की। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूक्रेन पर कई सप्ताह से दबाव बनाने के बाद हुआ है। अमेरिका ने यूक्रेन को रूसी आक्रमण से बचाने के लिए दी गई अरबों डॉलर की सैन्य और आर्थिक सहायता की क्षतिपूर्ति की मांग की है। रूस से जारी जंग के बीच, अमेरिका और यूक्रेन ने बुधवार को खनिज संसाधन सौदे की घोषणा की। अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने इस समझौते के बारे में एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी संयुक्त राज्य अमेरिका को यूक्रेन के साथ निवेश करने की अनुमति देती है। यह समझौता यूक्रेन के निवेश के माहौल को बेहतर बनाएगा और यूक्रेन की आर्थिक सुधार को गति देगा।इस समझौते के बाद अमेरिका को यूक्रेन के कीमती खनिजों तक पहुंच मिल गई है। अब दोनों देश मिलकर यूक्रेन की जमीन में छिपे हुए कीमती खनिजों को निकालेंगे और उनका इस्तेमाल करेंगे। यूक्रेन की जमीन में लिथियम, टाइटेनियम, यूरेनियम जैसे खनिज पाए जाते हैं, जो बैटरी, हवाई जहाज और परमाणु ऊर्जा जैसी जरूरी चीजें बनाने में काम आते हैं।समझौते के मसौदे के मुताबिक, दोनों देश मिलकर पैसे जुटाएंगे और उस पैसे से खनिजों को निकालने का काम शुरू करेंगे।
इससे अमेरिका को जरूरी खनिज मिलेंगे और यूक्रेन को पैसे और आर्थिक मदद मिलेगी। यूक्रेन इस सौदे से अपनी कमजोर अर्थव्यवस्था को मजबूत करना चाहता है।

अमेरिकी आदर्शों को पूरी तरह से छोड़ चुके हैं राष्ट्रपति

एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को। नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद से कमला हैरिस ने ट्रंप को लेकर कोई बात नहीं थीं। मगर अब जैसे-जैसे लोग ट्रंप की नीतियों का विरोध कर रहे हैं, तो वे मुखर हो रही हैं। इमर्ज अमेरिका की 20वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह के दौरान कमला हैरिस अपने भाषण में ट्रंप सरकार की नीतियों को लेकर सवाल उठाए।राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद पहली बार पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर हमला बोला। इमर्ज अमेरिका की 20वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह के दौरान अपने भाषण में कमला हैरिस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी आदर्शों को पूरी तरह से छोड़ चुके हैं।इमर्ज अमेरिका संगठन डेमोक्रेटिक महिलाओं को कार्यालय चलाने के लिए भर्ती करता है और प्रशिक्षित करता है। संगठन आंशिक रूप से 2000 के दशक के प्रारंभ में हैरिस के सैन फ्रांसिस्को जिला अटॉर्नी रहने के दौरान बनाया

गया था। इस संगठन को 20 वर्ष पूरे हो रहे हैं। ट्रंप के कार्यालय के 100 दिन पूरे होने के बाद कमला हैरिस ने भाषण दिया है।हैरिस ने कहा कि अमेरिका के सर्वोच्च आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए काम करने वाले प्रशासन के बजाय, हम उन आदर्शों का पूरी तरह परित्याग होते देख रहे हैं। उन्होंने ट्रंप के पदभार संभालने के बाद से चिंतित उनके समर्थकों के बारे में भी बताया। नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद से कमला हैरिस ने ट्रंप को लेकर कोई बात नहीं थीं। मगर अब जैसे-जैसे लोग ट्रंप की नीतियों का विरोध कर रहे हैं, तो कमला हैरिस मुखर हो रही हैं। हाल ही में लीडिंग वूमेन डिफाइंड समिट में उन्होंने कहा था कि डर संक्रामक होता है और हम इसका प्रत्यक्ष प्रमाण देख रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन साहस भी संक्रामक होता है। वर्तमान क्षण दया की शक्ति, बहनचारे की शक्ति, आत्म-देखभाल की शक्ति को उजागर करता है।कैलिफोर्निया से पूर्व स्टेट अटॉर्नी जनरल और अमेरिकी सीनेटर हैरिस ने इस अटकल को खारिज नहीं किया है कि वे गवर्नर गैविन न्यूजॉम की जगह लेने की दौड़ में शामिल हो सकती हैं, जो खुद राष्ट्रपति पद के संभावित दावेदार हैं।

हैरिस की वापसी

कमला हैरिस अब अपनी सार्वजनिक उपस्थिति बढ़ा रही हैं। चुनाव के बाद डेमोक्रेट राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ने का रास्ता तलाश रहे हैं। हाई-प्रोफाइल डेमोक्रेट्स का एक समूह पार्टी के भीतर नेतृत्व की भूमिका चाहते हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति अद्वितीय प्रभाव बनाए रखती हैं और भविष्य में किसी भी चुनाव में भाग लेने का फैसला करने पर उसे नया रूप देंगी।

पाकिस्तान ने बालाकोट की सैफुल मलूक झील को पर्यटकों के लिए खोला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बालाकोट की काघन घाटी में स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सैफुल मलूक झील को छह महीने बंद रहने के बाद पर्यटकों के लिए फिर से खोल दिया गया है। राजकुमार सैफुल मलूक और परी बदीउल जमाल की रोमांटिक किंवदंती से जुड़ी यह झील प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर है।द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, पिछले साल नवंबर में भारी बर्फबारी के कारण झील की ओर जाने वाली सड़क बंद कर दी गई थी। अब इसे साफ कर यातायात के लिए बहाल कर दिया गया है। अब पर्यटक एक बार फिर झील के आसपास बर्फ से ढके नजारों का आनंद ले सकेंगे। बालाकोट पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के मनसेहरा जिले में स्थित है।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने जयशंकर-शरीफ से की बात

भारत-पाकिस्तान से तनाव कम करने की अपील

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पहलगाम हमले को लेकर अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से बात की। उन्होंने दोनों देशों से तनाव कम करने की अपील की। साथ ही कहा कि दोनों देश दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए मिलकर काम करें। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से अलग-अलग फोन पर बात की। उन्होंने दोनों देशों से पहलगाम हमले के बाद जारी तनाव को कम करने की अपील की। हालांकि, इस दौरान रुबियो ने आंतकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि भी की। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस के अनुसार, विदेश मंत्री रुबियो ने पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति दुख जताया। इस दौरान रुबियो ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। साथ ही पाकिस्तान से हमले की निंदा करने और जांच में सहयोग करने को कहा। इसके अलावा, रुबियो ने भारत से अपील की कि वह तनाव कम करने के साथ ही दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पाकिस्तान के साथ मिलकर काम करे। रुबियो ने यही बात पाकिस्तानी पीएम शरीफ से भी कही। बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी।

किरदार छोटा ही सही, लेकिन खूबसूरत है

बेबी', 'हमारी अधूरी कहानी' और 'बिग बॉस' जैसे शोज में अपनी खास पहचान बना चुकीं मधुरिमा तुली जल्द ही जॉन अब्राहम के साथ फिल्म 'तेहरान' में नजर आएंगी।

सुनने में आ रहा है कि आप फिल्म तेहरान में नजर आने वाली हैं। इस प्रोजेक्ट से आप कैसे जुड़ीं?

'तेहरान' में मैं जॉन अब्राहम जी की पत्नी का किरदार निभा रही हूं। यह एक बहुत ही खूबसूरत रोल है, जो परिवार की तरह दिल और आत्मा है। मुझे इस फिल्म की शूटिंग के दौरान सभी के साथ काम करके बहुत मजा आया। फिल्म में मानुषी छिल्लर और नीरू बाजवा भी हैं। इसे मैडॉक फिल्म्स प्रोड्यूस कर रही है और पूरी टीम के साथ काम करने का अनुभव बेहद शानदार रहा।
अचानक ही मुझे इस प्रोजेक्ट के लिए संपर्क किया गया। फिल्म की शूटिंग पहले से चल रही थी और मुझे लास्ट मिनट पर कॉल आया। पहले मुझसे मेरी डेट्स पूछी गईं और कुछ सीन पढ़ने के लिए दिए गए। उसके बाद कुछ समय तक कोई कॉल नहीं आया, लेकिन लगभग दो हफ्ते बाद मुझे बताया गया कि मुझे इस फिल्म के लिए फाइनल कर लिया गया है। वह पल मेरे लिए बहुत खुशी भरा था।सेट पर पहुंचने के बाद ही मेरी सबसे पहली बार मुलाकात हुई। उससे पहले मैं किसी से नहीं मिली थी। बाद में मुझे पता चला कि टीम को 'बेबी' में मेरा किरदार बहुत पसंद आया था और उसी के आधार पर उन्होंने मुझे इस प्रोजेक्ट के लिए चुना। फिल्म का शूट दिल्ली में हुआ, जो करीब 5-6 दिनों तक चला। यह ज्यादा लंबा शूट नहीं था। मैंने मजाक में उनसे यह भी कहा था कि मेरा रोल थोड़ा बढ़ा दीजिए, क्योंकि मुझे शूटिंग में बहुत मजा आ रहा था। लेकिन जो किरदार था, मैंने वही निभाया।

'बेबी के बाद क्या आपको कभी नीरज पांडे या अक्षय कुमार की तरफ से कोई और ऑफर आया?

बेबी' के सीक्वल या स्पिन-ऑफ को लेकर मुझे फिलहाल कोई जानकारी नहीं है कि वह बन रही है या नहीं। हां, 'बेबी' का एक स्पिन-ऑफ 'नाम शबाना' जरूर बना था और 'बेबी 2' के अंत में एक क्लू भी छोड़ा गया था। मैंने तो नीरज सर से 'बेबी 2' बनाने का अनुरोध भी किया है। अक्षय सर की तरफ से 'बेबी' के बाद मुझे अब तक कोई सीधा अप्रोच नहीं मिला है। लेकिन मुझे उम्मीद है कि भविष्य में जरूर कोई प्रस्ताव आएगा, क्योंकि उस कहानी में आगे बढ़ने की पूरी संभावना है।

आगे आप किस तरह के किरदार निभाना चाहती हैं?

अब तक मैंने कई तरह के किरदार निभाए हैं। कुछ चुलबुले, कुछ गंभीर और कुछ चुनौतीपूर्ण भी। आगे मैं ऐसे किरदारों की तलाश में हूं जो न सिर्फ मजबूत हों, बल्कि कहानी में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। मेरा मानना है कि एक अच्छा किरदार वही होता है जो कहानी को आगे बढ़ाए और दर्शकों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ जाए। मैं ऐसे किरदारों को एक्सप्लोर करना चाहती हूं जो महिला सशक्तिकरण का संदेश दें या समाज से जुड़े किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाएं। इसके अलावा, मुझे साइकोलॉजिकल थ्रिलर और सस्पेंस से भरपूर कहानियों में काम करने में भी दिलचस्पी है।

क्या आपके पास कोई ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसमें आप मुख्य भूमिका में नजर आएंगी?

मेरे पास एक अमेजन का शो है, जिसका टाइटल है 'वन पॉइंट 40'। इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं, क्योंकि इसमें मेरा किरदार फुल-फ्लेज्ड है। इस शो की पूरी कहानी काफी हद तक मेरे किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है। मेरा रोल सिर्फ एक सहायक भूमिका या कुछ दृश्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे कथानक का एक महत्वपूर्ण केंद्र बिंदु है।इस शो में मुझे अपने अभिनय की लेयर्स को दिखाने का अवसर मिला है। किरदार में कई शेड्स हैं, जिन्हें निभाने की मैंने पूरी कोशिश की है। एक कलाकार के तौर पर मुझे इस प्रोजेक्ट से बहुत संतुष्टि मिली है। इसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिलहाल यह पोस्ट-प्रोडक्शन फेज में है। उम्मीद है कि यह शो इस साल अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगा। इस शो में मेरे साथ संजय कपूर सर और अरबाज खान सर भी हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव भी बेहद शानदार रहा।

अभी आपके एक प्रोजेक्ट 'बेखबर के बारे में सुना था। वह क्या है?

बेखबर' हमारी कंपनी एसवीएमटी का प्रोजेक्ट है, जिसे मेरे भाई ने शुरू किया है। यह एक म्यूजिकल शॉर्ट फिल्म है, जिसका निर्देशन मेरे भाई श्रीकांत ने किया है। फिल्म एक ऐसी लड़की की कहानी है, जो अपनी मां से नाराज होकर घर छोड़ देती है। आगे उसकी जर्नी और एक घटना के माध्यम से उसे यह एहसास होता है कि परिवार ही जीवन में सबसे महत्वपूर्ण होता है। यह फिल्म पहले इसी साल रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब शायद अगले साल आएगी।

आप 2007 से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं, लेकिन आपकी फिल्मोग्राफी अपेक्षाकृत (अन्य की तुलना में) कम नजर आती है। क्या इसके पीछे कोई खास वजह है?

कहीं न कहीं मैं थोड़ी लेट थी, शायद थोड़ी आलसी भी थी। मैंने खुद को ज्यादा पुश नहीं किया। मुझे लगता है कि मुझे थोड़ा और प्रयास करना चाहिए था ताकि मैं ज्यादा काम कर सकूं। जिस समय मेरा पीक पीरियड था, मैंने खुद को उतना पुश नहीं किया। मुझे लगता है कि यह मेरी ही गलती थी। भगवान ने बहुत कुछ दिया, लेकिन मैंने खुद को आगे बढ़ाने में कमी की। काम पाने को लेकर मेरी सेल्फ-प्रोएक्टिविटी कभी इतनी ज्यादा नहीं रही। मुझे काफी लोग जानते हैं, और इसके कारण ऑडिशंस और लुक टेस्ट के कॉल खुद-ब-खुद आ जाते हैं। पहले मैंने बहुत सारे ऑडिशन दिए हैं, लंबी लाइनों में खड़ी हुई हूं। अब अगर कॉल आता है, तो मैं घर से लुक टेस्ट दे देती हूं, या अगर ऑडिशन के लिए जाना होता है, तो मुझे एक पर्टिकुलर टाइम मिल जाता है। हालांकि, काम मांगने में कभी शर्म नहीं होनी चाहिए, खासकर जब आप किसी के साथ पहले काम कर चुके हों। कॉल करके दोबारा साथ काम करने की इच्छा व्यक्त करना बिल्कुल सही है।फायदे तो हर काम से मिलता है। मैं इंडस्ट्री में काम करने के लिए आई हूं और नच बलिए और बिग बॉस जैसे बड़े शोज हैं। अगर आपको डांस का शौक है तो क्यों नहीं करें? अगर मैं उसे मना कर दूंगी, तो फिर मैं इस इंडस्ट्री में हूं ही क्यों? मैंने टेलीविजन पर काफी काम किया है और अगर मैं नच बलिए को ठुकराती तो वह मेरे लिए गलत होता।

बच्चों के लिए घर पर बनाएं आलिया भट्ट की मनपसंद ब्राउनी

एक शो के दौरान जब आलिया भट्ट से उनकी पसंदीदा मिठाई या स्वीट है के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि उन्हें ब्राउनी बहुत पसंद है, लेकिन इसे बनाने का तरीका थोड़ा अलग होता है। इसमें चीनी की मात्रा काफी कम होती है, ताकि वह अपना शुगर इनटेक मेंटेन कर सकें। अगर आपको भी आलिया भट्ट की तरह ब्राउनी पसंद है, तो हमारी यह रेसिपी आपके लिए बिल्कुल परफेक्ट रहेगी।

ब्राउनी बनाने के लिए आवश्यक सामग्रियां

मैदा - 1 कप
कोको पाउडर -1 कप
बटर - 1 कप
पीसी हुई चीनी -2 कप
बेकिंग पाउडर - 1 छोटा चम्मच
वनीला एसेंस - 1 छोटा चम्मच
बेकिंग सोडा- 1 चुटकी
दूध - 2 कप
कटा हुआ ड्राई फ्रूट्स - 1 कप

विधि

ब्राउनी बनाने के लिए सबसे पहले मैदा और कोको पाउडर को एक बर्तन में छान लें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
अब इस मिश्रण में एक चौथाई बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा को डालकर मिला लें।
फिर, इसमें आधा कप पिसी हुई चीनी के साथ तेल डालें और अच्छी तरह से मिक्स करें। साथ में वनीला एसेंस डालकर अच्छी तरह से फेंट लें।
थोड़ा सा दूध डालकर ब्राउनी का गाढ़ा बैटर तैयार करें। सारी चीजों को अच्छी तरह से फेंट लेने के बाद मिश्रण में कटे हुए सारे ड्राई फ्रूट्स डाल दें।
मिश्रण को अच्छी तरह से फेंटने के बाद बेक करने वाले बर्तन में डाल दें। बेकिंग ट्रे को पहले बटर की मदद से ग्रीस कर लें।
अगर बटर पेपर हो तो उसे भी लगा सकती हैं। बेकिंग वाले बर्तन में एक चौथाई जगह खाली रखें, जिससे कि उसे फूलने की जगह मिले।
अगर ओवन है तो उसमे 15 से 20 मिनट रखकर बेक करें। नहीं तो कूकर में नमक डालकर उसके ऊपर बेकिंग के बर्तन को रखें। बिना रबड़ के सीटी लगा दें और करीब चालीस मिनट तक बेक करें।
इस बात का ध्यान रखें कि थोड़ी-थोड़ी देर पर आप अपनी ब्राउनी को चेक करते रहे। अगर वह तैयार हो चुकी है तो उसे गैस से उतार ले, लेकिन अगर वह अभी भी अधपकी लग रही है तो उसे थोड़ी देर और बेक होने दें।
जब लगे ब्राउनी बेक हो गई है, तो उसे गैस पर से उतार लें और छोटे-छोटे पीस में काटकर अपने मेहमानों या बच्चों को सर्व करें। आप इस ब्राउनी को लगभग तीन से चार दिनों तक फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं, लेकिन उसके बाद इसे खाने से बचें, क्योंकि यह हेल्थ के लिए हानिकारक हो सकता है। अगर आप अपने शुगर इनटेक को कम रखना चाहते हैं, तो इसमें कम मात्रा में चीनी डालें।

आप चाहे तो चॉकलेट शुगर सिरप से ब्राउनिंग की टॉपिंग भी कर सकते हैं। यह इसके टेस्ट को और भी ज्यादा बढ़ा देगा।

सफेद बालों को छिपाने में मदद करेगी देसी चाय

कम उम्र से ही बालों का सफेद होना तनाव और शरीर में कई जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी की ओर इशारा करता है। ऐसे में आप अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में कुछ बदलाव करके इसको रिवर्स करती हैं। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसी चाय के बारे में बताने जा रहे हैं।
कई बार आइने में देखते हुए बालों के बीच कुछ सफेद बाल नजर आते हैं, हमारे चेहरे पर शिकन आ जाती है। खासकर यदि 30 साल की उम्र के बाद सफेद बाल दिखाई देने लगें, तो यह काफी खराब लगता है। अक्सर हम इन सफेद बालों को छिपाने का तरीका ढूंढते हैं और बालों को सफेद करने के लिए हेयर कलर का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन अगर आप सफेद बालों को छिपाने की बजाय इनको कम करने पर ध्यान देना चाहिए।
बता दें कि कम उम्र से ही बालों का सफेद होना तनाव और शरीर में कई जरूरी न्यूट्रिएंट्स की कमी की ओर इशारा करता है। ऐसे में आप अपनी लाइफस्टाइल और डाइट में कुछ बदलाव करके इसको रिवर्स करती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसी चाय के बारे में बताने जा रहे हैं, जो सफेद बालों की समस्या को कम कर सकती है।

देसी चाय की सामग्री

गुड़हल के फूलों का पाउडर- 1 टेबलस्पून
मेथी के बीज- आधा टेबलस्पून
हल्दी- आधा टीस्पून
सेंधा नमक- आधा टीस्पून
नींबू- कुछ बूंदे

ऐसे बनाएं देसी चाय

सबसे पहले एक जार में हल्दी, मेथी के बीज, सेंधा नमक और गुड़हल के फूलों का पाउडर डाल लें।
इसके बाद इन सारी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लें।
अब इसमें आधा चम्मच पाउडर लेकर इसमें 1 गिलास पानी मिलाएं।
फिर नींबू के रस की कुछ बूंदे डालें और रोजाना इसका सेवन करें।

फायदे

बता दें कि मेथी के बीज हेयर फॉलिकल्स को मजबूती देने का काम करता है और यह बालों के समय से पहले सफेद होने से रोकता है।
मेथी के बीजों में विटामिन ए, विटामिन सी और विटामिन के पाया जाता है। साथ ही इसमें पोटैशियम, आयरन और फोलिक एसिड भी भरपूर मात्रा में होता है। मेथी बालों को पोषण देने का काम करता है और इसके इस्तेमाल से बाल मजबूत होते है, साथ ही समय से पहले सफेद भी नहीं होते हैं।
वहीं हल्दी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं। जोकि स्कैल्प की हेल्थ में सुधार करता है। हल्दी में कॉपर और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है और यह बालों को काला करने में मददगार होता है।
हल्दी में कर्क्युमिन पाया जाता है और यह बालों को मजबूत करता है और इससे बालों का झड़ना भी कम होता है।
गुड़हल की चाय का सेवन करने से बालों का झड़ना कम होता है और इसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है, जो बालों को समय से पहले सफेद होने से रोकता है।
सेंधा नमक में कई जरूरी मिनरल्स पाए जाते हैं, जो हमारे बालों को मजबूती देते हैं।गुड़हल के फूल का पाउडर हेयर फॉलिकल्स को मजबूत करने के साथ मेलानिन के प्रोडक्शन को सपोर्ट करता है।

नेपाल का प्यार छुपा है झोल मोमो में

ये एक तरह से तीखा और जायकेदार व्यंजन है जो मोमो के शौकीनों लोगों के लिए एक परफेक्ट कॉम्बो है।
झोल मोमो नेपाल की एक पारंपरिक और अनोखी डिश है। ये साधारण मोमो से स्वाद में बिल्कुल अलग होती है। यह मोमो और एक मसालेदार, तीखे झोल यानी की ग्रेवी का अनोखा और चटपटा मेल है। इसके कारण ही झोल मोमो का स्वाद कई गुना बढ़ जाता है। साधारण मोमो तो आपने कई बार खाए होंगे, लेकिन झोल मोमो की बात ही कुछ और है। इसे खासकर काठमांडू और इसके आसपास के इलाकों में बहुत पसंद किया जाता है। हम मोमो को ज्यादातर सूखी चटनी या सॉस के साथ खाते हैं, लेकिन झोल मोमो में इन्हें मसालेदार ग्रेवी में डुबोकर परोसा जाता है, ये एक तरह से तीखा और जायकेदार व्यंजन है जो मोमो के शौकीनों लोगों के लिए एक परफेक्ट कॉम्बो है। अगर आप कुछ नया ट्राय करना चाहते हैं,तो ये डिश आपके लिए परफेक्ट है। इसे घर पर बनाना न सिर्फ आसान है बल्कि मज़ेदार भी है।

मोमो के लिए सामग्री

मैदा - 3 कप
नमक - स्वादानुसार
पानी - आटा गूंथने के लिए
तेल - 2 टेबलस्पून
स्टफिंग के लिए सामग्री
कद्दूकस की हुई पत्ता गोभी - 2 कप
कद्दूकस की हुई गाजर - 1 कप
सोया सॉस - 2 चम्मच
तेल - 2 चम्मच
बारीक कटे हुए प्याज - 2
काली मिर्च - 1 चम्मच
कद्दूकस किया हुआ लहसुन - 2 चम्मच
कद्दूकस किया हुआ अदरक - 1 चम्मच
बारीक कटा हुआ हरा धनिया - 3 चम्मच
नमक - स्वादानुसार

झोल के लिए सामग्री

उबले और छिले हुए टमाटर - 4
भिगोई हुई सूखी लाल मिर्च - 6
लहसुन - 7 कलियां
अदरक - 1 इंच टुकड़ा
धनिया पत्ती - 1/2 कटोरी
जीरा - 1 चम्मच
नींबू का रस - 1 चम्मच
नमक - स्वादानुसार
हल्दी - 1 चम्मच
तिल - 2 चम्मच
मूंगफली - 2 चम्मच
पानी - आवश्यकतानुसार

मोमो की विधि

एक गहरे बर्तन में मैदा, तेल और नमक मिलाएं और धीरे-धीरे पानी डालकर हल्का सख्त आटा गूंथकर । 30 मिनट के लिए ढककर रख दें।
स्टफिंग तैयार करें
एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें लहसुन, प्याज और अदरक डालकर हल्का भूनें। अब इसमें और पत्ता गोभी और गाजर डालें और 3-4 मिनट तक भूनें। काली मिर्च, नमक और सोया सॉस डालकर साथ में हरा धनिया भी मिलाएं और इस स्टफिंग को ठंडा होने के लिए रख दें।

मोमो बनाएं

तैयार आटे की छोटी-छोटी लोइ बनाकर बेल लें। अब इस लोई में हल्का गड्ढा बनाएं और इसके अंदर तैयार स्टफिंग रखकर किनारों को अपनी पसंद का आकार देकर बंद कर दें।

अब करें स्टीम

स्टीमर में पानी गर्म करके मोमो को चिकनाई लगी हुई प्लेट में रखें और स्टीमर में 15 मिनट तक स्टीम करें। मोमो पक जाने पर थोड़े पारदर्शी और चमकते हुए दिखते हैं।

झोल की विधि

तिल और मूंगफली को बिना तेल के सूखा ही भूनकर ठंडा होने दें।
मिक्सर में भिगोई हुई लाल मिर्च, उबले हुए टमाटर, अदरक, मूंगफली, भुना हुआ तिल, हल्दी ,लहसुन,जीरा, धनिया पत्ती और नमक डालें। अब इसमें थोड़ा पानी डालकर स्मूद पेस्ट बना लें।
अगर मिश्रण गाढ़ा हो जाए , तो उसमें थोड़ा और पानी डालें ताकि यह झोल जैसा बने। अब इसमें नींबू का रस मिलाएं।
इस झोल को आप चाहें तो थोड़ा गर्म भी कर सकते हैं, या इसे ठंडा भी परोसा जा सकता है। दोनों ही तरह से इसका स्वाद लाजवाब होता है।

युजवेंद्र चहल की हैट्रिक पर महवश ने जताई खुशी

भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और आरजे महवश इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। दोनों के बीच डेटिंग की खबरें लंबे समय से सामने आ रही हैं। इसी बीच अब महवश का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह युजवेंद्र पर प्यार लुटाते हुए उनकी तारीफ करती नजर आ रही हैं।दरअसल, बुधवार 30 अप्रैल को आईपीएल 2025 का 49वां मैच चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला गया। इस मुकाबले में युजवेंद्र चहल ने 19वें ओवर में लगातार तीन विकेट लेकर हैट्रिक पूरी की, जिसमें एमएस धोनी का विकेट भी शामिल था।इसके बाद हर किसी ने युजवेंद्र चहल की जमकर तारीफ की। इसमें उनकी कथित गर्लफ्रेंड राजे महवश भी शामिल रहीं। चहल की हैट्रिक पर महवश ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की, जिसमें उन्होंने लिखा– गॉड मोड ऑन क्या? युजवेंद्र चहल, आपके अंदर एक योद्धा की ताकत है, सर।कई बार चहल की तारीफ कर चुकी हैं महवश बता दें, यह पहली बार नहीं है जब महवश ने चहल की दमदार परफॉर्मेंस के बाद उनकी तारीफ की हो। इससे पहले भी वह कई बार चहल की तारीफ करते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर स्टोरी लगा चुकी हैं।

चहल संग है अफेयर की चर्चा

महवश का नाम युजवेंद्र चहल के साथ जोड़ा जा रहा है। जब चहल का तलाक धनश्री वर्मा से नहीं हुआ था, तब भी दोनों की डेटिंग की खबरें सामने आने लगी थीं। वहीं, चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में भी महवश और चहल एक साथ पहुंचे थे, जिसके बाद उनके अफेयर की खबरें और भी ज्यादा तूल पकड़ने लगी थीं।सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर आरजे महवश इन दिनों लाइमलाइट में हैं। उनका नाम लगातार भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ जोड़ा जा रहा है। एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि जब वह 19 साल की थीं, तब उनकी सगाई हो चुकी थी। लेकिन उस रिश्ते ने उन्हें इतना बड़ा ट्रॉमा दिया था।

पलक तिवारी के भाई संग मस्ती करते दिखे इब्राहिम

पलक तिवारी की फिल्म द भूतनी आज रिलीज हो गई है। हाल ही में फिल्म की स्क्रीनिंग में न सिर्फ स्टार कास्ट शामिल हुई, बल्कि पलक के रूमर्ड बॉयफ्रेंड इब्राहिम अली खान भी नजर आए। इब्राहिम और पलक ने इस दौरान एक-दूसरे को गले लगाया, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इसके अलावा, इब्राहिम को पलक के सौतेले भाई के साथ मस्ती करते हुए भी देखा गया। इसके बाद से ही फैंस का दावा है कि दोनों ने अपने रिश्ते को अब कंफर्म कर दिया है।
दरअसल, फिल्म द भूतनी का 30 अप्रैल को स्क्रीनिंग रखी गई थी। इसमें पलक तिवारी की मां श्वेता तिवारी और उनके छोटे भाई रेयांश भी पहुंचे थे। इस दौरान रेयांश के साथ इब्राहिम अली खान काफी मस्ती करते नजर आए।
जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो फैंस भी काफी खुश हो गए। एक के बाद यूजर्स ने इस वीडियो पर अपना रिएक्शन देना शुरू कर दिया। एक यूजर ने कमेंट

किया- मुझे पलक और इब्राहिम साथ में पसंद हैं। वे एक अच्छी जोड़ी बनाते हैं। एक फैन ने यह भी लिखा कि गर्लफ्रेंड के छोटे भाई को हमेशा प्यार किया जाता है।
बता दें, इब्राहिम और पलक को कई बार एक-दूसरे के साथ स्पॉट किया गया है। लेट नाइट पार्टी हो या साथ में फिल्म देखने जाना हो अक्सर दोनों साथ में ही नजर आते हैं। कई बार पलक को लोगों से प्रोटेक्ट करते हुए भी इब्राहिम अली खान को देखा गया था। वहीं, हाल ही में एक इंटरव्यू में इब्राहिम अली खान से उनके और पलक तिवारी के रिलेशनशिप स्टेट्स के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'पलक मेरी बहुत ही अच्छी दोस्त है। वह बहुत स्वीट है, बस यही कहूंगा।'

लो बजट वाले राम और लीला

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद न सिर्फ भारत बल्कि दुनियाभर में इस घटना को लेकर गुस्सा है। इस बीच एक नया पाकिस्तानी ड्रामा 'शेर' रिलीज से पहले ही चर्चा में आ गया है। सोशल मीडिया यूजर्स का दावा है कि इस शो में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की फिल्म 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' के एक सीन की हूबहू नकल की गई है।
पाकिस्तानी एक्टर्स दानिश तैमूर और सारा खान के नए ड्रामा शेर का टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है। इसमें दोनों कलाकार बंदूकें थामे एक-दूसरे की ओर निशाना साधे दिखाई दे रहे हैं, जिससे कहानी में रोमांच और टकराव दोनों का अंदाजा लगाया जा सकता है।
टीजर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर यूजर्स के रिएक्शन सामने आने लगे। उनका मानना है कि इस सीन की झलक बॉलीवुड फिल्म राम लीला से मिलती-जुलती है, जिसमें रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने मुख्य भूमिका निभाई थी।
ड्रामा की कहानी भी प्यार और दुश्मनी के इर्द-गिर्द घूमती दिख रही है, जहां दो लोग एक-दूसरे से बेइंतहा मोहब्बत करते हैं, लेकिन उनके परिवारों के बीच गहरी रंजिश है। इसी समानता के कारण कुछ सोशल मीडिया यूजर्स इसे अब फिल्म की कॉपी बता रहे हैं।

बैन लगते ही बिगड़े पाकिस्तानी एक्टर्स के बोल

बता दें, पाकिस्तानी एक्टर्स को अब न सिर्फ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री से बल्कि सोशल मीडिया से भी रिस्ट्रिक्ट कर दिया गया है। इसी बीच पाकिस्तानी एक्टर्स के खिसियाते हुए बोल बिगड़ने शुरू हो चुके हैं। कुछ समय पहले ही जावेद अख्तर ने इस बैन पर कहा था कि भारत में पाकिस्तानी कलाकारों को इज्जत दी गई, लेकिन बदले में पाकिस्तान ने कभी इंडियन कलाकारों को मौका नहीं दिया। इस पर पाक एक्टर ने कहा है कि कुछ लोग इज्जत के लायक नहीं होते। इतना ही नहीं उन्होंने ये तक कह दिया है कि अगर भारतीयों को पाकिस्तानियों से आपत्ति है, तो उन्हें फिल्म में कास्ट ही क्यों करते हैं।